रांची, बुधवार
10.12.2025
वर्ष : 11, अंक : 10 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रुपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

झारखंड विधानसभा से 7721.25 करोड का अनुपूरक बजट ध्वनिमत से पारित, विपक्ष ने किया वॉक आउट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालिन सत्र के दौरान मंगलवार को सदन में ध्वनिमत से 7721.25 करोड का अनुपूरक बजट पारित हो गया। अनुपूरक बजट पर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर का जवाब शुरू होते ही भाजपा ने वॉक आउट किया।

वित्त मंत्री ने कहा कि एक अप्रैल से 30 नवंबर तक 67,696.37 करोड रुपये की प्राप्ति हुई, जिसमें 66,871 करोड रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कुल 98.8 प्रतिशत राशि खर्च की गई है। उन्होंने कहा कि स्टेट ऑन टैक्स के लिए टारगेट 41600 करोड रुपए का था, जिसमें 30 नवंबर तक 23,897 करोड रुपए की प्राप्ति हुई है। वहीं स्टेट टैक्स से 19456 करोड़ वसूली का लक्ष्य है, जिसमें 8565.63 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई है। किशोर ने कहा कि हम आंतरिक संसाधन को मजबूत कर रहे हैं। एडिशनल रेवेन्यू मोबलाइजेशन से पैसे की प्राप्ति कर लेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र से 28,863.64 करोड रुपए नहीं मिले हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि 30 नवंबर तक केंद्र सरकार से केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी में 47040 करोड़ में से 30971 करोड़ रुपए ही मिले हैं। वहीं केंद्रीय अनुदान में 17057 करोड़ में 4261.70 करोड़ ही मिला है। इस तरह केंद्र से 28,863. 64 करोड़ रुपए नहीं मिले हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि यदि सरकार पैसे देती को 450 रुपए में गैस सिलिंडर भी देती। उन्होंने कहा कि उज्जवला गैस योजना के तहत राज्य में 65 लाख लाभुक हैं। हर महीने इतने लाभुकों को गैस सिलेंडर देने में 12 महीने में 2100 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

वित्त मंत्री ने कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार नहीं है, इसलिए केंद्र सौतेला व्यवहार कर रहा है। उन्होंने कहा कि जलजीवन मिशन का 6300 करोड़ रुपए नहीं मिला है। वहीं समाज कल्याण का 890 करोड़ रुपए और पेंशन मद में 132 करोड़ रुपए भारत सरकार की ओर से नहीं भेजा गया है। हालांकि उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग में पैसे की कमी नहीं है। एफआरबीएम की सीमा तीन फीसदी से नीचे 2.2 फीसदी है। उन्होंने कहा कि इंटरनल रिसोर्स डेवलप कर राज्य को आगे ले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के विकास के लिए 16,800 करोड़ रुपये ऋण लिया जाएगा। मंईयां सम्मान योजना में 13 हजार 500 करोड़ का बजट है। इसके अलावा 78 हजार करोड़ रुपये जेनरल स्कीम के लिए पड़े। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी कर्मियों को 30 नवंबर को ही वेतन मिल चुका है। राज्य सरकार लॉ एंड आर्डर प्रति कमिटेंट है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त लोग हेमंत सरकार में जेल के खलाखों के पीछे हैं। हम सिस्टम को कमिटेंट फॉर पब्लिक बनाना चाहते हैं। साथ ही पुलिसिंग को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में नक्सल नियंत्रित हुआ है खत्म नहीं हुआ। लेकिन पिछले दो वर्षों में झारखंड में नक्सल अपराध कम हुआ है इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने सदन की कार्यवाही बुधवार की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

संक्षिप्त खबरें

विनय चौबे के करीबी व्यवसायी नवीन पटवारी के घर एसीबी की छापेमारी

दुमका। रांची में व्यवसायी श्रवण जालान के बाद अब दुमका के व्यवसायी नवीन पटवारी के ठिकानों पर एसीबी की दिन भर छापेमारी चली। एसीबी के अधिकारियों ने नगर थाना क्षेत्र के यामहा शोरूम के समीप व्यवसायी नवीन पटवारी के घर को दिन भर खंगालती रही। करीब 5 बजे शाम एसीबी अधिकारी वापस गए। हालांकि मामले में किसी अधिकारी ने कुछ भी बताने से मना किया। सूत्रों की माने तो निलंबित आईएएस विनय चौबे के खिलाफ दर्ज आय से अधिक संपत्ति मामले में एसीबी द्वारा दर्ज मामले में कार्रवाई की गई है। व्यवसायी नवीन पटवारी निलंबित आईएस विनय चौबे के करीबियों में से एक है। एसीबी को अदेशा है कि विनय चौबे ने अपनी काली कमाई को व्यवसायियों के पास कारोबार के लिए लगाया है।

झारखंड में आनेवाले दिनों में सताएगी ठंड

रांची। झारखंड के सभी जिलों में आनेवाले दिनों में ठंड सताएगी। राज्य भर में अगले एक-दो सप्ताह में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री का उतार-चढाव होगा। यह जानकारी मौसम विभाग ने मंगलवार को दी। विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण पछुआ हवाएं चलेंगी। इसके प्रभाव से आनेवाले दिनों में तापमान में दो डिग्री की गिरावट होने की संभावना है। इसके बाद अगले दो दिनों के दौरान तापमान में धीरे-धीरे दो से तीन डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। विभाग के अनुसार 10 से 13 दिसंबर तक राज्य के कई जिलों में सुबह में कुहासा छाया रहेगा, जबकि बाद में मौसम पूरी तरह से साफ हो जाएगी।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 101 रनों से दी करारी शिकस्त

कटक: हार्दिक पंड्या (नाबाद 59/ एक विकेट) और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने मंगलवार को पहले टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 101 रनों से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। हार्दिक को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 12.3 ओवर में 74 रन पर ढेर कर मुकाबला 101 से जीत लिया।

वंदे मातरम पर चर्चा से आगामी पीढ़ियों को इसके असली महत्व को समझने में मिलेगी मदद : शाह

एजेंसी

नई दिल्ली: राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को देश भक्ति, त्याग और राष्ट्र चेतना का प्रतीक बताते हुए सोमवार को कहा जो लोग इस समय इसकी चर्चा करने के औचित्य और जरूरत पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें अपनी सोच पर नये सिरे से विचार करना चाहिए।

शाह ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष होने पर उच्च सदन में चर्चा में भाग लेते हुए उम्मीद जतायी कि इस चर्चा के माध्यम से देश के बच्चे, युवा और आने वाली पीढ़ी यह बात समझ सकेगी कि वंदे मातरम का देश को स्वतंत्रता दिलाने में क्या योगदान रहा है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा में इस विषय पर कुछ लोगों ने यह प्रश्न उठाया था कि आज वंदे मातरम पर चर्चा क्यों होनी चाहिए। शाह ने कहा कि वंदे मातरम के प्रति समर्पण की जरूरत, जब यह बना तब थी, आजादी के आंदोलन में थी, आज भी है और जब 2047 में महान भारत की रचना होगी, तब भी रहेगी। शाह ने कहा कि यह अमर कृति भारत माता के प्रति समर्पण, भक्ति और कर्तव्य के भाव जागृत करने वाली कृति है। गृह मंत्री ने कहा कि जिन्हें यह समझ नहीं आ रहा है कि आज इस पर चर्चा क्यों की जा रही है, उन्हें अपनी समझ पर नये सिरे से विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस चर्चा को पश्चिम बंगाल में होने जा रहे चुनाव से जोड़ कर देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग बंगाल चुनाव से जोड़कर राष्ट्रीय गीत के महिमामंडन को कम करने का प्रयास कर रहे हैं।

वंदे मातरम को नारा बनाने वाली कांग्रेस ही थी: खरगे

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने वंदे मातरम को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू पर हमला करने से पहले भाजपा को इतिहास पढ़ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को नारा बनाने वाली कांग्रेस ही थी। कांग्रेस की परंपरा है कि वह अपने कार्यक्रमों की शुरुआत वंदे मातरम के साथ करे और भाजपा को भी ऐसा ही करके दिखाने की चुनौती दी। राज्यसभा में वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान मंगलवार को खरगे ने कहा, कांग्रेस के नेता भारत माता की जय, महात्मा गांधी की जय, वंदे मातरम के नारे लगाए और जेल गए, लेकिन भाजपा नेताओं ने अंग्रेजों के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह जवाहरलाल नेहरू और अन्य कांग्रेस नेताओं का अपमान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। जब व्याख्याकिता को ध्यान में रखते हुए वंदे मातरम के केवल पहले दो पैराग्राफ गाने का निर्णय तत्कालीन कांग्रेस कार्यसमिति का सामूहिक निर्णय था, तो केवल जवाहरलाल नेहरू को ही क्यों निशाना बनाया गया?

लोकसभा में सोमवार को इस विषय पर हुई चर्चा में कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों के सांसदों ने इस मुद्दे पर इस समय चर्चा कराये जाने की जरूरत पर प्रश्न उठाये थे।

झारखंड पुलिस के आठ अफसरों को मिला आईपीएस में प्रमोशन

बिभा संवाददाता

रांची। राज्य पुलिस सेवा के आठ पुलिस अफसरों को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में प्रमोशन को लेकर गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर दी है। यह अधिसूचना भारतीय पुलिस सेवा 1955 के प्रावधानों के तहत जारी की गई है। जिन अफसरों को आईपीएस में प्रमोशन मिला उनमें शिवेंद्र, राधा प्रेम किशोर, मुकेश कुमार महतो, दीपक कुमार, मंजरुल होदा,राजेश कुमार, रौशन गुड़िया, श्रीराम समद शामिल है।

इसी तरह तीन अफसरों को प्रोविजनली शामिल किया गया। इस प्रमोशन लिस्ट में शिवेंद्र, राधा प्रेम किशोर और मुकेश कुमार महतो के नाम शामिल किए गए हैं। इन तीनों अधिकारियों को फिलहाल प्रोविजनली शामिल किया गया है, अर्थात उन पर लंबित किसी भी आपराधिक या विभागीय मामले की जांच पूरी होने और राज्य सरकार से उपयुक्तता प्रमाण पत्र मिलने के बाद ही अंतिम नियुक्ति की जाएगी।

इस अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि चयन सूची में नाम आने के बाद भी नियुक्ति तभी होगी जब यूपीएससी की औपचारिक अनुशंसा, राज्य सरकार की सतर्कता/ईमानदारी प्रमाणित रिपोर्ट और सभी लंबित प्रकरणों के निपटारे के बाद अंतिम आदेश जारी होगा।

गृह मंत्रालय की अधिसूचना में यह बताया गया है कि संघ लोक सेवा आयोग ने 8 दिसंबर 2025 को बैठक कर वर्ष 2022 और 23 की चयन सूची को अपनी स्वीकृति प्रदान की है। अधिसूचना के मुताबिक झारखंड राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के नाम को चयन सूची में शामिल किया गया है, जिन्हें आईपीएस में पदोन्नति के बाद झारखंड कैडर में रिक्त पड़े आठ पदों पर नियुक्त किया जाएगा।

इंडिगो पर सरकार सख्त, उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती, रिफंड, लगेज और यात्री सुविधा को लेकर सख्त आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिगो संकट पर सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइन को उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कंपनी को ये कहा गया है कि वो यात्रियों सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए रिफंड और लगेज जल्द से जल्द वापस लौटाए।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने मंगलवार को ह्यएक्सह्न पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि देशभर में बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिल की अफरा-तफरी के बीच ऑपरेशन को स्थिर करने के लिए केंद्र ने इंडिगो के रूट्स में 10 फीसदी की कटौती की है।

इससे पहले इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने राम मोहन नायडू से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान पीटर एल्बर्स नागरिक उड्डयन मंत्री के सामने हाथ जोड़े नजर आए।

राम मोहन नायडू ने आगे लिखा, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो को अपने कुल रूट्स में 10 फीसदी की कटौती करने का ऑर्डर दिया है। उन्होंने कहा कि इससे एयरलाइन के ऑपरेशन्स को स्टेबल करने और आगे कैंसिलेशन कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते इंडिगो के क्रू-मेंबर रोस्टर, फ़्लाइट शेड्यूल और कम्युनिकेशन की कमी के कारण कई यात्रियों को बहुत परेशानी हुई। इसको लेकर जहां जांच और जरूरी कार्रवाई चल रही है, वहीं, एयरलाइन के टॉप मैनेजमेंट के साथ स्टेबिलाइजेशन उपायों का रिव्यू करने के लिए एक और बैठक हुई।

मंत्री ने बताया कि इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को अपडेट देने के लिए मंत्रालय में बुलाया गया था। उन्होंने कन्फर्म किया कि 06 दिसंबर तक जिन फ़्लाइट्स पर असर पड़ा था, उनके 100 फीसदी रिफंड पूरे हो गए हैं। इसके बाद बाकी रिफंड और बैगेज हैंडओवर को तेजी से पूरा करने का सख्त निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि इंडिगो को बिना किसी छूट के मंत्रालय के सभी निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें किराया तय करना और यात्रियों की सुविधा के उपाय शामिल हैं।

इससे पहले नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो एयरलाइन की शीतकालीन उड़ानों में 5 फीसदी की कटौती करने का निर्देश जारी किया था। नियामक ने कहा कि इस कटौती से एयरलाइन की लगभग 110 उड़ानें रोज कम होंगी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो प्रतिदिन करीब 2,200 उड़ानें संचालित करती है।

ऐसा कोई नियम-कानून नहीं होना चाहिए, जो जनता को परेशान करे : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि व्यवस्था सुधारने के नाम पर लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाना चाहिये। पीएम मोदी ने संसद परिसर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की संसदीय दल की बैठक में कहा कि नियम और कानून जरूरी है लेकिन व्यवस्था को सुधारने के नाम पर जनता को असुविधा देना उचित नहीं है। किसी भी हाल में लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। किसी भी कानून या नियम में ऐसा प्रावधान नहीं होना चाहिए जिससे आम आदमी को परेशानी हो।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश अब पूरी तरह से 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' के चरण में है, जहाँ सुधार तेज, स्पष्ट और नागरिक-केंद्रित हैं। उनका कहना था कि सरकार का लक्ष्य लोगों की रोजमर्रा की परेशानियों को दूर करना है, ताकि वे अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ सकें। बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि प्रधानमंत्री ने तीसरी पारी में सुधारों पर जोर दिया है और अब मोदीजी की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' चल चुकी है और से रूकने वाली नहीं है। सभी हर स्तर पर इसी दिशा में काम करेंगे।

पीएम मोदी ने बैठक के बाद एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा कि संसद में राजग सांसदों के साथ हुयी बैठक में सुशासन को मजबूत करने और विकसित भारत के लक्ष्य पर सकारात्मक चर्चा हुयी। बैठक को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य अनावश्यक पेपरवर्क और लंबे फार्म की व्यवस्था को समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि नागरिकों को उनके द्वार पर सेवा मिले और उन्हें बार-बार अपना अपने कागज जमा न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि सरकार नागरिकों की जिंदगी आसान बनाने के लिए तेज गति से सुधार कर रही है। बैठक में प्रधानमंत्री ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सराहना करते हुये उन्हें बिहार जीत का शिल्पकार बताया। पीएम मोदी ने कुमार के दसवीं बार मुख्यमंत्री बनने को उन्होंने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने नागरिकों पर भरोसा दिखाते हुए स्व प्रमाणन की सुविधा दी और यह व्यवस्था पिछले दस वर्षों से बिना किसी समस्या के काम कर रही है। संसदीय दल की बैठक में बिहार में गठबंधन की प्रचंड जीत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को माला पहनाकर सांसदों ने स्वागत किया। यह बैठक संसद के पुस्तकालय भवन में आयोजित हुयी।

हस्तशिल्प संस्कृति का वाहक और आजीविका का आधार है: राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को यहां कहा कि हस्तशिल्प हमारी संस्कृति के वाहक हैं और साथ ही, आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं।

राष्ट्रपति ने आज यह बात नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में सात दिवसीय (08-14 दिसंबर) ह्रराष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताहह्न समारोह की उद्घाटन के दौरान कही। उन्होंने अपनी अनूठी कारीगरी और नवाचार से देश की कलात्मक विरासत को समृद्ध रखने वाले कुशल शिल्पकारों, डिजाइनरों, स्टार्ट-अप्स और नवप्रवर्तकों शिल्पकारों को वर्ष 2023 और 2024 के लिए 36 ह्नराष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कारह्न और 12 ह्रशिल्प गुरु पुरस्कारह्न देकर सम्मानित किया। इनमें 02 डिजाइन और नवाचार पुरस्कार (कारीगर-डिजाइनर सहयोग) शामिल हैं। पुरस्कार विजेताओं में 20 महिला कारीगर हैं।

इस मौके पर केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, कपड़ा राज्यमंत्री पवित्र मार्गेरिटा, वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शामी राव और विकास आयुक्त हस्त शिल्प अमृत राज सहित अन्य अधिकारीगण, कारीगर, उद्योग प्रमुख, निर्यातक, डिजाइनर उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुर्मु ने कहा, ह्रहस्तशिल्प पारंपरिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों को सहायता प्रदान करता रहा है। यह क्षेत्र न केवल कारीगरों को आजीविका का साधन प्रदान करता है, बल्कि उनकी कला उन्हें समाज में पहचान और सम्मान भी दिलाता है। इस क्षेत्र से देश के 32 लाख से अधिक लोग जुड़े हुए हैं, जिनमें 68 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह क्षेत्र पर्यावरण के अनुकूल है और टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देता है।ह्न उन्होंने समावेशी विकास और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए हस्तशिल्प उद्योग को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, ह्रजीएसटी (जीएसटी) दरों में कटौती से हस्तशिल्प उत्पादों के निर्यात को भारी प्रोत्साहन मिला है। बीते वर्षों में, हस्तशिल्प निर्यात 25,000 करोड़ रुपये से दोगुना होकर अब 50,000 करोड़ रुपये के स्तर को छू चुका है। सरकार ने 2031-32 तक इस आंकड़े को 01 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। केंद्र सरकार के महत्त्वपूर्ण कदमों के कारण, अब ग्रामीण शिल्पकारों का सामान सीधे अमेरिका, इंग्लैंड और दुनिया के किसी भी कोने में उपलब्ध हो सकेगा।ह्न

उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प की कला और स्थिरता को बढ़ाने के लिए अब नई तकनीकों और सामग्रियों को भी उत्साहपूर्वक अपनाया जा रहा है। इसमें बाँस, रेमी और फ्लैक्स जैसे टिकाऊ फाइबर का उपयोग प्रमुख है। 336 हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त होने से भारत वैश्विक हस्तशिल्प बाजार में एक मजबूत ब्रांड के रूप में स्थापित होगा।

वोटर लिस्ट मामले में सोनिया, दिल्ली पुलिस को अदालत का नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को भारत की नागरिकता हासिल करने से पहले 1980 में वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के आरोप से संबंधित मामले में मंगलवार को नोटिस जारी किया।

यह नोटिस मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली पुनरीक्षण याचिका पर जारी किया गया है। इस फैसले में मजिस्ट्रेट अदालत ने कथित जाली दस्तावेजों की मदद से वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिये श्रीमती गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश देने से इनकार कर दिया गया था। राउज एवेन्यू अदालत में पुनरीक्षण याचिका दायर कर श्रीमती गांधी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही की मांग की गयी है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि श्रीमती गांधी ने जाली दस्तावेजों की मदद से 1980 की वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल करवाया था। उन्होंने 1982 में अपना नाम हटवा लिया था और फिर 1983 में भारत की नागरिकता मिलने के बाद उन्होंने एक बार फिर वोटर लिस्ट में नाम शामिल करवाया।

उपायुक्त ने श्रम विभाग, सामाजिक सुरक्षा, जिला नियोजन एवं जिला बाल संरक्षण विभाग की समीक्षा

बिभा संवाददाता

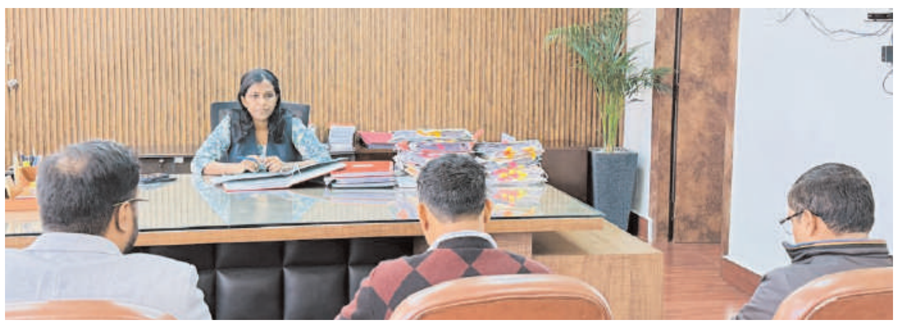

खूँटी : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आज उपायुक्त आर० रॉनिटा ने श्रम विभाग, सामाजिक सुरक्षा विभाग, जिला नियोजन विभाग एवं जिला बाल संरक्षण विभाग की बैठक कर समीक्षा की।
उपायुक्त ने श्रम विभाग की समीक्षा करते हुए झारखंड असंगठित कर्मकार बोर्ड के अंतर्गत श्रमिकों का अधिक से अधिक निबंधन कराने एवं लाभुकों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए।
बैठक के दौरान गोवा के एक नाइट क्लब में हाल ही में हुई आगजनी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में खूंटी जिला के कर्रा प्रखंड अंतर्गत गोविंदपुर निवासी मोहित मुंडा की मृत्यु के विषय पर भी चर्चा करते हुए उपायुक्त ने मृतक के आश्रितों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।
सामाजिक सुरक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सर्वजन पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, मईया सम्मान योजना, विधवा पेंशन, परिवार लाभ योजना समेत अन्य योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभुकों की अद्यतन स्थिति, भुगतान पर उन्होंने योग्य लाभुकों का चयन कर उन्हें समयबद्ध तरीके से योजनाओं का लाान्वित करने के निर्देश दिये।
मेधावी छात्रवृत्ति योजना, चिकित्सा सहायता योजना, विवाह सहायता योजना, अंत्येष्टि सहायता योजना तथा औजार किट सहायता योजना का लाभ देने के लिए निर्देश दी।
मौके पर उपायुक्त ने फोस्टर केयर, पीएम केयर स्कीम, कंपनसेशन, आफ्टर केयर स्कीम, सहयोग विलेज, आशा किरण विलेज समेत अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा की।
इस बैठक में मुख्य रूप से श्रम अधीक्षक, जिला नियोजन पदाधिकारी-सह-सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारी समेत संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

आर्य समाज के द्वारा गोविंदपुर आर्य समाज मंदिर प्रांगण में किया गया यज्ञ अनुष्ठान व कम्बल वितरण

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के जरिया गढ़ थाना क्षेत्र अन्तर्गत गोविंदपुर गाँव में मंगलवार को आर्य समाज श्रद्धानंद रोड राँची के द्वारा एक सामूहिक यज्ञ अनुष्ठान किया गया। साथ ही, आर्य समाज द्वारा पूर्व में चल रहे आर्य समाज विद्यालय को पुनः चालू करने का निर्णय लिया।
मौके पर , बताया गया है गोविंदपुर के आर्य समाज मंदिर जीर्ण शीर्ण अवस्था में हो गया है जिसके कारण विद्यालय बंद है। उस विद्यालय को नवनिर्माण करने हेतु और पुनः चालू करने हेतु राम मंदिर गोविंदपुर के भूखंड में हवन किया गया। जिसमें बताया गया कि आर्य समाज के नाम भू-दाता आत्मा राम पोद्दार के द्वारा विद्यालय चलाने के लिए में संस्था को दान किया गया था। उस भूमि पर यज्ञ एवं भूमि पूजन किया गया। इस दौरान वृद्धजनों के बीच कम्बल वितरण किया गया। साथ ही पद्म भूषण कड़िया मुंडा के शीघ्र स्वास्थ्य के लिए आहुति डालकर भगवान से कामना की गई। कार्यक्रम के उपरांत गोवा में वे हादसा से एतवा मुण्डा के पुत्र मोहित मुण्डा के निधन पर शोकाकुल परिवार के घर जाकर मुलाकात की व संवेदना व्यक्त किया व दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।
इस भूमि पूजन कार्यक्रम में आर्य समाज शारदानंद रोड रांची कार्यालय के पदाधिकारी एवं पूरे गोविंदपुर ग्राम के ग्रामीण शामिल हुए।

उपायुक्त ने दिए प्रत्येक आवेदन पर समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जन शिकायत निवारण दिवस में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं मांगों को विस्तारपूर्वक सुना. इस दौरान नागरिकों द्वारा पेंशन स्वीकृति, पारिवारिक प्रताड़ना, दुकान आवंटन, रास्ता अवरोध, भूमि विवाद, ग्रामीण क्षेत्र में जबरन मोबाइल टावर लगाने की शिकायत, दीदी कैफे खोलने हेतु स्थान उपलब्धता, चिकित्सकीय सहायता, रैयती भूमि पर अतिक्रमण, अबुआ आवास योजना का लाभ, रोजगार, बकाया वेतन भुगतान, परशुराम भवन के संबंध में तथा ई-ट्राईसाइकिल सहित जनसमस्याओं से संबंधित अन्य आवेदन प्राप्त हुए.उपायुक्त ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को अग्रसारित किया. उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक एवं पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित हो. उपायुक्त ने कहा कि नागरिकों की समस्या का समाधान प्राथमिकता है. विभागीय पदाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी आवेदन लंबित न रहे और हर मामले में समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यवाही हो. गंभीर प्रकृति के मामलों पर विशेष निगरानी रखते हुए त्वरित कार्रवाई की जाए तथा समाधान की दिशा में ठोस परिणाम सामने आएं

संक्षिप्त खबरें

जदयू : मानगो मंडल की बैठक में संगठन विस्तार पर चर्चा

जमशेदपुर (बिभा): जद (यू) मानगो मंडल की बैठक मंडल अध्यक्ष लालू गौड़ की अध्यक्षता में हुई. बैठक में पार्टी के जिला महामंत्री कुलविंदर सिंह पन्नू उपस्थित थे. संगठन को मजबूत करने, कार्यकताओं के बीच समन्वय बढ़ाने तथा आनेवाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने पर चर्चा की गई. कुलविंदर पन्नू ने कहा कि संगठन तभी मजबूत बनता है जब प्रत्येक पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सक्रियता और निष्ठा के साथ करे. उन्होंने कार्यकताओं से जनसंपर्क बढ़ाने और पार्टी की विचारधारा को प्रत्येक बूथ तक पहुँचाने का आह्वान किया. बैठक में पदाधिकारियों ने अपनेझअपने सुझाव दिए और संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सामूहिक सहयोग का आश्वासन दिया. बैठक में कमलकांत, अशोक कुमार, संजीव सिंह, आनंद पांडेय, अवतार सिंह परमार, ममता सिंह, राज किशोर राउत, सुदामा गौड़, मुख्तार, परविंदर राम, नीरज साहु आदि उपस्थित थे.

जमशेदपुर प्रखंड में जनसमस्याओं के समाधान को लेकर प्रमुख ने सौंपा छह सूत्री मांग पत्र

जमशेदपुर(बिभा)। जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों के त्वरित समाधान की मांग को लेकर जमशेदपुर प्रखंड प्रमुख पानी सोरेन के नेतृत्व में पंचायत समिति सदस्यों ने उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी को छह सूत्री मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में मुख्य रूप से छोटा गोविंदपुर जलापूर्ति योजना में लगातार उत्पन्न हो रही समस्याओं को दूर कर नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने, बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना के कार्य में तेजी लाकर शीघ्र क्रियान्वित करने तथा बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी जलापूर्ति योजना का निर्माण कार्य पूर्ण कराकर कॉलोनीवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की मांग शामिल है।इसके अतिरिक्त, 10 दिसंबर को पंचायत समिति सदस्य प्रशासन समिति की बैठक का पत्र जारी होने के बावजूद वित्त एवं अंकेक्षण योजना समिति की बैठक नियमित रूप से नहीं होने पर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल ने बढ़ती ठंड को देखते हुए कंबल वितरण और मुख्य चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया। सभी बिंदुओं से अवगत होने के बाद उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने वीडिओ को नियमित रूप से मासिक बैठक आयोजित करने का निर्देश भी दिया। मौके पर प्रमुख पानी सोरेन, उप प्रमुख शिवकुमार हाँसदा, पंचायत समिति सदस्य सत्यवीर सिंह बग्गा, किशोर सिंह, मनोज यादव, सुनील गुप्ता, रवि कुरली, साकरो सोरेन, जसमीन गुड़िया और सोनिया भूमिज उपस्थित रहे।

आनंद मार्ग के 2 घंटे के शिविर में 5 यूनिट रक्तदान, 20 कंबल एवं 50 पौधा वितरण

जमशेदपुर (बिभा): आनंद मार्ग के रक्तदान शिविर में रोगियों के स्वास्थ्य लाभ के लिए घंटे में 5 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान ।50 पौधा का वितरण किया गया ।गदरा में चिन्हित 20 लोगों को कंबल वितरण के दूसरे दिन 20कंबल दिया गया एवं ग्रामीणों के बीच 50 फलदार पौधे का वितरण किया गया। सुनील आनंद का कहना है कि जितने भी रक्तदाता निस्वार्थ भाव से रक्तदान करते हैं वह सभी लोग ईश्वर कोटि के मनुष्य है करण इस रक्तदान करने में रक्तदाता का किसी प्रकार का कोई भी स्वार्थ नहीं रहता परम पुरुष के बच्चे अपने संस्कारगत कारण से कष्ट भोग कर रहे हैं उन बच्चों के स्वास्थ्य लाभ के लिए जो रक्तदान करते हैं इसलिए इस तरह के मनुष्य को ईश्वर कोटि के मनुष्य कहा गया है।

एसडीएम ने इंडेन गैस एजेंसी का किया औचक निरीक्षण

बुण्डू(बिभा) ।एसडीएम किष्टो कुमार बेसरा ने मंगलवार को बुण्डू स्थित इंडेन गैस एजेंसी में औचक निरीक्षण किया। एसडीएम ने गैस गोदाम से लेकर ग्राहक सेवा केंद्र तक सभी हिस्सों की बारीकी से जाँच की। एजेंसी में सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाएँ ठीक तरह से लागू हैं या नहीं, इस पर खास ध्यान दिया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने सिलेंडर, स्टॉक रजिस्टर, डिलीवरी रजिस्टर, ई-बिल, बुकिंग रिकॉर्ड और रोजाना के ब्यौरे की जाँच की। उन्होंने कहा कि गैस एजेंसी में पारदर्शिता और सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम ने अग्नि सुरक्षा से जुड़े उपकरण जैसे फायर एक्सटिंग्विशर, सैंड बकेट और इमरजेंसी एग्ज़िट की व्यवस्था को भी परखा। साथ ही, स्टाफ को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के बाद एसडीएम किष्टो कुमार बेसरा ने एजेंसी प्रबंधन को कुछ सुधार संबंधी निर्देश दिए। उन्होंने पूरी सतर्कता बरतने और ग्राहकों को बेहतर सुविधा देने पर जोर दिया।

किसानों की जमीन पर सड़क बना दी गई, लेकिन अंचलाधिकारी के सत्यापन के बावजूद रैयतदारो को मुआवजा नहीं दिया गया : विधायक

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित पोटका विधानसभा क्षेत्र के पोटका और डुमरिया प्रखंड में पथ निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण कार्यों में रैयतदारों की भूमि लिए जाने के बावजूद मुआवजा भुगतान नहीं होने का मामला विधानसभा में उठाया गया। शून्यकाल के दौरान विधायक संजीव सरदार ने सदन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकृष्ट कराते हुए कहा कि किसानों और ग्रामीणों की जमीन पर सड़कें बन चुकी हैं, लेकिन अब तक उन्हें उनके अधिकार का मुआवजा नहीं मिला है। विधायक ने बताया कि पोटका और डुमरिया क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण सड़कों का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जिससे भविष्य में आवागमन बेहतर होगा, लेकिन इसकी कीमत स्थानीय रैयतदार किसान चुका रहे हैं। उन्होंने सदन में कहा कि अंचलाधिकारी द्वारा भूमि सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर रिपोर्ट जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को भेजी जा चुकी है, इसके बावजूद भुगतान अटकना प्रशासनिक लापरवाही को दशार्ता है। संजीव सरदार ने सरकार से मांग की कि जिन रैयतदारों की जमीन अधिग्रहित की गई है, उन्हें बिना और देरी किए शीघ्र मुआवजा राशि का भुगतान कराया जाए, ताकि वर्षों से परेशान किसानों को राहत मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क निर्माण विकास का प्रतीक है, लेकिन विकास की आड़ में किसानों के अधिकारों की अनदेखी स्वीकार्य नहीं है। विधायक ने सरकार से इस विषय में तत्काल हस्तक्षेप करने और संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश जारी करने की मांग की, जिससे पोटका और डुमरिया प्रखंड के प्रभावित रैयतदारों को उनका वैधानिक हक मिल सके।

जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता-सह-प्रदर्शनी का आयोजन

बिभा संवाददाता

खूँटी ।झारखंड शिक्षा परियोजना, खूँटी द्वारा जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता-सह-प्रदर्शनी 2025-26 का आयोजन जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में किया गया।
इस कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार ने कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए सभी विद्यालयों के मॉडलों और प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से विभिन्न मॉडलों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त की।
मौके पर उन्होंने कहा कि खूंटी जिले के बच्चों में प्रतिभा, नवाचार एवं तकनीक की समझ अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मॉडल न सिर्फ ज्ञानवर्धक हैं, बल्कि काफी मेहनत और रचनात्मकता के भी उदाहरण हैं। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने मॉडलों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी प्रदर्शित करें और जिले का नाम गौरवान्वित करें।
जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता-सह-प्रदर्शनी में खूँटी जिले के कुल 15 विद्यालयों ने भाग लिया। व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत हेल्थ केयर, ब्यूटी एवं वेलनेस, मल्टी स्किल, रिटेल, एग्रीकल्चर, मीडिया एवं एंटरटेनमेंट, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक एवं हार्डवेयर आदि 11 ट्रेडों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को उप विकास आयुक्त द्वारा मंच पर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, बीईओ, शिक्षक-शिक्षिकाएँ, छात्र-छात्राएँ एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

नाबालिग ने की आत्महत्या

खूँटी ।नगर पंचायत क्षेत्र के अमृतपुर मुहल्ले में किराये के मकान में किरायेदार जीवन नाग की 14 वर्षीय नाबालिग बेटी फुलमनी नाग ने मंगलवार को घर पर ही फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। फुलमनी नाग खूँटी थाना के सामने स्थित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में आठवीं कक्षा की छात्रा थी। जिसके पिताजी ने अपने गाँव अड़की प्रखंड के ईचाकुटी को छोड़ पढ़ाने के लिए खूंटी में किराए के मकान में रखे थे। वहीं मंगलवार को फुलमनी का शव घर के भीतर फंदे से लटका हुआ मिला। तभी शव को देख पूरा परिवार स्तब्ध रह गए। फिर घटना की जानकारी पुलिस को दी गयी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुँची और शव का अन्त्यपरिक्षण कराया और परिजनों को सौंप दिया। साथ ही उसके द्वारा उठाए गए इस कदम पर पुलिस सभी दृष्टिकोण से जाँच की प्रक्रिया शुरू कर दी। फिलहाल पुलिस घटना को आत्महत्या मानते हुए विभिन्न तरीकों से अनुसंधान रही है। परिजनों ने बताया कि बीते कई दिनों से फुलमनी विद्यालय नहीं जा रही थी और चुपचाप रहने लगी थी। घरवालों ने इसे सामान्य व्यवहार में होने वाला बदलाव समझा, लेकिन मंगलवार को जब भाई-बहन स्कूल से लौटे तो दृश्य देखकर स्तब्ध रह गए।वहीं बेटी के द्वारा उठाए गये इस कदम से पिताजी का सपना चकनाचूर हो गये।

जहर खाने से ईलाजरत 20 वर्षीय निशा की हुई मौत

खूँटी ।जिले के तोरपा थाना क्षेत्र अन्तर्गत बारकुली गांव की 20 वर्षीय निशा कुमारी उर्फ निशु ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। जानकारी के अनुसार, बारकुली गाँव के सुरेश साहू की बेटी निशा कुमारी सोमवार को जहर खा ली थी। जिसे रेफरल अस्पताल तोरपा पहुँचाया गया था। लेकिन स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए चिकित्सकों निशा को सदर अस्पताल खूँटी भेज दिया था। जहाँ खूंटी के सदर अस्पताल में उपचार चल रहा था कि इसी बीच मंगलवार को उसने दम तोड़ दी। लेकिन उसके द्वारा उठाए गये इस कदम पर दोषी कौन है। जिस पर पुलिस द्वारा अनुसंधान किया जा रहा है।

सांगोर गांव में 170 किसानों को लाह खेती पर प्रशिक्षण मिला

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के कर्रा प्रखंड अंतर्गत किसानों को लाभ की खेती करके स्वावलम्बिता के राह पर आगे बढ़ाने के दृष्टिकोण से सांगोर गाँव में मंगलवार को एक ही दिन में लाह की खेती करने का प्रशिक्षण दे डाला गया ।जो अब? लाह की खेती करके लाह उद्योग को बढ़ावा देकर और लाह उत्पादन करके आर्थिकोपार्जन कर सके। जिन्हें जैस्कोलाम्प राँची और द हंस फाउंडेशन द्वारा 170 किसानों को लाह खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्रा प्रखंड के बमरजा, कर्रा, मेहा, लरता एवं डुमरगड़ी पंचायत के तुनेल, लोटा , पहाड़टोली , सांगोर , सुवारी, कुदा, तिमड़ा, बिनगोड़ी एवं डुमरगड़ी आदि गांव के लाह किसान शामिल हुए. इस प्रशिक्षण में भारतीय प्राकृतिक लाह एवं गोंद संस्थान नामकोम, राँची के सेवानिवृत्त वैज्ञानिक दिलीप कुमार ने बतौर प्रशिक्षक प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में लाह के प्रकार, पेड़ का छँटाई, माह, लाह पेड़ की तैयारी, बीज का उपचार, लाह बीज लगाने का विधि, विभिन्न दवा का उपयोग एवं इसका समय अवधि, कटाई का समय आदि के विषय में जानकारी दिया गया। इस प्रशिक्षण में अगल-बगल गाँव के किसान एवं महिला-पुरुष भी सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण के बाद प्रत्येक लाह किसान को दो दौली, लाईलोन का थैला, लाह स्प्रे के लिए इसाक्राब एवं फैक्स दवा एवं 10-10 किसानों के समूह को 20 फीट का सीढ़ी एवं गटोर स्प्रे मशीन 90 प्रतिशत अनुदान में वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आजीविका के माध्यम लम्बे समय तक चलने वाले रोजगार के मौके देकर गरीब समुदायों को मजबूत बनाना है। अगर ये सभी लाह की खेती करें तो उन्नत हो जाएंगे। इस प्रशिक्षण क्रार्यक्रम को सफल बनाने में प्रोजेक्ट मैनेजर राजेश, ब्लॉक कोर्डिनेटर स्टीफन, फिल्ड कोर्डिनेटर अमित , रानी हस्सा, संध्या पूनम तिर्की, रेशमा सोरों के अलावे अन्य लोगों का सराहनीय योगदान दिया।

प्रदेश स्तरीय स्वांसी समाज की बैठक में लिए गये कई अहम निर्णय

बिभा संवाददाता

खूँटी ।नगर पंचायत क्षेत्र के डाक-बंगला रोड स्थित राजस्थान भवन में मंगलवार को स्वाँसी (पाण्ड) समाज एकता संघ खूंटी जिला इकाई एवं झारखंड प्रदेश स्तर का बैठक हुई। बैठक में समाज के लोगों ने जिलाध्यक्ष सुखलाल स्वांसी की अगुवाई में अपने-अपने मंतव्य व्यक्त किया।
समाज के वक्ताओं ने कहा का आज हमारे स्वांसी (पांड़) समाज पिछड़ते जा रहा है, कारण कि हमारे समाज में एकजुटता की कमी है। इसलिए हम समाज के लोग एक सूत्र में बंधकर रहना होगा और समाज को मजबूती प्रदान करना होगा।
वक्ताओं ने कहा की हमे अपने बच्चों को भूखे रहकर भी पढ़ना होगा। जो भी समाज समाज शिक्षित होता है उस समाज का, विकास और उत्थान होता है । वक्ताओं ने कहां की समाज से नशाबंदी को पूर्ण रूप से समाप्त करना होगा। जिस परिवार में नशा हावी हो गया वह परिवार पूरी तरह बर्बाद हो जाती है। इसके लिए हम लोगों को बैठक में और समाज के घर घर जाकर शराब का दुष्प्रभाव के बारे समझाना होगा।
बैठक में भगवान बिरसा मुंडा के अनुयाई आध्यात्मिक गुरु आनंद (पांड़) स्वांसी जी का मूर्ति को लेकर विमर्श एवं विस्तार हेतु आनंद (पांड़) स्वांसी जी के मूर्ति स्थापना को लेकर कार्य समिति का गठन किया गया और कार्य समिति का विस्तार हुआ ।
बैठक में आनंद स्वांसी, सहज स्वांसी, सरायकेला-खरसावां जिलाध्यक्ष दुलाल स्वांसी ,रूईदास तांति, चक्रधरपुर पश्चिमी सिंहभूम जिलाध्यक्ष विजय दास, मनोज स्वांसी , रांची जिलाध्यक्ष विश्वकर्मा स्वांसी, मदन स्वांसी, दीपक स्वांसी, विश्वनाथ स्वांसी, पुष्पेंद्र स्वांसी, शांति देवी, सहदेव स्वांसी, शिबू स्वांसी ,अमर स्वांसी, जितराम स्वांसी, विजय स्वांसी, अभिराम स्वांसी, संजय स्वांसी, जीतबाहन स्वांसी, एवं झारखंड प्रदेश स्तर के प्रमुख पदाधिकारी व अन्य लोग उपस्थित थे।

जाड़े में सुदूरवर्ती ग्रामीण बच्चों को मिला गर्म वस्त्र, ठिठुरते चेहरे पर आयी मुस्कुराहट

बिभा संवाददाता

खूँटी ।जिले के टीम मुरहू और अड़की के सुदूरवर्ती गाँवों में मंगलवार ग्रामीण बच्चे बच्चियों और बड़ों के बीच बढ़ते ठंड को देखते हुए डालसा और सेवा वेलफेयर के संयुक्त तत्वावधान में पुराने वस्त्र वितरण किया गया। जहाँ सुबह के सात बजे गाँवों में छोटे बच्चे ठंड से ठिठुरते नजर आ रहे थे। कई बुजुर्गों व बच्चों के तन पर गर्म कपड़े नहीं थे। टीम ने मुरहू प्रखंड के केवड़ा गांव में वस्त्रों का वितरण किया। इसके बाद अड़की प्रखंड के मदहातू और बूढ़ीकाय में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों के बीच गर्म व सामान्य वस्त्रों का वितरण किया गया। जिसे पाकर लोग काफी खुश नजर आए। उनके चेहरे पर बिखरी खुशी जो खुशी दे रही थी, वह अभियान की सफलता की कहानी कह रही थी। महिलाओं ने कहा अच्छा किए कपड़ा ला दिए, अब ठंड के दिन कट जाएंगे। ठंड के मौसम में ठिठुरते लोगों की दशा झारखंड के गांवों के दास्तां बयां कर रही थी।
सेवा वेलफेयर के सचिव अजय शर्मा ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा, खूँटी के अध्यक्ष रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में डालसा, खूंटी और सेवा वेलफेयर सोसाईटी के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को जिले के सुदूवर्ती इलाकों में वस्त्र वितरण अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान बढ़ते ठंड को के मद्देनजर चलाया जा रहा है। वस्त्र वितरण करने वाली टीम में मदहातू के लादु मुंडा, बिरबांकी के पूर्व मुखिया जवरा पाहन, हरसिंह मुंडा और बूढ़ीकाय के सागर मुंडा शामिल थे। इस अभियान की परिकल्पना और मदद डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर के द्वारा की जा रही है। उन्होंने ही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा, खूंटी के अध्यक्ष रसिकेश कुमार के समक्ष इस अभियान का प्रस्ताव रखा था।
वहीं अभियान के लिए वस्त्रदान खूंटी व्यवहार न्यायालय परिवार, डीएवी, पब्लिक स्कूल, खूँटी परिवार तथा अधिवक्ता अमित कुमार के परिवार ने की।

बकसपुर सरनाटोली में जंगली हाथी ने किया फसल बर्बाद

बिभा संवाददाता

खूँटी ।जिले के जरिया गढ़ थाना क्षेत्र के बकसपुर सरनाटोली में मंगलवार को दिनदहाड़े जंगली हाथी ने जमकर उत्पात मचा दिया। जंगल से भटककर गांव के नजदीक पहुँचे हाथी ने खेतों में घुसकर धान और अन्य फसलों को भारी नुकसान पहुँचाया। वहीं हाथी के गांव के निकट पहुँचते देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। हाथी को गाँव की ओर बढ़ता देख सैकड़ों महिला-पुरुष एकजुट होकर उसे खदेड़ने के लिए निकल पड़े। ग्रामीण चिल्लाहट और शोर-गुल के बीच लोग हाथी के पीछे दौड़ते नजर आए। भीड़ को देखकर जंगली हाथी भी इधर-उधर भागने लगा, जिससे स्थिति बेहद खतरनाक हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि हाथी की दहशत पिछले कई दिनों से बढ़ती जा रही है और दिनदहाड़े खेतों में घुसकर फसलें बर्बाद करना चिंता का विषय है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। विभाग की टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है और हाथी को जंगल की ओर मोड़ने की कोशिश जारी है। जंगली जानवरों की बढ़ती आवाजाही को लेकर स्थानीय लोग लगातार दहशत में हैं। वहीं ग्रामीणों ने आखिरकार गाँव से बड़का रेगरे जंगल की ओर हाथी को रास्ता दिखाया तब राहत की साँस ली।

आयुष्मान योजना के तहत थैलेसीमिया मरीजों के इलाज के लिए सरकार 14 लाख रुपये वहन करेगी : इरफान अंसारी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड के थैलिसिमिया से पीडित बच्चों को आयुष्मान योजना के तहत अन्य राज्यों की तर्ज पर 14 लाख रुपये तक के इलाज का खर्च वहन करेगी। मंत्री ने यह बातें मंगलवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के सवाल के जवाब में कही।

प्रदीप यादव ने यह मामला ध्यानाकर्षण की सूचना के तहत उठाया था। जवाब में मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के पास झारखंड में थैलिसिमिया और सिकल सेल जैसी बीमारियों से पीड़ित बच्चों का कोई सर्वे रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। लेकिन सरकार ऐसे पीड़ित बच्चों का सर्वे कराएगी और मरीजों के हित में सदर अस्पताल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध कराएगी।

प्रदीप यादव ने मंत्री से ऐसे बच्चों को रक्तरदान करनेवालों के लिए आई कार्ड बनाने और ऐप बनाने की भी मांग की। उन्होंने बताया कि थैलिसिमिया और सिकल सेल जैसी बीमारियों से पीड़ित बच्चों में बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए कर्नाटक 20 लाख, बिहार 15 और अरूणाचल प्रदेश में 15 लाख रुपये की सहायता राशि देती है, लेकिन झारखंड में ऐसी सुविधा नहीं है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार कोल इंडिया के सहयोग से इन बीमारियों के लिए 10 लाख रुपए तक की सहायता करती है।

प्रदीप यादव ने मंत्री से झारखंड के थैलिसिमिया से पीड़ित बच्चों को रक्तदान से संबंधित व्यवस्था के बारे में पूछा इसपर मंत्री ने कहा कि यह सुविधा राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में मौजूद है। मंत्री के इस जवाब पर प्रदीप यादव ने नाराजगी प्रकट की और मंत्री पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने मंत्री से एक माह में सभी प्रमंडलों में ऐसी व्यवस्था करने की मांग की। प्रदीप यादव ने कहा कि थैलिसिमिया का इलाज बोन मैरो ट्रांसप्लांट से ही संभव है। इसपर मंत्री ने कहा कि वे आउट ऑफ वे जाकर इसपर काम करेंगे।

विधानसभा अध्यक्ष ने कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव पर जताई नाराजगी

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान मंगलवार को कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव पर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने नाराजगी जताई। अध्यक्ष ने कहा कि प्रदीप यादव बार-बार सवाल पूछकर अन्य सदस्यों का समय खराब कर रहे हैं। अध्यक्ष ने कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव से कहा कि विधानसभा केवल उनके सवालों के लिए नहीं है और अन्य सदस्यों को भी मौका मिलना चाहिए। उन्होंने विधायक को याद दिलाया कि वे एक जवाबदेह सदस्य हैं और उन्हें दूसरों के समय का भी सम्मान करना चाहिए। दरअसल, प्रदीप यादव ने ध्यानाकर्षण सूचना के तहत झारखंड में थैलिसिमिया और सिकल सेल जैसी घातक बीमारियों पर सवाल उठाए थे। वे विभागीय मंत्री इरफान अंसारी से कई जवाब जानना चाहते थे, लेकिन मंत्री के उत्तर से संतुष्ट न होने के कारण वे बार-बार सवाल पूछते रहे। इस पर अध्यक्ष ने उन्हें टोका।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से भारतीय खो-खो महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने की शिष्टाचार मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को झारखंड विधानसभा में भारतीय खो-खो महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर कॉमनवेल्थ खो-खो महासंघ के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष आगामी 9 से 14 मार्च, 2026 तक रांची में आयोजित होने वाली प्रथम कॉमनवेल्थ खो-खो प्रतियोगिता के आयोजन संबंधी विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया और राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। ज्ञात हो कि वर्ष 2026 में झारखंड को एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन की मेजबानी मिलने जा रही है। यह प्रतियोगिता झारखंड की धरती पर आयोजित होने वाली पहली अंतरराष्ट्रीय खो-खो स्पर्धा होगी, जिसमें 23 देशों के बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री से भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में कॉमनवेल्थ खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल, अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सचिव एम. एस. त्यागी, तथा महासचिव उपकार सिंह विरक शामिल थे। राज्य स्तरीय प्रतिनिधियों में विधायक एवं झारखंड राज्य खो-खो संघ के महासचिव मथुरा प्रसाद महतो, संरक्षक विधायक सी. पी. सिंह, संघ के चेयरमैन संतोष प्रसाद, महासचिव नवीन कुमार ठाकुर, उपाध्यक्ष विनय कुमार जायसवाल, संयुक्त सचिव आलोक कुमार, डॉ. सुभाष साहू, रोहित कुमार सिंह, रांची जिला सचिव सुनील कुमार यादव, संयुक्त सचिव रवि मुंडा, मोनू शुक्ला, अमित कुमार यादव एवं तपन राउत उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री से भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू ने की मुलाकात

रांची(बिभा): भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद आदित्य साहू ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की. इस दौरान दोनों के बीच संगठनात्मक तैयारी, भविष्य की रणनीतियों और राजनीतिक परिस्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई.

आदित्य साहू ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उन्हें कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जो पार्टी संगठन को और मजबूत बनाने में मदद करेंगे. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन हमेशा प्रेरक रहा है और मुलाकात अत्यंत सकारात्मक रही. आदित्य साहू ने यह भी कहा कि भाजपा समाज के अंतिम पायदान तक विकास पहुंचाने और जनहित के मुद्दों पर केंद्रित होकर आगे बढ़ती रहेगी.

कलाकारों के सर्वांगीण विकास पर जोर, जल्द होंगे नए कार्यक्रम

रांची (बिभा): पांच परगना ऑल आर्टिस्ट एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक सूर्य मंदिर स्थित परिसर में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के सांगठनिक विस्तार और आगामी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता रमन गुप्ता ने की, जिसमें संगठन के कई पदाधिकारी और सभी प्रखंडों से आए कलाकार उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि एसोसिएशन का उद्देश्य न केवल संगठनात्मक मजबूती है, बल्कि कलाकारों के हित में ठोस योजनाएं बनाना और उन्हें क्रियान्वित करना भी है। साथ ही, आगामी कार्यक्रमों की तैयारी के लिए शीघ्र ही एक और बैठक आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर संरक्षक प्रवीण कुमार, सचिव जगतपाल गोप, कोषाध्यक्ष संजय साहू, सोमवारी देवी, जगजीवन लोहारा, संजोती देवी, ठाकुर दास कोइरी, हरिराम लोहारा, विष्णीचरण महतो सहित सभी प्रखंडों के कलाकारों की सक्रिय भागीदारी रही।

सीएसआर के तहत कई प्रकार के विकास के कार्य किए जाएंगे : शिशिर दत्ता

रांची(बिभा) : मंगलवार को यथासंभव प्रयास संपूर्ण विकास संस्था के सौजन्य से, सीएमपीडीआई के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व वर्ष 2025 - 2026 के पंचतत्व योजना के अंतर्गत स्कूल के बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं शिक्षा का बेहतर वातावरण बनाने के लक्ष्य को लेकर विभिन्न स्कूलों में जिसमें राजकीय उच्च विद्यालय, बोड़ेया, राजकीय मध्य विद्यालय बोड़ेया, कस्तूरबा गाँधी विद्यालय, राजकीय मध्य विद्यालय, सुकुरहुटू एवं राजकीय बुनियादी स्कूल मेसरा में सोलर पैनल, वाटर कूलर एवं आरओ, सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन, डिजिटल बोर्ड एवं पोषण किट प्रदान किया गया। यह बच्चों के शिक्षा और स्वास्थ्य की दिशा में बेहतर प्रयास है। इस उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक (सीएसआर) शिशिर दत्ता, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रबंधक सीएसआर शैलेश चंद्रा, विजय कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी काँके, प्रखंड प्रमुख सोमनाथ मुंडा, प्रखंड उप प्रमुख अजय बैठा, मर्सी मंजुलिका बिलुंग, प्रखंड शिक्षा कार्यक्रम पदाधिकारी , प्रधानचार्य आनंद मिंज, व अन्य प्रबुद्ध लोग गण उपस्थित थे। मौके पर मुख्य अतिथि महाप्रबंधक शिशिर दत्ता ने कहा कि आगे भी सीएसआर के तहत कई प्रकार के विकास के कार्य किए जाएंगे, और जो कार्य हुआ है उसका उचित देखभाल एवं रखरखाव होना चाहिए। ग्रामीणों को किसी प्रकार की कष्ट नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को कंबल का भी वितरण किया गया। इस कार्यक्रम को संपन्न कराने में यथासंभव प्रयास संपूर्ण विकास संस्था के सचिव इंद्रजीत कुमार एवं सदस्य सोनू मिश्रा का अहम योगदान रहा। इस संपूर्ण कार्य को क्रियावन करने के हेतु बोड़ेया पंचायत के मुखिया सह अध्यक्ष झारखंड प्रदेश मुखिया संघ श्री सोमा उराँव का काफी बड़ा योगदान रहा ।

शूटिंग प्रतियोगिता में अभिनव ने जीता स्वर्ण पदक

रांची(बिभा)। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की अगुवाई में इंदौर, मध्य प्रदेश स्थित द एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली शूटिंग प्रतियोगिता (एसजीएफआई) में झारखंड को एक और स्वर्ण पदक मिला है। अंडर-17 बालक वर्ग के प्रतिभाशाली निशानेबाज अभिनव पाठक ने 10 मीटर एयर राइफल ओपन साइट स्पर्धा में अपने सटीक और लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। छह ? से नौ दिसंबर तक आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर से आए श्रेष्ठ खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से अभिनव ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच यह गौरव हासिल किया। झारखंड दल का नेतृत्व कोच-मैनेजर अनुज कुमार और संजय कुमार यादव कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड की अंडर-14 फुटबॉल टीम ने की मुलाकात, मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय चैंपियन बनने पर दी बधाई

राज्य सरकार खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध : हेमंत सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज झारखंड विधानसभा में झारखंड की अंडर 14 बालक फुटबॉल टीम ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने टीम के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगियों को राष्ट्रीय चैंपियन बनने पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि झारखंड में खेल के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के युवाओं की प्रतिभा और समर्पण झारखंड के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह उम्मीद जताई कि इसी प्रकार झारखंड के खिलाड़ी भविष्य में भी खेल जगत में नए आयाम स्थापित करेंगे। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के उमरिया में 1 दिसंबर से 6 दिसंबर 2025 तक आयोजित 69वीं स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (रत्र्रक्ष्क) राष्ट्रीय स्कूली फुटबॉल चैंपियनशिप में झारखंड की अंडरझ्र14 बालक फुटबॉल टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब अपने नाम किया था। फाइनल मुकाबले में झारखंड ने रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में पंजाब को 6झ्र5 से पराजित कर यह गौरव हासिल किया। यह प्रतियोगिता झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (खएढ्ढउ) के बैनर तले आयोजित हुई थी। खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री से बातचीत के दौरान बताया कि राज्य सरकार की खेल नीतियों एवं प्रोत्साहन योजनाओं से उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रेरणा मिल रही है।

छात्र अधिकार पदयात्रा विधानसभा पहुंचने से पहले पुलिस ने रोका, किया हंगामा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नेतृत्व में निकाली गई छात्र अधिकार पदयात्रा को मंगलवार को विधानसभा परिसर से पहले ही पुलिस ने रोक दिया। पदयात्रा पार्टी के उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो की अगुवाई में निकाली गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र, युवा और संगठन के कार्यकर्ता शामिल थे।

पदयात्रा जैसे-जैसे विधानसभा की ओर बढ़ने लगी विधानसभा से पहले ही सुरक्षा बलों ने बैरिकेड लगाकर यात्रा को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद जेएलकेएम के कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया।

मौके पर जेएलकेएम के कार्यकताओं ने कहा कि राज्य में छात्र हित से जुड़े कई मामले लंबे समय से लंबित हैं। उन्?होंने आरोप लगाया कि राज्य में सरकारी नौकरियों में बहाली रुकी हुई है, पूर्व से ली गई परीक्षाओं में भी नियुक्ति प्रक्रिया में देरी की जा रही है, कई प्रतियोगी परीक्षाएं समय पर नहीं हो पा रही हैं। साथ ही छात्रवृत्ति के मामलों में भी गंभीर अनियमितता है।

मौके पर मौजूद छात्रों ने कहा कि राज्य में रोजगार की स्थिति बेहद चिंताजनक है। नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं होने से लाखों युवा प्रभावित हो रहे हैं। सरकार ने कई बार आश्वासन दिया, लेकिन जमीन पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

वहीं मौके पर देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि पदयात्रा का उद्देश्य छात्रों की समस्याओं को सीधे सरकार तक पहुंचाना था। उन्होंने कहा कि छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है। उन्?होंने कहा कि राज्?य में न तो नियुक्तियां हो रही हैं और न ही छात्रों को छात्रवृत्ति मिल पा रही है। उन्?होंने कहा कि वे विधानसभा तक पहुंचकर अपना पक्ष रखना चाहते थे, लेकिन हमें रोक लिया गया। इससे राज्?य भर के छात्रों की आवाज और बुलंद होगी। उन्होंने आगे कहा कि जेएलकेएम आने वाले दिनों में और बड़े पैमाने पर आंदोलन की तैयारी करेगा।

पहाड़ी बाबा का तिलकोत्सव 23 जनवरी को

रांची। रांची पहाड़ी बाबा का तिलकोत्सव 23 जनवरी को मनाया जाएगा। शिव भक्तों की ओर से पहाड़ी बाबा को नेगचार के साथ तिलक चढ़ाया जाएगा। यह कार्यक्रम पहाड़ी मंदिर में सुबह आठ बजे से शुरू होगा। महोत्सव के बाद श्रद्धालुओं के बीच भंडारा का वितरण होगा। वहीं, शाम साढ़े सात बजे से महाआरती होगी। इससे पहले 20 जनवरी को सुबह 11 बजे से महामंत्रों के जाप के साथ पहाड़ी बाबा का महारुद्राभिषेक अनुष्ठान होगा।

विस सत्रः बाबूलाल मरांडी ने उठाया एमबीबीएस नामांकन में गड़बड़ी का मामला

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने एमबीबीएस नामांकन में कथित अनियमितताओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राज्य में मेडिकल एडमिशन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हो रही हैं। मेडिकल काउंसलिंग के दौरान झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगी परीक्षा बोर्ड (जेसीईसीईबी) मेडिकल काउंसलिंग कमिटी (एमसीसी) की निर्धारित गाइडलाइन का पालन नहीं करता। मरांडी ने कहा कि एनटीए परीक्षा के बाद परिणाम जारी कर जेसीईसीईबी को भेजता है, लेकिन एनटीए पोर्टल से सही तरीके से लिंक न होने के कारण काउंसलिंग प्रक्रिया में कई अनियमितताएं सामने आती हैं। उन्होंने दावा किया कि इस खामी का फायदा उठाकर कुछ छात्र गलत जाति, आवासीय प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज जमा कर देते हैं, जिससे कई योग्य छात्रों का भविष्य प्रभावित होता है।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि यह गड़बड़ियां जानबूझकर की जाती हैं, ताकि कुछ लोगों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने राज्य सरकार से जेसीईसीईबी के शीर्ष अधिकारियों को तत्काल हटाने, मौजूदा काउंसलिंग प्रक्रिया को रद्द कर पुनः संचालित करने और मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की।

मरांडी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार इस विषय पर शीघ्र कार्रवाई नहीं करती है, तो विपक्ष सदन की कार्यवाही बाधित करेगा।

राजनीतिक लाभ के लिए भ्रामक बातें फैलाने में लगी है भाजपा : विनोद पांडेय

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केन्द्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा सिर्फ. राजनीतिक लाभ के लिए भ्रामक बातें फैलाने में लगी है, जबकि हेमंत सोरेन सरकार राज्यहित में ठोस और संवेदनशील कदम उठा रही है।

विनोद पांडेय ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए भाजपा पर पलटवार किया। उन्होंने भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा नेताओं को पहले यह बताना चाहिए कि 18 वर्षों के लंबे शासनकाल में उसने खतियान आधारित स्थानीय नीति पर क्या काम किया। पांडेय ने कहा कि जिन मुद्दों पर आज सवाल उठाए जा रहे हैं, उन्हीं पर भाजपा की सरकारें वर्षों तक चुप क्यों रहीं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने स्थानीय युवाओं के रोजगार, पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया और सामाजिक न्याय को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से काम किया है। नीति निर्माण एक संवैधानिक प्रक्रिया है। सरकार ने इसे जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह जाहिर है कि भाजपा नेता झारखंड के विकास और यहां की अस्मिता से जुड़े हेमंत सरकार के फैसलों को अटकाने का काम करते हैं। 75 प्रतिशत ठेका स्थानीय लोगों को देने के मुद्दे पर विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है। सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि स्थानीय ठेकेदारों और उद्यमियों को अधिक अवसर मिले। प्रक्रियाओं को सक्षम, पारदर्शी और व्यावहारिक बनाने के लिए सुधार किए जा रहे हैं।

ठगुआ सरकार ने 1932 आधारित नियोजन नीति पर भी जनता को ठगा : प्रतुल शाह देव

बिभा संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति का वादा कर हेमंत सोरेन ने झारखंड के आदिवासी मूलवासी को ठगने का काम किया है और यह सरकार वास्तविक में ठगुआ सरकार है। झारखंड की जनता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि छह वर्ष की लंबी सत्ता के बाद भी हेमंत सोरेन सरकार एक भी स्थानीय नियोजन नीति क्यों नहीं ला सकी। आज तक न कटऑफ डेट घोषित हुई, न खतियान आधारित नीति बनी, न युवाओं को कोई ठोस रास्ता मिला। यह सरकार केवल आश्वासन देती है, और फिर उसपर मौन साध लेती है।

प्रतुल ने कहा कि यह वही हेमंत सोरेन हैं जिन्होंने 1932 के खतियान आधारित नीति के मुद्दे पर 2012 में अर्जुन मुंडा सरकार से समर्थन वापस लेकर बड़ा नाटक किया था। तब यह उनके लिए असली जनभावना थी। लेकिन आज, छह वर्षों तक मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बावजूद, नीति के नाम पर शून्य उपलब्धि—इससे बड़ा विडंबनापूर्ण उदाहरण कोई नहीं हो सकता। प्रतुल ने कहा कि सच यह है कि हेमंत सरकार की मंशा नहीं, सिर्फ. मालाझ्रजपने वाली मुनादी है।झारखंड के बेरोजगार युवाओं को भरमाने का खेल अब खुलकर सामने आ चुका है।प्रतुल ने कहा कि खतियान आधारित नियोजन पर सरकार बारझ्रबार जनता को गुमराह कर रही है। छह वर्षों में फाइलें धूल झाड़ती रहीं और सरकार भाषण झाड़ती रही। राज्य के युवा पूछ रहे हैं कि 2012 में जिस नीति पर समर्थन वापस लिया, 2025 तक उसी नीति पर काम क्यों नहीं किया?

प्रतुल ने कहा कि वोट लेने के लिए हेमंत सरकार ने आदिवासी मूलवासियों के लिए बड़े-बड़े वादे किए थे जिसमें 75% ठेका स्थानीय लोगों को देने का भी जिक्र था। लेकिन सरकार में आते ही जहांपनाह के सुर बदल गए और अब तो टेंडर में ऐसी कंडीशन रखे जा रहे हैं जिससे स्थानीय कंपनियां हिस्सा ही नहीं दे सकती। यू टर्न करने में इस ठगुआ सरकार का कोई सानी नहीं।

जनता दरबार में सैकड़ों मामलों का किया गया निष्पादन

बिभा संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निदेशानुसार जिले के प्रत्येक अंचल में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान को प्राथमिकता देते हुए अंचल अधिकारियों, अंचल निरीक्षकों तथा राजस्व कर्मियों की उपस्थिति में बड़ी संख्या में प्राप्त आवेदनों पर मौके पर ही कार्रवाई की गई।

सोनाहातू अंचल में दानाडीह ग्राम की सरला देवी को पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

सिल्ली अंचल में छोटा मुरी ग्राम की गुड़ी देवी एवं सुकरामनी देवी को पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र सौंपा गया।

माण्डर अंचल में मौजा ततकुण्डो के ए.के. महतो को केसीसी लोन हेतु भूमि सत्यापन प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया। ग्राम बुढ़ाखुखरा के हनीफ मियां तथा कंजिया के लेदा पात्रिक के पंजी-2 में आवश्यक सुधार किया गया।

ओरमांझी अंचल में नारायण महतो के पंजी-2 में सुधार की कार्रवाई पूर्ण की गई। हेहल अंचल में लक्ष्मीनगर निवासी प्रेम कुमार की ऑनलाइन रसीद निर्गत की गई।

ईटकी अंचल में आवासीय, जाति, आय, केसीसी, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र आदि से संबंधित कुल 84 आवेदनों का त्वरित निष्पादन किया गया। खलारी अंचल में विभिन्न प्रमाण पत्र एवं राजस्व कार्यों से संबंधित 34 आवेदनों पर कार्रवाई की गई। सिल्ली में 49, चान्हो में 106, बेड़ो में 143, नगड़ी में 54, रातू में 106, माण्डर में 28 सहित अन्य अंचलों में भी सैकडों मामले निपटाये गये। जनता दरबार के दौरान जिलों के सभी अंचलों में राजस्व संबंधी कई लंबित मामलों का भी निष्पादन किया गया। अधिकारियों द्वारा तत्परता के साथ की गई इन कार्रवाइयों से आवेदकों को काफी सुविधा हुई और जनता दरबार का उद्देश्य समस्याओं का स्थल पर समाधान कर सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी श्री मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर आयोजित यह जिलास्तरीय पहल पारदर्शिता, शीघ्रता और उत्तरदायित्व पर आधारित प्रशासनिक दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है, जो प्रशासन को जनता के और निकट लाने का प्रयास है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना संख्या: एम-41-सीएएमसी-एटीआरएस-आरएनसी-69, दिनांक: 08.12.2025।

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची-834003 निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **कार्य का नाम:** 03 (तीन) वर्षों की अवधि के लिए हटिया-नुआगां खंड (समपार फाटक एचबी-36, किमी. संख्या 487/14-15 पर) तथा मूरी-बरकाकाना (समपार फाटक एमबी-16, किमी. संख्या 375/15-16 पर) खंड पर अवस्थित ऑटोमैटिक एक्सल बॉक्स टेम्परेचर रिकॉर्डिंग सिस्टम (एटीआरएस) के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 10,74,163.16 (जीएसटी सहित)। **बयाना राशि:** ₹ 21,500। **ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 31.12.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। वेबसाइट का विवरण: www.ireps.gov.in। (PR-936)

बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स ने उपायुक्त से जिला समस्याओं पर की चर्चा

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त श्री अजय नाथ झा से भेंट कर जिले की कई समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की और ज्ञापन सौंपा। बैठक में चैंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी, महामंत्री राजकुमार जायसवाल एवं अन्य वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे।मनोज चौधरी ने कहा कि हाल के दिनों में उपायुक्त की कार्यशैली से आम जनता में सकारात्मक उम्मीदें जागी हैं। उन्होंने अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज करने तथा निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की। साथ ही बोकारो एयरपोर्ट को जल्द चालू करने की आवश्यकता पर भी

जोर दिया। महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने टाउन हॉल को आम जनता के उपयोग के लिए आवंटित करने की मांग की। उन्होंने व्यावसायिक वाहनों की पार्किंग समस्या के समाधान हेतु ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माण पर बल दिया। उन्होंने बताया कि रांची में दो ट्रांसपोर्ट नगर विकसित हो रहे हैं, इसलिए बोकारो में भी इसे तुरंत शुरू किया जाना चाहिए। जायसवाल ने चास शहर में उचित पार्किंग स्थल चिन्हित कर व्यवस्था आरंभ करने, व्यावसायिक वाहनों पर अनावश्यक चालान काटने पर रोक लगाने, जुस्को फेज-2 से जलापूर्ति गर्मी से पहले शुरू कराने और चास के जोधाडीह मोड़ से अतिक्रमण मुक्त कराने की भी मांग उठाई। इसके अलावा, बरमसिया और जैनामोड़ पावर ग्रिड के निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू करने पर भी बल दिया गया। प्रतिनिधि मंडल में शशि भूषण, राजेश पोद्दार, सिद्धार्थ जैन, प्रेम कुमार, शैलेन्द्र जायसवाल, तेजपाल सिंह खनूजा, ब्रह्मदेव प्रसाद और राजीव कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। यह बैठक बोकारो जिले के विकास व सुधार के लिए उम्मीदों भरे कदम मानी जा रही है, जिसमें प्रशासन और व्यापार समुदाय के बीच बेहतर समन्वय की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है।

स्टेट बार चुनाव में 30% महिला आरक्षण के फैसले से अधिवक्ताओं में खुशी, रिंकी झा ने जताया आभार

बोकारो। मंगलवार को झारखंड हाई कोर्ट व सिविल कोर्ट की अधिवक्ता रिंकी झा ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्टेट बार चुनाव में महिलाओं के लिए 30% आरक्षण तय किए जाने के ऐतिहासिक फैसले पर कोर्ट को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय न सिर्फ स्वागत योग्य है बल्कि महिला अधिवक्ताओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। अधिवक्ताओं का कहना था कि सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के दौरान यह सुनिश्चित किया कि महिला अधिवक्ताओं को भी समान अवसर और आरक्षण का लाभ मिले। लंबे समय से स्टेट बार चुनावों में पुरुषों की भारी भागीदारी के कारण महिलाएँ संकोच महसूस करती थीं, लेकिन अब 30% आरक्षण के साथ महिलाएँ बढ़-चढ़कर चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा लेंगी और अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करेंगी। इस अवसर पर अधिवक्ता अतुल कुमार रवानी, सुनील सिंह सिसोदिया, राम कृष्ण, मनोज सिंह, आत्मेश कुमार, पुनित सिंह सहित कई अधिवक्ता उपस्थित थे।

बीएसएल में सीजीएम, विभागाध्यक्ष, डीएसओ एवं लाइन मैनेजर्स के लिए सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला सम्पन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील लिमिटेड के एचआर-एलएंडडी विभाग द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के लिए एक विशेष सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल की सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना, नेतृत्व स्तर पर जागरूकता बढ़ाना और सभी परिचालन इकाइयों में सक्रिय सुरक्षा प्रबंधन को प्रोत्साहित करना था।कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन तथा अधिशासी निदेशक (परिचालन) अनुप कुमार दत्त ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में मजबूत सुरक्षा संस्कृति के निर्माण, ऑपरेशनल अनुशासन बनाए रखने तथा सुरक्षित कार्य प्रणाली के लिए वरिष्ठ नेतृत्व की भूमिका को अहम बताया।साथ ही कहा कि सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जो निर्णय प्रक्रिया के हर स्तर में शामिल होनी चाहिए।कार्यशाला की शुरूआत सीजीएम (एचआरझएलएंडडी), नीता बा के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने सुरक्षा प्रक्रियाओं पर निरंतर जागरूकता, क्षमता विकास और सर्वोत्तम प्रथाओं के पालन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों से सक्रिय भागीदारी करने और अपने-अपने विभागों में सुरक्षा प्रबंधन को मजबूत करने हेतु इस अवसर का पूर्ण लाभ उठाने का आह्वान किया।कार्यशाला में जोखिम पहचान, जोखिम न्यूनीकरण की रणनीतियाँ, लाइन मैनेजर्स की जिम्मेदारियां, अनुपालन आवश्यकताएं और निवारक सुरक्षा उपायों को शामिल किया गया। संवादात्मक चर्चाओं और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने नेतृत्व आधारित सुरक्षा हस्तक्षेप तथा अपेक्षाओं की गहन समझ हासिल की। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का समन्वय एजीएम अमित आनंद, मैनेजर जे. एन. यादव और जेएम एस. के. डी. भौमिक ने सफलतापूर्वक किया।यह कार्यशाला बीएसएल में सुरक्षित कार्य माहौल के निर्माण में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जो कंपनी के समग्र प्रदर्शन और कर्मचारियों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी।

संक्षिप्त खबरें

34 किलोमीटर लंबी नहर की मरम्मत जोरों पर

बोकारो (बिभा): बीएसएल के कूलिंग पोंड एक से तेनुघाट डेम तक फैली 34 किलोमीटर लंबी नहर की मरम्मती का कार्य जोरों पर जारी है। कुल 107 चिन्हित स्थानों पर मशीनों और मजदूरों की मदद से मरम्मती का काम तेजी से किया जा रहा है।बांध प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुजूर ने बताया कि मरम्मती कार्य की सघन निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि आगामी 14 दिसंबर तक आरसीसी ढलाई का काम पूरा किया जाएगा। बीएसएल के वरिष्ठ अधिकारी भी निरीक्षण के लिए इस नहर क्षेत्र में अपने वाहन से भ्रमण करते हुए मरम्मत की गुणवत्ता पर नजर बनाए हुए हैं।स्थानीय निवासियों की भी मरम्मती कार्य में सक्रिय सहयोग मिल रहा है, जिससे काम सुचारू और समय पर पूरा हो सकेगा। इससे क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था और जल प्रबंधन में सुधार होने की उम्मीद है।यह नहर मरम्मती परियोजना बीएसएल के महत्वपूर्ण जल संसाधन संरक्षण प्रयासों का हिस्सा है, जो जिले में स्थिर जलापूर्ति सुनिश्चित करेगी।

डीपीएस चास के अक्षित और विराज जिला कराटे चैंपियनशिप के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित

बोकारो(बिभा)। डीपीएस चास के अक्षित कुमार और विराज अग्रवाल को 07 दिसंबर 2025 को सांसद खेल महोत्सव 2025 के अवसर पर क्युकोसिन कान कराटे एसोसिएशन द्वारा लायंस कला एकेडमी, सेक्टर-3ब में आयोजित जिला स्तरीय कराटे चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सम्मान से सम्मानित किया गया। उनकी असाधारण उपलब्धियों ने न केवल उन्हें सम्मान दिलाया है, बल्कि स्कूल समुदाय को भी गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने न सिर्फ तकनीकी दक्षता दिखाई, बल्कि अनुशासन, खेल भावना और आत्मविश्वास का भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। उपस्थित दर्शकों और प्रशिक्षकों ने विजेताओं के प्रदर्शन की प्रशंसा की। अंत में विजेताओं को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभाशाली बच्चों ने उत्साह और जोश के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप में आयु वर्ग 14-16 (बॉयज) श्रेणी का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। सेमी-कॉन्टैक्ट स्टाइल में बेस्ट प्लेयर का सम्मान डीपीएस चास बोकारो के अक्षित कुमार को प्रदान किया गया तथा फुल-कॉन्टैक्ट स्टाइल में बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार डीपीएस चास बोकारो के विराज अग्रवाल ने अपने शानदार कौशल और दृढ़ता से हासिल किया, जिससे स्कूल की उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जुड़ गई। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशिका/प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने कहा कि सफलता, अनुशासन, समर्पण और खुद को लगातार चुनौती देने के साहस का परिणाम है। हमारे छात्रों ने वास्तव में इस भावना का उदाहरण प्रस्तुत किया है। ऐसे आयोजन से जिले में कराटे खेल को प्रोत्साहित करने और नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

उसरडीह के सचिन खवास बने सहायक प्रशाखा पदाधिकारी

बोकारो(बिभा) : चास प्रखंड के पंचायत बेलुंजा के उसरडीह गांव के युवा सचिन खवास ने भी झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) द्वारा आयोजित सीजीएल- 2023 परीक्षा में सफलता प्राप्त करते हुए सहायक प्रशाखा पदाधिकारी पद(ए एस ओ) हासिल किया है. सचिन खवास झारखण्ड आंदोलनकारी डा० लखन खवास के पुत्र हैं. उनकी इस उपलब्धि ने उसरडीह गांव और प्रखंड का नाम रोशन कर दिया है. संघर्ष, निरंतर अध्ययन और लक्ष्य के प्रति समर्पण उनकी सफलता की बुनियाद रहे. सचिन शूरू से मेधावी छात्र रहे हैं। ये खबर मिलते ही गांव में लोग बधाई देने पहुंचने लगे और मिठाइयां बांटकर खुशी साझा की. वहीं सचिन ने कहा कि यह सिर्फ मेरी सफलता नहीं, मेरे स्वर्गीय दादा जी भीम चन्द्र खवास के सपनों और मेरे परिवार के विश्वास की जीत है. जीवन में जो पाया है, उसमें हर कदम पर माता-पिता, परिवार के अन्य सदस्यों और गुरुजनों का योगदान रहा है. अब लक्ष्य यह है कि सरकारी सेवा के माध्यम से समाज के प्रति उपयोगी और जिम्मेदार भूमिका निभा सकूं. सचिन खवास को बधाई देने वालों में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह पुर्व जिला अध्यक्ष अंबिका खवास, शांति कुमार खवास मुखिया भारो देवी, कल्याण खवास, सुकुमार खवास, महादेव महथा, राधेश्याम सिंह, गयाराम राय, पुर्व मुखिया सुधांशु राजवार कई सामाजिक कार्यकताओं, पंचायतप्रतिनिधियों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने शामिल होकर उनके उज्ज्वल करियर की मत कामना की. सचिन एस एम जी +टु बिजुलिया से मैट्रिक व जी जीपीएस बोकारो से बिटेक किया है।

कोका कमार की याद में बोकारो में पौधा रोपण, स्वतंत्रता सेनानियों को श्रृद्धांजलि

बिभा संवाददाता

बोकारो: अमर स्वतंत्रता सेनानी कोका कमार की स्मृति में मंगलवार को कसमार प्रखंड के ओरमो गांव से लाई गई पवित्र मिट्टी पर स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान ने पर्यावरण-मित्र चौक स्थित स्वतंत्रता सेनानी स्मृति उद्यान में एक पौधा रोपित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा 'मुकुल' ने इस अवसर पर कहा कि कोका कमार का स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा, फिर भी राज्य सरकार और जिला प्रशासन द्वारा उनके यह त्याग भुलाया जाना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह न केवल ऐतिहासिक अन्याय है बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति अपमान भी है।यह स्मृति उद्यान बोकारो इस्पात संयंत्र के तत्कालीन निदेशक प्रभारी बी के तिवारी द्वारा अमर शहीद सिदो, कान्हु, चांद, भैरव, फूलो और झानो के नाम पर उद्यान की भूमि में उनके जन्मस्थल से लाई गई पवित्र मिट्टी पर पौधे रोपकर स्थापित किया गया था। यहां कई स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर वृक्षारोपण किया गया है।उद्यान पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में लगे पौधों को नुकसान पहुँचाने की घटनाएं हो चुकी हैं। इस सम्बन्ध में थाना में भी मामला दर्ज कराया गया था, पर अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। इसके अलावा, टाउन हॉल में आयोजित पार्टियों के जूठे पत्तलों को उद्यान में फेंकना श्रद्धांजलि का उपहास माना जा रहा है।संस्थान के प्रतिनिधि जिला प्रशासन एवं पुलिस से आग्रह करते हैं कि इस प्रकार की हरकतों पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए ताकि स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान को बनाए रखा जा सके।पौधा रोपण कार्यक्रम में रघुवर प्रसाद, शशि भूषण ओझा 'मुकुल', अखिलेश ओझा, लक्ष्मण शर्मा, मृणाल चौबे, ललित कुमार, वीरेंद्र चौबे, अजीत भगत, दिलीप तिवारी, अशोक पांडेय, अभय कुमार गोलू, बीरेंद्र मिश्र, राकेश तिवारी, रोहित सिंह, अनुराग मिश्र, मिथिलेश सिंह, युवराज सिंह सहित कई पर्यावरण प्रेमी और स्वतंत्रता सेनानी सम्मानित उपस्थित थे।

बोकारो के ईजरी नदी किनारे अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी

बिभा संवाददाता

बोकारो। पिंडराजोड़ा थाना क्षेत्र के ईजरी नदी किनारे रविवार सुबह अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय ग्रामीण शंकर रवानी ने शौच के लिए नदी किनारे पहुंचे तो सबसे पहले शव देखा। शव की हालत संदिग्ध पाई गई, जबकि आसपास कोई पहचान संबंधी वस्तु नहीं मिली।सूचना मिलने के बाद पिंडराजोड़ा थाना प्रभारी अभिषेक रंजन दलबल सहित मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक सबूत इकट्ठा किए। प्रथम दृष्ट्या जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच लगती है, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि युवक क्षेत्र का निवासी नहीं प्रतीत होता।पुलिस का कहना है कि मृतक के शरीर पर किसी भी प्रकार के चोट के निशान और आपराधिक घटना के संकेतों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा। वहीं, इलाके में इस घटना को लेकर भय का माहौल है और लोग तरह-तरह की शंकाएं व्यक्त कर रहे हैं।पुलिस आसपास के थानों से लापता लोगों की सूची प्राप्त कर मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी अभिषेक रंजन ने कहा कि फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट हासिल होने के बाद ही घटना की सच्चाई सामने आएगी।अज्ञात युवक के शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और स्थानीय लोग पोस्टमार्टम की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं ताकि इस रहस्यमय घटना का पदार्फाश हो सके।

माफीनामे के बाद सलटा माले नेता पर हमले की घटना

बोकारो : भाकपा माले नेता के ऊपर हुए हमले की घटना आज बेरमो थाना प्रभारी की मध्यस्था में आरोपी के द्वारा माफीनामे के बाद सलट गया। माफीनामे का बंधपत्र पर आरोपी द्वारा भविष्य में ऐसा कोई आचरण जिससे बेरमो की आपसी सद्भावना और भाईचारा खराब हो इस तरह का व्यवहार नहीं करने का भी हस्ताक्षर किया गया । सुलह समझौते के बाद भी संदेहात्मक गतिविधि निषेध के लिए अनुमंडल दण्डाधिकारी की अदालत में हाजरी देनी होगी । साथ में आरोपी को समय समय पर थाने में उपस्थिति देकर यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वे शांति सद्भाव का निर्वहन कर रहे हैं। बेरमो थाना प्रभारी रोहित सिंह की मध्यस्था में आयोजित सुलह समझौता में थाना के एसआई नन्हका उरांव, भाकपा माले राज्य स्थाई कमिटी के सदस्य भूवनेश्वर केवट, जिला कमिटी सदस्य सह कोयला मजदूर नेता बालेश्वर गोप, कांग्रेस नेता अशोक मंडल, फुसरो व्यवसाई संघ के वैभव चौरसिया, माले प्रखंड सचिव पंचानन मण्डल आदि मुख्य रूप से शामिल थे।

हाइवा की चपेट में आने से भाकपा नेता की हुई मौत

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के डीवीसी पॉन्ड परिसर में मंगलवार सुबह एक हाइवा की चपेट में आने से भाकपा नेता और पूर्व पंचायत प्रतिनिधि मनीरूद्दीन अंसारी की मृत्यु हो गई। वे बाजार टांड़ नूरीनगर के निवासी थे।

जानकारी के अनुसार, मनीरूद्दीन अंसारी रोज की तरह ऐश पॉन्ड से जुड़े कार्यों की निगरानी के लिए मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान कांटाघर के पास से गुजर रहे एक तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद मनीरूद्दीन अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही गिर पड़े। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल डीवीसी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बोकारो के बीजीएच रेफर किया गया। हालांकि, बोकारो ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई।

उनकी मृत्यु की खबर फैलते ही इलाके में तनाव फैल गया। बड़ी संख्या में लोग एस पॉन्ड के पास जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन करते हुए कई हाइवा वाहनों के शीशे तोड़ दिए।

घटना की सूचना मिलते ही बोकारो थर्मल पुलिस सक्रिय हो गई। गांधी नगर, कथार और पेक नारायणपुर थाना क्षेत्र के प्रभारी पुलिस अधिकारियों सहित पर्याप्त पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से क्षेत्र में तेज रफ्तार हाइवा पर नियंत्रण लगाने और दुर्घटना के लिए जिम्मेदार वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी चालक की तलाश जारी है।

गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेलकूद समारोह स्पर्धा का भव्य आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर 5 बी, बोकारो द्वारा आयोजित वार्षिक खेलकूद समारोह स्पर्धा 2025-26 महाराणा रणजीत सिंह स्टेडियम में उल्लास और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन खेल भावना, ऊर्जा और रंगीन उत्सव का अद्भुत संगम था, जिसने स्टेडियम माहौल को जीवंत बना दिया।कार्यक्रम की शोभा को मुख्य अतिथि श्रीमती शताब्दी मजूमदार, उप विकास आयुक्त, बोकारो तथा विशिष्ट अतिथि श्री प्रदीप कुमार सिंह, कमांडेंट, 26वीं बटालियन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने बढ़ाया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री तरसेम सिंह, सचिव श्री एस. पी. सिंह सहित सभी समिति सदस्य भी मौजूद थे।समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा रंगीन गुब्बारे उड़ाने और मशाल प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय प्रार्थना व सैप्लिंग प्रस्तुति ने कार्यक्रम में गरिमा और भावपूर्णता जोड़ी। प्राचार्य श्री अभिषेक कुमार ने स्वागत भाषण में कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में नेतृत्व, आत्मविश्वास व टीम भावना को प्रोत्साहित करते हैं।श्रीमती शताब्दी मजूमदार ने बच्चों की अनुशासनबद्ध खेल भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक बल्कि चारित्रिक विकास का भी आधार है। उन्होंने प्रेरित किया कि बच्चों को समय निकाल कर खेल में भाग लेना चाहिए जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो।श्री प्रदीप कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में खेल के महत्व और गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल के शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक उत्कृष्टता के उदाहरण की बात कही।कार्यक्रम में चार सदनों–पवन, पानी, धरती और आकाश–द्वारा प्रभावशाली मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया। आकाश सदन प्रथम और पानी सदन द्वितीय स्थान पर रहे। इसके बाद पिरामिड प्रदर्शन से विद्यार्थियों ने अपने सामूहिक प्रयास व संतुलन का बेहतरीन प्रदर्शन किया।दिनभर चली विभिन्न एथलेटिक प्रतियोगिताओं जैसे 100 मीटर, 200 मीटर, 4.100 मीटर रिले, मैरबल रेस, और स्प्रिंट मुकाबलों में विद्यार्थियों ने उम्दा भागीदारी की। महिला व पुरुष अभिभावकों के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं में भी उत्साह देखने को मिला। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नृत्य, संगीत, योग व पारंपरिक झारखंडी भांगड़ा ने उत्सव में चार चाँद लगा दिए।समारोह के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक एवं ट्रॉफियाँ प्रदान की गईं। ओवरऑल चैम्पियन का खिताब आकाश सदन के नाम रहा जबकि रनर अप पानी सदन घोषित हुआ। खेल ध्वज के अवतरण और राष्ट्रगान के साथ इस आयोजन का समापन राष्ट्रीय एकता और गर्व के माहौल में हुआ। स्पर्धा 2025-26 ने फिर से साबित किया कि गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक क्षेत्र में उत्कृष्ट परंपरा को सशक्त बनाता रहा है।

बीएसएल ने पहली बार चेकर प्लेट रोलिंग कर इतिहास रचा, उत्पादन में की बड़ी सफलता

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील लिमिटेड (बीएसएल) ने पहली बार सफलतापूर्वक चेकर प्लेट रोलिंग कर उत्पादन क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस सफलता ने बीएसएल की उच्च तकनीकी क्षमता को प्रमाणित करते हुए उत्पाद विविधीकरण और बाजार विस्तार की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।प्रायोगिक चरण में तकनीकी टीम ने 1,250 मिमी से 1,500 मिमी चौड़ाई और 5 से 6 मिमी मोटाई के कुल 12 कॉयल्स का उत्पादन किया। पूरी प्रक्रिया को बीएसएल की कुशल तकनीकी टीम ने अपने आंतरिक संसाधनों, माइक्रो प्लानिंग, उपयुक्त मशीन सेट-अप और सतत निगरानी के तहत सफलतापूर्वक अंजाम दिया।देश में चेकर प्लेट की वार्षिक मांग लगभग 3,60,000 टन है। बीएसएल के वाणिज्यिक उत्पादन के शुरूआत के साथ ही प्रतिमाह करीब 30,000 टन की अतिरिक्त उत्पादन वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है। उल्लेखनीय है कि चेकर प्लेट पर प्रति टन लगभग 1,500 रुपये की अधिक नेट सेल्स रियलाइजेशन (NSR) मिलने से कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में भी सुधार आएगा। वाणिज्यिक उत्पादन बढ़ाने के लिए एडामाइट रोल्स की खरीद, एल1 एवं एल2 ऑटोमेशन सिस्टम्स का आधुनिकीकरण तथा जरूरी आईएसओ प्रमाणन कार्य जनवरी 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे उत्पादन प्रक्रिया और भी अधिक सुदृढ़ होगी। पहले यह उत्पादन राउरकेला स्टील प्लांट में होता था, लेकिन अब बीएसएल, सेल के अंतर्गत अकेला ऐसा प्लांट बन गया है जो चेकर प्लेट की तकनीकी एवं वाणिज्यिक संभावनाओं को सफलतापूर्वक प्रदर्शित करता है।यह उपलब्धि अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) श्री अनूप कुमार दत्त एवं मुख्य महाप्रबंधक (हॉट स्ट्रिप मिल) श्री पी. के. वर्मा के नेतृत्व में संभव हो सकी। शीर्ष प्रबंधन ने पूरी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए नवाचार, टीम भावना और समर्पण के लिए सभी को बधाई दी है।

सड़क दुर्घटना में पुलिस जवान की दर्दनाक मौत, पुलिस महकमे में शोक की लहर

बिभा संवाददाता

बोकारो: बोकारो पुलिस मेंस एसोसिएशन के केंद्रीय सदस्य एवं गोविंदपुर के रामपुर निवासी राकेश महतो का मंगलवार देर शाम सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया। घटना से पुलिस विभाग में भारी शोक व्याप्त है।प्राप्त जानकारी के अनुसार राकेश महतो बोकारो पुलिस लाइन से अपनी वाहन का बीमा कराने के लिए धनबाद के धनसार पहुंचे थे। अपने निजी कार्य निपटाने के बाद वे रामपुर स्थित अपने आवास लौटे और वहां अपनी मां से मुलाकात की। तत्पश्चात वे ड्यूटी पर वापस जाने के लिए राजगंज होते हुए बोकारो की ओर जा रहे थे।रात करीब 8:30 बजे जमुआटांड और काको मोड़ के बीच उनकी मोटरसाइकिल एक हाइवा से टकरा गई। इस जोरदार टक्कर में राकेश महतो की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर दोनों वाहनों को जब्त कर लिया। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए धनबाद स्थित एसएनएमएमसीएच भेजा गया है। पुलिस अधिकारी एवं सहकर्मी राकेश महतो के असमय निधन पर गहरी नाराजगी और दुःख व्यक्त कर रहे हैं।पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं साथियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। विनम्र श्रद्धांजलि।

धनबाद पहुंचे प्रसिद्ध उद्योगपति गौतम अडानी, आईआईटी (आईएसएम) के शताब्दी फाउंडेशन डे में हुए शामिल

बिभा संवाददाता

धनबाद। आईआईटी (आईएसएम) शताब्दी वर्ष मना रहा है। मंगलवार यानी कि आज फाउंडेशन वीक का अंतिम दिन है। जिसके समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी धनबाद पहुंचे थे।

आईआईटी (आईएसएम) पहुंचने पर के संस्थान के डायरेक्टर सुकुमार मिश्रा एवं अन्य अधिकारियों ने उन्हें पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। उसके बाद पैनमेन हॉल के अंदर संस्थान के अधिकारी उन्हें लेकर उन्हें पहुंचे। हॉल में ही समापन समारोह कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमे गौतम अडानी ने मंच से संबोधन किया।

मुख्य समारोह के बाद गौतम अडानी टेक्समिन बिल्डिंग पहुंचे। जहां एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की।

धनबाद के शताब्दी वर्ष समारोह में अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि एक ऐसे वैश्विक दौर में, जहाँ राष्ट्र अपने हितों को सर्वोपरि रख रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय गठबंधन लगातार कमजोर हो रहा हैं, भारत को अपना विकास पथ स्वयं निर्धारित करना होगा।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता उसकी प्राकृतिक संपदाओं, ऊर्जा तंत्रों और तकनीकी क्षमता पर निर्भर करेगी। इसलिए भारत को अपनी जरूरतों और आकांक्षाओं के अनुरूप ही निर्णय लेने चाहिए, उन्होंने कहा, भारत को वही करना चाहिए जो भारत के हित में हो।

श्री अडाणी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि आईआईटी (आईएसएम) धनबाद स्वयं उस दूरदर्शिता का परिणाम है, जिसकी नींव सौ साल पहले ब्रिटिश शासन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रखी थी। भारत के लिए खनन और भूविज्ञान में क्षमता निर्माण को आवश्यक मानते हुए इस संस्थान की स्थापना का सुझाव दिया गया था।

उन्होंने कहा, यदि हम अपने पैरों के नीचे बसे संसाधनों को समझें और उन ऊर्जा तंत्रों को नियंत्रित करें जो हमारी प्रगति को शक्ति देते हैं तो हम आर्थिक स्वतंत्रता की मजबूत नींव रखते हैं।

श्री अडाणी ने चेताया कि आज विकसित राष्ट्र, जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से भारी उत्सर्जन किए, विकासशील देशों को विकास मार्ग चुनने में प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यदि हम अपनी कथा पर नियंत्रण नहीं रखेंगे तो हमारी आकांक्षाओं को अवैध ठहराया जाएगा और हमारे बेहतर जीवनयापन के अधिकार को वैश्विक अपराध की तरह प्रस्तुत किया जाएगा।

उन्होंने डेटा का हवाला देते हुए कहा कि भारत दुनिया के सबसे कम प्रति व्यक्ति उत्सर्जन करने वाले देशों में शामिल है, और 50% से अधिक नॉन-फॉसिल इंस्टॉल्ड कैपेसिटी का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल कर चुका है। इसके बावजूद वैश्विक ईएसजी ढाँचों में भारत के प्रदर्शन को कमतर आंकने की प्रवृत्ति विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पूर्वाग्रहों को दर्शाती है।

श्री अडाणी ने समूह की ऑस्ट्रेलिया स्थित कार्माइकल खदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह परियोजना भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए विकसित की गई, बावजूद इसके कि यह सदी की सबसे विवादास्पद पर्यावरणीय और राजनीतिक लड़ाइयों में से एक रही।

साथ ही उन्होंने गुजरात में 30 GW क्षमता वाले खवडा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क का भी उल्लेख किया, जिसके बड़े हिस्से अब संचालित हो रहे हैं।

कार्यक्रम में श्री अडाणी ने संस्थान के लिए दो प्रमुख घोषणाएँ कीं जिनमे हर वर्ष 50 पेड इंटर्नशिप, जिसमें प्री-प्लेसमेंट अवसर भी शामिल होंगे। और अदाणी 3एस माइनिंग एक्सलेंस सेंटर की स्थापना, जिसे टेक्समिन के सहयोग से विकसित किया जाएगा। इसमें मेटावर्स लैब, ड्रोन फ्लीट, सिस्मिक सेंसिंग सिस्टम और प्रिसिजन माइनिंग टेक्नोलॉजी जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ शामिल होंगी।

श्री अडाणी ने कहा कि यह समय भारत के दूसरे स्वतंत्रता संग्राम का है। इस बार लक्ष्य है आर्थिक और संसाधन संप्रभुता। उन्होंने कहा, लोग खनन को पुरानी अर्थव्यवस्था मान सकते हैं, लेकिन बिना खनन के नई अर्थव्यवस्था का निर्माण भी असंभव है। अंत में उन्होंने छात्रों से आान करते हुए कहा डर के बिना सपने देखें, निरंतर प्रयास करें, नवाचार को अपनाएँ, और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में कोर के कस्टोडियन बनकर योगदान दें।

गौतम अडानी ने पहला कदम स्कूल को विशेष सहयोग देने की घोषणा की, अडानी समूह 3 वर्षों में देगा 3 करोड़ रुपये

बिभा संवाददाता

धनबाद। आईआईटी (आइएसएम) के 100वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने पहुंचे अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी आईआईटी (आइएसएम) से निकलने के बाद सीधे सरायढेला स्थित नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित पहला कदम स्कूल के दिव्यांग बच्चों से मिलने पहुंचे। जहाँ उन्होंने स्कूल का दौरा किया, दिव्यांग बच्चों से मुलाकात की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की।

विद्यालय के भ्रमण के दौरान, बच्चों की क्षमताओं और ट्रस्ट के कार्य को समझने के उपरांत, गौतम अडानी ने नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट के लिए 3 करोड़ रुपये की विशेष सहयोग देने की घोषणा की, जो अगले 3 वर्षों तक प्रति वर्ष 1 करोड़ की राशि के रूप में प्रदान किया जाएगा।

यह पैसा दिव्यांग बच्चों की शिक्षा, थेरेपी, व्यावसायिक प्रशिक्षण और नए अवसरों के सृजन में खर्च किया जाएगा।

इस अवसर पर श्री अडानी ने दिव्यांग बच्चों के लिए तैयार नई उड़ान कैफे का भी उद्घाटन किया। यह कैफे विभिन्न क्षमताओं वाले बच्चों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिसमें कैफे संचालन, सर्विंग एवं ग्राहक सेवा, रसोई एवं खाद्य प्रबंधन, स्वच्छता एवं हाइजीन और व्यावहारिक कार्य अनुभव प्रदान करेगा। इस कैफे का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को स्वावलंबन, आत्मविश्वास, और रोजगार के अवसर प्रदान करना है। अपने भ्रमण के दौरान उन्होंने बच्चों से आत्मीयता से बातचीत की, उनकी उम्मीदों और चुनौतियों को समझा और उनके विकास हेतु विशेषज्ञों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने कहा, समाज के हर बच्चे को समान अवसर मिलना चाहिए। ह्यनई उड़ान कैफे जैसे प्रयास बच्चों को कौशल, आत्मसम्मान और सामाजिक पहचान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

संक्षिप्त खबरें

वाटर बोर्ड झील परिसर में अनियंत्रित ब्रेजा कार पेड़ से टकराया

गोमो(बिभा)। तोपचांची वाटर बोर्ड झील में हर साल सैलानियों की भारी मात्रा में आगमन होता है जैसे जैसे नया साल नजदीक आ रहा है नए साल का खुमार लोगों का सर चढ़कर बोलने लगा है, ऐसे में मनचले कहां पीछे रहते हैं मंगलवार को वाटर बोर्ड झील के रास्ते एक तेज रफ्तार ब्रेजा कर पेड़ से जाकर टकरा गया जिसमें कर में सवार पांच युवक बताया जा रहा है पुलिस को पहुंचने से पहले सभी युवक कार छोड़कर फरार हो चुके थे, तोपचांची पुलिस को सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे और कार को कब्जे में लेकर थाना ले आई। और छानबीन में जुटी है। आसपास के लोगों ने बताया कि उक्त कार में पांच युवक सवार थे सभी युवक स्कूली छात्र लग रहे थे, कर में सिगरेट भी मिले हैं आसंका जताई जा रही है कि युवक नशे की आदि है, तेज रफ्तार कर पेड़ से जा टकराए जिसमें से कुछ युवक को चोट भी आए है, परंतु सभी युवक कार छोड़कर फरार हो चुके थे।

गोमो में मालगाड़ी दुर्घटना, दो घंटे तक ठप रहा यार्ड जाने वाली मार्ग

गोमो(बिभा)। पूर्व मध्य रेलवे के नेताजी सुभास चंद्र बोस गोमो जंक्शन पर मंगलवार की सुबह अंडाल से गोमो यार्ड की ओर आ रही एनएमजी नामक खाली मालगाड़ी अप लाइन पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह घटना कैरेज एंड वैगन कार्यालय के समीप अप लाइन संख्या-6 पर हुई। जानकारी के अनुसार, मालगाड़ी के इंजन से जुड़ी नौवीं बोगी पटरी से उतर गई। घटना के बाद अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। समय रहते कंट्रोल को सूचना मिलते ही दुर्घटना यान की टीम मौके पर पहुंच गई। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद मालगाड़ी के नीचे फंसे पहिये को दुरुस्त कर लिया गया। सुबह 6:23 बजे मालगाड़ी का परिचालन सामान्य हो गया। इस घटना के कारण अप यार्ड की पांच लाइनों पर परिचालन पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने पर कई रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू की। मौके पर चीफ यार्ड मास्टर एस.एन. झा, कैरेज फोरमैन राम नारायण, आरपीएफ इंस्पेक्टर संतोष कुमार झा, सब-इंस्पेक्टर आलोक आनंद, साकिब आलम, प्रभात कुमार सिंह, बिनोद सिंह आदि मौजूद थे।

उपायुक्त के निर्देश पर चौक चौराहों पर की गई अलाव की व्यवस्था

धनबाद(बिभा)। बढ़ती ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कदम उठाए हैं। उपायुक्त आदित्य रंजन ने नाग निगम क्षेत्रों, नगर परिषद क्षेत्रों समेत सभी अंचल क्षेत्रों में बढ़ती ठंड से बचाव हेतु अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त के निर्देश पर नाग निगम क्षेत्रों, नगर परिषद क्षेत्रों समेत सभी अंचल क्षेत्रों समेत विभिन्न प्रमुख स्थानों बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन के अलावा चौक चौराहो पर अलाव की व्यवस्था की गई है, ताकि रात के समय ठंड से परेशान लोगों को राहत मिल सके। उपायुक्त ने बताया कि शहर के मुख्य चौक-चौराहों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के उन सभी स्थानों को चिन्हित किया गया है जहां जरूरतमंद, दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी राहगीर और बेघर लोग अधिक संख्या में रहते या गुजरते हैं। इन स्थानों पर अलाव की व्यवस्था कर संबंधित अधिकारियों को लगातार निगरानी के निर्देश भी दिए गए हैं।

स्वामी धर्मबन्धु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर व्याख्यान आयोजित

हजारीबाग(बिभा): स्वामी धर्मबन्धु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में IQAC के तत्वावधान में शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: शिक्षण एवं शैक्षिक नवाचार विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य प्रवक्ता डॉ. सुनील कुमार चतुर्वेदी प्राचार्य दौलत महतो मेमोरियल टीचर ट्रेनिंग कॉलेज बनासो हजारीबाग, प्राचार्य डॉ सारिका कुमारी एवं सभी सहायक प्राध्यापकों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया गया एवं कार्यक्रम का शुभारंभ प्रशिक्षुओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सरिका कुमारी ने स्वागत भाषण देते हुए शिक्षा में अकर्की बढ़ती उपयोगिता पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता डॉ. सुनील कुमार चतुर्वेद ने अपने व्याख्यान में अकआधारित आधुनिक शिक्षण तकनीकों, स्मार्ट कंटेंट, मूल्यांकन और नवाचारों पर विस्तार से चर्चा किया गया। दूसरे दिन के व्याख्यान माला का मंच संचालन दीपक भारती एवं मुख्य प्रवक्ता का सम्पूर्ण परिचय तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक सुमन कुमारी सहाय के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापकगण, शिक्षकेत्तर कर्मी एवं सभी प्रशिक्षुओं की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ किया गया।

धनबाद साइबर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन अपराधी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

धनबाद। जिले में लगातार बढ़ रही साइबर ठगी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम को बड़ी सफलता मिली है। साइबर पुलिस ने छापेमारी कर तीन साइबर अपराधियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी शहर के विभिन्न हिस्सों में किराए के मकान लेकर साइबर ठगी को अंजाम देते थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने उनके पास से 8 मोबाइल फोन, 6 सिम कार्ड और दो बाइक भी बरामद किए हैं।

ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में टुंडी थाना क्षेत्र के सचिन कुमार, महेश मंडल और तोपचांची थाना क्षेत्र के विनोद कुमार महतो शामिल हैं। ये तीनों लंबे समय से साइबर ठगी में सक्रिय थे। पहले यह गैंग टुंडी क्षेत्र में काम करता था, लेकिन पुलिस दबिश बढ़ने पर इन्होंने अपना ठिकाना बदलकर शहरी इलाकों में किराए का मकान ले लिया था।

अपराधी APK File, RTO Challan, SBI Reward जैसे फर्जी ऐप्स व लिंक भेजकर लोगों के मोबाइल से निजी जानकारी चुरा लेते थे। जानकारी हासिल होने के बाद वे पीड़ितों को साइबर ठगी का शिकार बनाते थे। गिरफ्तार आरोपियों में 21 वर्षीय सचिन कुमार खुद को छात्र बताता है, लेकिन पुलिस के अनुसार वही इस गैंग का मास्टरमाइंड है। वहीं महेश मंडल पूर्व में भी साइबर अपराध के मामले में तिहाड़ जेल जा चुका है। तीनों मिलकर ठगी का नेटवर्क चलाते थे।

पुलिस अब जब्त मोबाइल व सिम कार्ड की जांच कर रही है, ताकि ठगी के शिकार और लोगों का पता लगाया जा सके।

महिला से छेड़खानी के आरोप मे युवक गया जेल

बिभा संवाददाता

टुंडी / धनबाद। दक्षिणी टुण्डी प्रखण्ड थाना क्षेत्र के कमारडीह पंचायत अन्तर्गत ऊपर भोजूडीह में सरस्वती कुमारी नामक 24 वर्ष वर्षीय महिला के साथ छेड़छाड़ के आरोप मे मधु दत्ता नामक 25 वर्षीय युवक को टुण्डी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

टुंडी थाना प्रभारी उमाशंकर ने कहा की विगत 06 दिसम्बर की संध्या को पीड़ित महिला सरस्वती कुमारी अपने आवास से कुछ दूरी पर स्थित पानी टंकी के समक्ष शौच हेतु गई हुई थी। इसी बीच घात लगाए उसी गांव के मधु दत्ता ने महिला के साथ छेड़छाड़ तथा दुष्कर्म करने का असफल प्रयास किया ।

अपने बचाव हेतु महिला द्वारा हो-हल्ला करने के उपरान्त आस-पड़ोस के ग्रामीण एकत्रित हुए परन्तु मौके की नजाकत को भांपते हुए मधु दत्ता भागने में सफल रहा।

बताते चलें की सरस्वती कुमारी अपने एक पुत्र के साथ रहती हैं, परन्तु अपने पति से अलग रहा करतीं हैं ।

भुक्तभोगी महिला ने टुण्डी थाना पुलिस को अपने जान-माल रक्षा हेतु लिखित आवेदन दिया।

टुंडी पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी उमाशंकर ने फौरन एक टीम बनाकर महिला हेल्प डेस्क प्रभारी ममता कुमारी के नेतृत्व में दल-बल के साथ जाकर आरोपी मधु दत्ता को गिरफ्तार करने में सफलता पाई।

प्रतिबंधित प्लास्टिक पर रोक लगाने को लेकर नगर निगम ने चलाया अभियान

बिभा संवाददाता

धनबाद : धनबाद नगर निगम के द्वारा लगातार प्रतिबंधित प्लास्टिक पर रोक लगाने को लेकर आज पुराना बाजार में अभियान चलाकर भारी मात्रा में प्रतिबंधित प्लास्टिक को जप्त किया गया। वहीं जानकारी देते हुए पदाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि प्रतिबंधित जो भी प्लास्टिक है उसको लेकर अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम मे मंगलवार को पुराना बाजार स्थित दरी मोहल्ला के अपना ट्रेडर्स नामक दुकान से करीब डेढ़ लाख रुपया के प्रतिबंधित प्लास्टिक ग्लास और थमाकोल से बने सामान को नगर निगम में जप्त किया।

दुकानदार पर 5000 का फाइन भी लगा।

वही मामले में अधिकारियों का कहना है कि आम जनता को भी प्रतिबंधित प्लास्टिक से परहेज करने की आवश्यकता है तभी धनबाद को स्वस्थ और सुरक्षित रखा जा सकता है, हालांकि इसको लेकर नगर निगम के द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है उसके बावजूद भी कुछ लोग हैं जो निजी फायदे के लिए लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

नगर निगम की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और वैसे लोग जो प्रतिबंधित प्लास्टिक का कारोबार कर रहे हैं उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं दुकानदारों की माने तो सप्लाई पर रोक लगाने की आवश्यकता है क्योंकि रोजगार है। बाजार में यदि उपलब्ध होगा तो दुकानदार बेचेंगे ही इसको लेकर अधिकारियों को ऊपर से रोक लगाने की आवश्यकता है हालांकि आज के कार्रवाई के बाद उन्होंने आगे इस तरह के काम करने को लेकर मनाही की है।

एलएनटी वेयरहाउस में बड़ी लूट, गार्ड को बंधक बना 30 लाख के पार्ट्स लूट

बिभा संवाददाता

धनबाद। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के पंडुकी स्थित एलएनटी कंपनी के वेयरहाउस में बीती रात अपराधियों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। हर घर जल नल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने का काम कर रही कंपनी के स्टोर में करीब 20 से 25 की संख्या में आए हथियारबंद नकाबपोश अपराधियों ने गार्ड को बंधक बनाकर 30 लाख के पार्ट्स लूट कर फरार हो गए।

घटना बीती रात करीब ढाई बजे की बतायी जा रही है। अपराधियों ने वहां ड्यूटी पर मौजूद चारों गार्डों के साथ पहले मारपीट की और फिर उनके हाथ-पैर बांधकर उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद वेयरहाउस की बाउंड्री वॉल फांदकर करीब 95 बोरी नल के कल-पुर्जे लेकर फरार हो गए। जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये बताई जा रही है।

कंपनी के स्टोर इंचार्ज राकेश चौधरी ने बताया कि अपराधी लाठी, डंडे, कुल्हाड़ी और भुजाली जैसे हथियारों से लैस थे। उन्होंने गार्डों पर अचानक हमला किया और उन्हें एक कोने में बंधक बनाकर पूरा स्टोर खंगाल डाला। वारदात को इतने योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया कि अपराधियों को किसी तरह का रोक-टोक सामना नही करना पड़ा।

अहले सुबह जब दूसरी शिफ्ट के गार्ड पहुंचे, तब घटना का खुलासा हुआ। उन्होंने बंधक बनाए गए गार्डों को मुक्त कराया और तुरंत कंपनी के अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय पुलिस को सूचना दी।

घटना के बाद पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया है, साथ ही पुलिस परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही हैं। हालांकि पुलिस ने अभी तक मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन जांच जारी है। वेयरहाउस में हुई इस बड़ी लूट से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है।

संजय सिंह स्टेडियम में जोश का भरपूर केरल 333 पर ऑल आउट, झारखंड दबाव में, दर्शकों की रिकॉर्ड भीड़ से मैच बना ऐतिहासिक

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : संजय सिंह स्टेडियम में कूच बिहार अंडर-19 टूनामेंट का दूसरा दिन मंगलवार को उत्साह और खेल भावना के बीच संपन्न हुआ। सुबह से ही स्टेडियम में दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे दिन रोमांचक माहौल देखने को मिला। सोमवार को शुरू हुए मुकाबले में झारखंड की टीम पहली पारी में 206 रन पर ऑल आउट हो गई थी, जबकि केरल ने पहले दिन 62 रन पर 2 विकेट खोए थे। मंगलवार को केरल की टीम ने अपने खेल को आगे बढ़ाते हुए 333 रन पर ऑल आउट होकर 101.5 ओवर तक शानदार प्रदर्शन किया। इसके बाद झारखंड ने अपनी दूसरी पारी की शुरूआत की और दिन समाप्ति तक 55 रन पर 2 विकेट गंवा कर क्रीज पर बनी रही। बुधवार को मैच इसी स्थिति से आगे बढ़ाया जाएगा। दर्शकों में मैच को लेकर गजब का उत्साह देखने को मिला। ठंड के बावजूद सुबह 8:30 बजे से ही लोग स्टेडियम पहुंचने लगे। पवेलियन खुले होने के कारण कई दर्शक धूप का आनंद लेते दिखे, जबकि कुछ अपने साथ छाता, तौलिया और जैकेट लेकर धूप से बचते हुए भी पूरे मन से मैच का आनंद ले रहे थे। कई दर्शकों ने कहा कि हजारीबाग में इतने बड़े स्तर का मैच होना गर्व की बात है। कुछ ने झारखंड टीम के प्रदर्शन पर अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि टीम को और बेहतर खेल दिखाने की जरूरत है, प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन रणनीति और धैर्य के साथ खेलना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि केरल की तरह झारखंड के खिलाड़ी भी पारी को संभालकर लंबा खेलें तो मैच का रुख बदल सकता है। दर्शकों ने बताया कि मैच की विधि-व्यवस्थाएँ पूरी तरह बेहतर हैं, सुरक्षा, पानी, बैठने और स्वास्थ्य सुविधाओं से लेकर हर व्यवस्था संतोषजनक है। मैच के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बेहद चुस्त-दुरुस्त रही। पुरुष और महिला पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की गई थी। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत मेडिकल कैंप और एंबुलेंस भी स्टेडियम परिसर में उपलब्ध रहे। पूरे आयोजन को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए एसडीसीए की टीम लगातार सक्रिय रही। हजारीबाग सांसद सह एसडीसीए अध्यक्ष मनीष जायसवाल ने दिल्ली से दोनों टीमों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि भले ही मैं स्वयं उपस्थित नहीं हूं लेकिन हजारीबाग में इस स्तर का मैच होना पूरे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण है। उन्होंने खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को हार्दिक बधाई दी और एसडीसीए की टीम को उत्तम आयोजन के लिए साधुवाद दिया। इसी क्रम में एचडीसीए के सचिव बंटी तिवारी ने कहा कि दूसरा दिन का मैच भी ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ। दर्शकों की उपस्थिति अपेक्षा से अधिक रही और लोगों में खेल के प्रति उत्साह साफ दिखा। उन्होंने समस्त हजारीबागवासियों से आग्रह किया कि वे समय निकालकर स्टेडियम अवश्य आएँ और इस उच्च स्तरीय मैच का आनंद लें। उन्होंने कहा कि हजारीबाग जैसे शहर में ऐसे आयोजन खिलाड़ियों और युवाओं के लिए प्रेरणा का काम करते हैं तथा हजारीबाग को खेल मानचित्र पर नई पहचान दिलाते हैं। टूनामेंट 11 दिसंबर तक जारी रहेगा और हर दिन दर्शकों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि आने वाले दिनों में झारखंड टीम मजबूती से वापसी करेगी और रोमांच और भी अधिक बढ़ेगा।

बार एसोसिएशन में आम सभा की हुई बैठक, सत्र 2023-25 की कार्यकारिणी समिति हुई भंग

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग बार एसोसिएशन की आम सभा की बैठक मंगलवार को ऑडिटोरियम हाल में अध्यक्ष राजकुमार की अध्यक्षता में आहूत की गई. बैठक में सत्र 2023 25 की कार्यकारिणी समिति को भंग किया गया साथ ही नई समिति के निर्वाचन को लेकर निर्वाचित पदाधिकारी का भी प्रस्ताव लाया गया. इस दौरान आम सभा की ओर से संघ से जुड़े पांच प्रिया अधिवक्ताओं के नाम का प्रस्ताव लाया गया. राय ओम प्रकाश चौधरी ,रणजीत राणा, ३ल्ल मिश्रा, कमाल आरिफ और प्रमोद वर्मा का नाम का प्रस्ताव लाया गया आपसी सहमति नहीं बनने के कारण निवार्ची पदाधिकारी का चयन नहीं हो सका. अध्यक्ष ने मतदान के माध्यम से निर्वाचि पदाधिकारी का चुनाव करने की घोषणा की जो की एक सप्ताह के भीतर चुनाव प्रक्रिया कर निर्वाचि पदाधिकारी का चयन किया जाएगा. बनी रही बताते चले की 1878 में बार एसोसिएशन की स्थापना हुई थी. स्थापना के बाद यह पहली बार हुआ है की निवार्ची पदाधिकारी के चयन के लिए मतदान का प्रयोग किया जा रहा है .इसके पूर्व निवार्ची पदाधिकारी का चयन आम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से पारित किया जाता था. बैठक का संचालन महासचिव सुमन कुमार सिंह ने की मौके पर उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह वरीय अधिवक्ता पूर्व अध्यक्ष मिथिलेश कुमार सिंह रमेश कुमार सिंह जवाहर प्रसाद कालिदास पांडे सह सचिव दीपक कुमार कुणाल कुमार भारत कुमार भैया सुमित कुमार सिंह विभव कुमार शाहिद सैकड़ो अधिवक्ता मौजूद थे।

लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हो सकारात्मक प्रयास

रमेश सर्राफ धमोरा

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है।

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते है। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है। 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं, और मानवाधिकार प्राप्य हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्त्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल हैकि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19,20,21,23,24,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है।

पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जात के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखे तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है।

सरकार भी मानवाधिकारो का हनन रोक पाने में पूर्णतया सफल नहीं हो पा रही है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तरर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।

संपादकीय

बाबरी बनाम राम मंदिर

तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने कुछ मुस्लिम चेहरों के साथ बाबरी मस्जिद की नींव रखी, तो दूसरी तरफ बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस, बाबा बागेश्वर और कई साधु-संतों ने, एक व्यापक जन-सैलाब के साथ, 'गीता पाठ' किया। बाबरी मस्जिद से 11 किमी की दूरी पर 'बहरामपुर' में राम मंदिर बनाने का उद्घोष किया गया। इन दोनों फैसलों और कर्मकांडों का धार्मिक आस्था से कोई सरोकार नहीं है। ये सांप्रदायिक, हिंदू बनाम मुसलमान, जमावड़े थे, जिनकी मानसिकता में अप्रैल-मई, 2026 के विधानसभा चुनाव उमड़-घुमड़ रहे थे। बेशक प्रभु श्रीराम समूचे भारत के जनमानस के सबसे अधिक स्वीकार्य और पूजनीय आराध्य हैं। राम के जीवन-चरित पर सबसे अधिक, प्रमुख भाषाओं में, 'रामायण' का सृजन किया गया है। यदि हमारे आराध्य का एक और मंदिर बनाया जाता है, तो वह विवादास्पद नहीं हो सकता, क्योंकि बहुसंख्यक हिंदू 'मूर्ति पूजक' हैं, लेकिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में आराध्य का भव्य मंदिर बन चुका है। मंदिर के शिखर पर सनातन की प्रतीक 'धर्म-ध्वजा' भी सुशोभित की जा चुकी है। देश भर से लाखों श्रद्धालु अपने आराध्य श्रीराम के दर्शन करने और मत्था टेकने अयोध्या जा रहे हैं। राम मंदिर का सम्मान किसी तीर्थ-स्थान से कमतर नहीं है, लिहाजा एक और राम मंदिर के उद्घोष का औचित्य क्या है? देश में आज भी प्रभु राम के असंख्य मंदिर हैं, जहां अनवरत पूजा-पाठ जारी है। बेशक राम के नाम पर ध्रुवीकरण और सामुदायिक लामबंदी जरूर की जा सकती है। चुनाव के मद्देनजर उनका महत्व भी निर्णायक है। यकीनन हिंदुओं अथवा ऐसे आस्थावानों के ध्रुवीकरण से भाजपा को चुनावी फायदा सर्वाधिक होता रहा है। स्वतंत्र भारत में बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं के स्मारक के तौर पर मस्जिद बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। भारत अब एक संप्रभु, लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र है, उसमें बाबर का स्मारक स्वीकार्य नहीं है। मुस्लिम मस्जिद बनाना चाहते हैं, तो सरकार से बाकायदा इजाजत लें और पैगंबर मुहम्मद के नाम पर मस्जिद बनाएं। किसे आपत्ति होगी? हालांकि राजधानी दिल्ली में 'बाबर रोड' आज भी मौजूद है। ऐसे और भी स्मारक बाबर के नाम पर देश में होंगे, लेकिन नए प्रयास, नए शिलान्यास, नए निर्माण को नहीं होने देना चाहिए। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कथित बाबरी मस्जिद की नींव नहीं रखने देनी चाहिए थी। भाजपा के जो चेहरे चीखा-चिल्ली कर बाबरी का विरोध कर रहे थे, उन्हें भी नींव का पुरजोर विरोध करना चाहिए था। मुख्यमंत्री को अपने ही बागी विधायक को गिरफ्तार कराना चाहिए था, लेकिन बाबरी मस्जिद की प्रतीकात्मक नींव रख दी गई और वह तबका अपनी सांप्रदायिकता में कामयाब रहा। ममता को मुर्शिदाबाद की 24 विधानसभा सीटों पर 65 फीसदी से ज्यादा मुसलमानों के वोट की चिंता थी, तो ममता हिंदुओं के वोट भी छोड़ नहीं सकती थी। बंगाल में 35-40 फीसदी हिंदू वोट ममता की पार्टी के पक्ष में भी जाते हैं, लिहाजा मुख्यमंत्री ने विधायक को निलंबित ही किया।

चिंतन-मनन

चैतन्य रहें

एक बार दो देवताओं में विवाद हो गया कि भाग्य बड़ा है या पुरूषार्थ? विवाद हर व्यक्ति के मन में पैदा होता है, चाहे मनुष्य हो, चाहे देवता हो। निश्चित हुआ, परीक्षा करें। एक देवता ने कहा- देखो! भाग्य बड़ा नहीं होता, पुरूषार्थ बड़ा होता है। दूसरे ने कहा- नहीं! उस आदमी को देखो। तुम्हें साक्षात प्रमाणित करूंगा कि पुरूषार्थ बड़ा नहीं होता, भाग्य बड़ा होता है। पति-पत्नी जा रहे थे। देवता ने रास्ते के बीच रत्नों का ढेर लगा दिया। रत्न ही रत्न बिखेर दिए। जब आस-पास आए, पत्नी ने कहा- अभी तो हमारी आंखे अच्छी हैं, हम देख सकते हैं, हमें सब कुछ दिखाई देता है। कभी ?सा भी हो सकता है कि बुढ़ापा आने के साथ-साथ हमारी आंखें चली जाएं, हम अन्धे हो जाएं। फिर काम कैसे चलेगा? पति ने कहा - परीक्षा कर लें। देखें, कैसे काम चलेगा? दोनों ने आंखों पर पट्टी बांध ली। दोनों चले। जहां रत्न बिखरे हुए पड़े थे, ढेर लगा था आस-पास में, उससे आगे निकल गए। कुछ आगे जाकर पति बोला- आंखो के बिना काम तो चल जाएगा, ?सी कोई बात नहीं है। खोल लो पट्टी। पट्टी खोल ली। देवता ने कहा - देखा तुमने! भाग्य में नहीं था, कुछ नहीं मिला। भाग्य बड़ा है पुरूषार्थ से। भाग्य और पुरूषार्थ की चर्चा को हम छोड़ दें किन्तु इस बात को हम नहीं छोड़ेंगे कि जब तक आंख पर मूर्च्छा की पट्टी बंधी हुई है, तब तक हमारे आस-पास में, हमारे सामने, दाएं-बाएं, चारों तरफ जो सम्पदा बिखरी पड़ी है, उसका हमें कुछ भी पता नहीं चलता। हम उस सम्पदा से अनजान रह जाते हैं।

75 साल बाद संसद में वंदे मातरम की राजनीति?

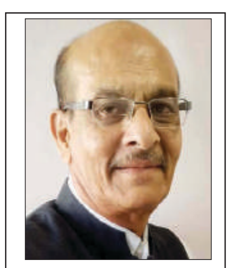

सनत जैन

नई पीढ़ी जानेगी वंदे मातरम का इतिहास, मां किसी से भेदभाव नहीं करती...

स्वतंत्र भारत की संसद में 75 वर्षों के बाद 'वंदे मातरम' पर हुई चर्चा पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए एक राजनीतिक प्रयास के रूप में शुरू हुई। वंदे मातरम की यह चर्चा एक गीत या नारे तक सीमित नहीं रही। यह बहस प.बंगाल के चुनाव में धार्मिक ध्रुवीकरण, उसकी सांस्कृतिक चेतना और एकता के भाव को समझने का अवसर भी बन गई। संसद में सभी राजनीतिक दलों और सभी सांसदों ने एकजुट होकर वंदे मातरम के पक्ष में बढ़-चढ़कर अपने विचार व्यक्त किये।वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं है। बल्कि वह स्वर है, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान करोड़ों लोगों के हृदय में देशभक्ति की ज्योति जगाई थी। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत आज भी राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। इसके बोल हर किसी को राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत कर देते हैं।संसद में इस विषय पर हुई चर्चा का सबसे बड़ा महत्व यह है, नई पीढ़ी को वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया और तकनीक की दुनिया में व्यस्त है। ऐसे विषय पर संसद में जो सार्थक बहस हुई है। वर्तमान पीढ़ी को सोशल मीडिया के माध्यम से बेहतर तरीके से स्वतंत्रता के इतिहास और वर्तमान में प.बंगाल के चुनाव में इस नारे का क्या महत्व है। यह जानने का अवसर मिलेगा। युवा पीढ़ी यह जान सकेगी राष्ट्र की पहचान केवल वर्तमान से नहीं, बल्कि उसके गौरवपूर्ण अतीत से भी बनती है। अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति को इस नारे ने विफल कर दिया था। धर्म, भाषा, प्रांत, गरीब और अमीर सब इस नारे से प्रभावित होकर स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े थे। संसद में बहस के दौरान यह बात भी उभरकर सामने आई। 'मां' किसी से भेदभाव नहीं करती है। वंदे मातरम में जिस मां की वंदना की गई है। वह भारत माता है।जो अपने सभी बच्चों को बिना किसी भेदभाव के समान दृष्टि से देखती है। चाहे वह किसी भी भाषा, धर्म, जाति या किसी भी क्षेत्र से हो। यह गीत किसी एक वर्ग, समुदाय या धर्म का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का है। वंदे मातरम को संकीर्ण नजरिये से देखना ना केवल इसके भाव को सीमित करता है। बल्कि राष्ट्रीय एकता अखंडता और भारतीय संस्कृति को भी चोट पहुंचाता है।

हाल के वर्षों में वंदे मातरम को लेकर समय-समय पर राजनीतिक लाभ के लिए विवाद खड़े होते रहे हैं। कुछ राजनीतिक दल पश्चिम बंगाल की विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए, वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर इसे विवाद का विषय बना रहे हैं। संसद में जिस तरह से सभी राजनीतिक दलों ने स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में वंदे मातरम के इस नारे ने स्वतंत्रता की जो लो आम जनमानस के बीच में जगाई थी। सबने बढ़ चढ़कर इस नारे के औचित्य को समझाया।संसद में हुई बहस ने यह स्पष्ट किया, देशभक्ति किसी पर थोपी नहीं जा सकती है, अभिव्यक्ति के माध्यम अलग-अलग भी हो सकते हैं। यह दिल से उपजने वाली भावना है। वंदे मातरम का सम्मान करना और उसके भाव को समझना सभी नागरिक अच्छी तरह से जानते हैं। कोई भी अपनी जन्मभूमि को छोड़ना नहीं चाहता है। हां अभिव्यक्ति के तरीके जरूर अलग-अलग हो सकते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले इसे विवाद का विषय बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है। आज जरूरत इस बात की है, हम वंदे मातरम जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीति से ऊपर उठकर देखें। यह गीत सारे भारत को एक साथ जोड़ता है। इसका एक-एक शब्द सारे भारत का प्रतिनिधित्व करता है। संसद में हुई बहस नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भूमिका, संघर्ष और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने में संसद की यह चर्चा सार्थक साबित होगी। वंदे मातरम के नारे का जन्म पश्चिम बंगाल से हुआ था। स्वतंत्रता संग्राम में इसके नारे देश के सभी प्रांतों मे गूंजे। दुनिया में सैकड़ो रामायण विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित हुई हैं। सब में अलग-अलग तरीके से राम का वर्णन किया गया है। ठीक उसी तरह स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में वंदे मातरम गीत को प्रत्येक भाषा में अलग-अलग तरह से इसे विभिन्न बोल और विभिन्न भाषाओं में अलग-अलग संगीत की धुन में गाया गया है। वंदे मातरम में प्रत्येक गीत और संगीत में एक सा भाव है। वंदे मातरम के इस नारे से हमने स्वतंत्रता पाई है। अंग्रेजों के फूट डालो और राज करो की नीति को सफल नहीं होने दिया। जैसे ही इस नारे ने भारत को एकजुट किया। अंग्रेजों को देश छोड़कर भागना पड़ा। संसद में वंदे मातरम विषय पर जो बहस हुई है। प्रत्येक सांसद ने वंदे मातरम के पक्ष में बड़ी मजबूती के साथ अपना पक्ष रखा। वंदे मातरम को लेकर जो राजनीति पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के तारतम्य में प्रयास किया जा रहा है। उसमें कितनी सफलता मिलेगी, यह तो भविष्य ही तय करेगा। संसद में जिस तरह से सांसदों ने वंदे मातरम को लेकर ऐतिहासिक तथ्य प्रस्तुत किए हैं। संसद में हुई बहस ने नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन और वंदे मातरम के महत्व को समझाने में जरुर मदद की है। प. बंगाल में धार्मिक धुव्रीकरण का जो प्रयास वंदे मातरम के माध्यम से करने के प्रयास को कितनी सफलता मिलेगी? यह कहना मुश्किल है।

गोवा हादसाः झुलसती संवेदनाएं और नाकाम होती व्यवस्था

ललित गर्ग

एक बार फिर एक भीषण आग ने 25 मासूम जिंदगियों को छीन लिया। गोवा के नाइट क्लब में हुई यह त्रासदी केवल आगजनी नहीं, बल्कि हमारे सिस्टम की जड़ता, गैर-जिम्मेदारी और नैतिक पतन की ज्वलंत मिसाल है। गोवा का जो नाइट क्लब आग की चपेट में आया, वह नियमों की अनदेखी करके तो चलाया ही जा रहा था, उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं किए गए थे। रही-सही कसर इससे पूरी हो गई कि नाइट क्लब में आने और जाने का रास्ता बेहद संकरा था। आग की चपेट में आने वालों की संख्या इसलिए अधिक बढ़ गई, क्योंकि बचने के लिए उन्होंने जिस रास्ते को सुरक्षित समझा, वहां पहले से ही लोग फंसे हुए थे। इस तरह से आनंद और उत्सव का स्थल अचानक जीवन समाधि में बदल गया, वह अनेक सवाल हमारे सामने खड़े करता है, क्या हम सीखने की क्षमता खो चुके हैं? क्यों हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजा घोषित होता है, कुछ दिन हंगामा होता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है? पूर्व में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत और अनेक शहरों में समान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। होटल, मॉल, थिएटर, अस्पताल, फैक्ट्री, कोचिंग सेंटर-लापरवाही की आग में झूलसनों वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन हमारी संवेदनशीलता का स्तर छोटा होता जा रहा है। आगजनी की घटनाओं का सिलसिला तो लगातार है, परंतु सुरक्षा मानकों के प्रति हमारी उदासीनता और घोर लापरवाही भी उतनी ही स्थायी है। यह बात स्पष्ट है कि हादसे किसी तकनीकी गलती का परिणाम भर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और राजनीतिक मिलीभगत की देन भी हैं।

गोवा अपनी पहचान पर्यटन से बनाता है। नाइट लाइफ, समुद्री तटों का आनंद, मनोरंजन गतिविधियां और विदेशी पर्यटक इसका स्वाभाविक आकर्षण हैं। ऐसे प्रदेश में इस प्रकार का हादसा केवल मानवीय त्रासदी नहीं, बल्कि छवि और अर्थव्यवस्था का गहरा नुकसान भी है। भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री पहले ही प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को लेकर चुनौतियों से जूझ रही है। यह घटना विश्व के सामने एक सवाल बनकर खड़ी है-क्या भारत सुरक्षित पर्यटन देश है? क्या यहां गैर-जिम्मेदाराना ढांचे और भ्रष्ट तंत्र के बीच किसी का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है? इस प्रकार के हादसों में दो बड़े चरित्र सामने आते हैं-सरकार की सुस्ती और आयोजकों की लालचपूर्ण मानसिकता। अधिकांश नाइट क्लब, बार, पार्क या मनोरंजन स्थल ऐसे होते हैं जहां प्रवेश शुल्क, अवैध संचालन और आर्थिक लाभ का बड़ा खेल चलता है। इमारतों की मंजूरी, फायर सुरक्षा की अनुमति, बिजली के तारों का रखरखाव, निकास मार्ग-ये सभी चीजें फाइलों में तो दर्ज होती हैं, लेकिन जमीन पर गायब रहती हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की सजगता की जगह 'संबंध' और 'सुविधा शुल्क' काम करता है। निरीक्षण के नाम पर औपचारिकता ढहती है और बीते हुए हादसे केवल याद बनकर रह जाते हैं।

नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर हम हादसों को नियति क्यों मान लेते हैं? हर घटना के बाद नेताओं के बयान आते हैं-'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'उच्च स्तरीय जांच की जाएगी', 'मुआवजा दिया जाएगा', लेकिन क्या कभी हमने दोषियों को सजा होते देखा है? कभी किसी अधिकारी को बर्खास्त होते देखा है? क्या किसी क्लब या होटल की अनुमति स्थायी रूप से रद्द की गई? जवाब अधिकतर 'नहीं' है। यही वह सत्य है जो बताता है कि हमारा समाज हादसे को दुख तो मानता है पर समस्या नहीं मानता। अजीब विडंबना यह है कि हादसे के शिकार गरीब या आम नागरिक होते हैं, लेकिन इस त्रासदी से गुजरी व्यवस्थाओं को कोई चोट नहीं लगती। वे फिर उठते हैं, नए सजावटी बोर्ड लगा लेते हैं और जनता को फिर से आकर्षित कर लेते हैं। व्यवस्था में भ्रष्टाचार और मानव-मूल्यों का ह्रास दोनों मिलकर ऐसी घटनाओं को जन्म देते हैं। यह केवल प्रशासनिक नाकामी नहीं, बल्कि सामूहिक नैतिक ह्रास भी है। आयोजक केवल लाभ देखते हैं; प्रशासन केवल कागजों पर निशान देखता है; समाज घटना को क्षणिक दुख समझकर भूल जाता है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो किसी भी विकसित या उत्तरदायी समाज में जन-स्थलों पर सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। नियमित निरीक्षण, कठोर दंड, मानकों का अनिवार्य पालन और पारदर्शिता बुनियादी तत्व हैं। भारत में ये मानक केवल कानूनी पुस्तकों में रहते हैं। सवाल यह नहीं कि हादसे क्यों होते हैं, सवाल यह है कि सीख क्यों नहीं ली जाती। गोवा का यह हादसा एक चेतावनी है, अकेले गोवा के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए। हम विकास, पर्यटन और आधुनिक जीवनशैली की बात करते हैं, लेकिन सुरक्षा, नियंत्रण और मानवीय संवेदनशीलता को हाशिए पर छोड़ देते हैं। यह घटना बताती है कि यदि व्यवस्था की लापरवाही और लालच के बीच नागरिक की सुरक्षा कुचलती रही तो हम आधुनिक ढांचे बनाकर भी असुरक्षित रहेंगे। किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसके नागरिकों की सुरक्षा पर टिकी होती है, न कि केवल चमक-दमक पर।

गोवा घटना ने सरकार की छवि को ध्वस्त किया है। पर्यटन उद्योग की नींव हिलाई है और नागरिक विश्वास को चोट पहुंचाई है। गोवा के जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 16 प्रतिशत से ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 6.23 प्रतिशत ज्यादा टूरिस्ट गोवा पहुंचे। ऐसे में यह घटना राज्य की अच्छी छवि पेश नहीं करती, जहां पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यटकों के साथ अभद्रता की कुछ समस्या रही है।यदि घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकनी है तो कुछ कठोर कदम उठाने होंगे, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, वास्तविक निरीक्षण प्रणाली, भ्रष्टाचार पर अंकुश और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर दंड। परंतु दुख यह है कि हमारा इतिहास बताता है, हम कठोर कदम उठाने से बचते हैं। आज इस त्रासदी के बाद शोक जताना पर्याप्त नहीं है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है। हम केवल जिम्मेदारी टाल देने की प्रवृत्ति में नहीं जी सकते। हर हादसा हमें यही याद दिलाता है कि सुरक्षा संस्कृति, जिम्मेदार शासन और नैतिक व्यवसायिक आचरण के बिना कोई भी समाज सुरक्षित नहीं हो सकता। यह घटना केवल 25 लोगों की मौत नहीं, बल्कि चेतावनी है कि यदि हमने नहीं सीखा, तो अगली त्रासदी निकट ही खड़ी है। हमारे नीति-नियंताओं को यह समझना होगा कि इस तरह की घटनाएं केवल जान-माल को ही क्षति नहीं पहुंचातीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। इस तरह की घटनाएं यही रेखांकित करती हैं कि नया और विकसित बनने के आकांक्षी भारत में नियम-कानूनों की हर स्तर पर उपेक्षा होती है और इस देश में जिम्मेदारी के साथ कोई काम मुश्किल से ही किया जाता है। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं। हमें यह मानना होगा कि जीवन की कीमत केवल शब्दों में नहीं, व्यवस्था में भी झलकनी चाहिए। जब तक हमारी नीतियों में कठोरता नहीं आएगी, जब तक भ्रष्टाचार की जड़ें नहीं काटी जाएंगी और जब तक नागरिक-केंद्रित शासन स्थापित नहीं होगा, तब तक मनोरंजन के नाम पर मौतें होती रहेंगी। गोवा का नाइट क्लब हादसा केवल आग नहीं-हमारे विवेक, शासन और मानवता की विफलता है। अब यह हमारे हाथ में है कि हम इसे भूलें या इसे परिवर्तन की शुरूआत बनाएं।

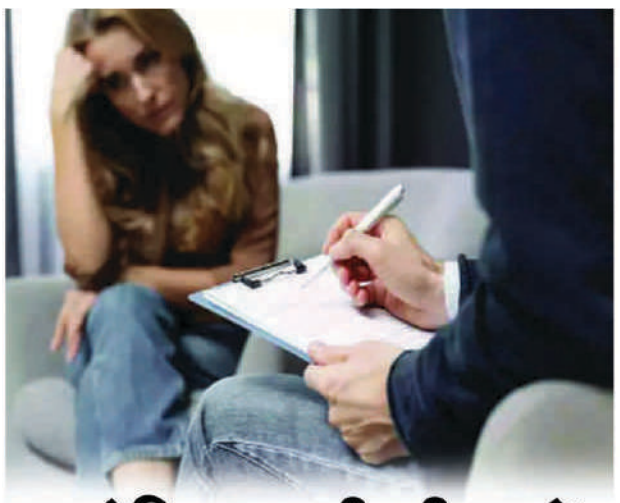

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

- मनोविज्ञानी
- मनोचिकित्सक
- समाज सेवक
- काउंसलर
- शैक्षिक मनोवैज्ञानिक
- मानव संसाधन प्रबंधक
- अध्यापक
- अनुसंधान भूमिकाएं
- मीडिया भूमिकाएं
- मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम.फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

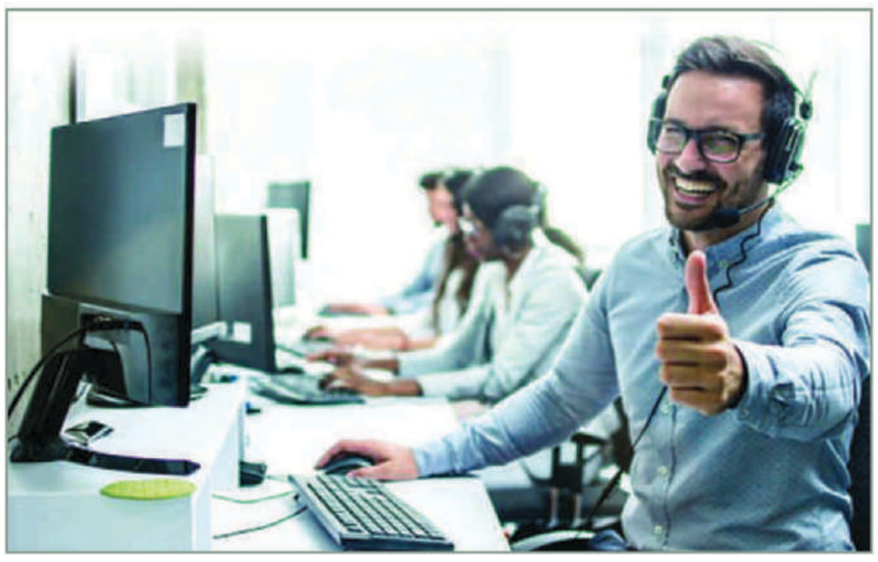

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

वाराणसी में मानव तस्करी के दो दोषियों को उम्रकैद

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी की एक फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) ने बच्चे चुराकर राजस्थान और झारखंड में बेचने के मामले में दो युवकों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला साक्ष्य, गवाहों और पुलिस चार्जशीट के आधार पर किया गया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) न्यायाधीश कुलदीप सिंह की अदालत ने सोमवार को दोषी कुलदीप पासवान (झारखंड, कोडरमा निवासी), नंदलाल राम (पश्चिम बंगाल, 24 परगना निवासी) को आजीवन कारावास और 15,000 का जुर्माना प्रत्येक पर लगाया है। 29 अप्रैल 2023 की रात दो बजे राजघाट निवासी पिंकी का एक साल का बच्चा घर से चोरी हो गया। इसके बाद 19 जुलाई 2023 को पुलिस ने कोडरमा से कमलेश पासवान को गिरफ्तार किया। कमलेश ने पूछताछ में बताया कि अनुराधा देवी (कोडरमा) ने उसके माध्यम से बच्चे को पश्चिम बंगाल के नंदलाल राम को बेचा। 20 जुलाई 2023 को पुलिस ने कुलदीप पासवान को लेकर नंदलाल राम के ठिकाने पर पहुंची, बच्चे को सकुशल बरामद किया और नंदलाल राम को गिरफ्तार किया। कोर्ट ने गवाह, साक्ष्य और पुलिस चार्जशीट के आधार पर दोनों को दोषी पाया। बच्चे को अगवा करने वाली कार भी बरामद कर जब्त की गई थी। अदालत ने पर्याप्त साक्ष्य न मिलने के कारण आठ अन्य आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। उसमें जगबीर बरनवाल, संतोष साव, अनुराधा देवी, गुड़िया, संगीता देवी, मनीष जैन, संतोष गुप्ता, शिखा देवी का नाम शामिल है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह बच्चों की चोरी करके दलालों के माध्यम से राजस्थान, झारखंड और बिहार में निसंतान दंपती या जरूरतमंद लोगों को दो से पांच लाख रुपये में बेच देता था। इस मॉड्यूल से जुड़े अन्य गिरफ्तारियां भी हुई हैं।

खजुराहो में रिसॉर्ट में खाना खाते ही बिगड़ी कर्मचारियों की तबीयत, 4 की मौत... बाकी का इलाज जारी

छतरपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के छतरपुर के खजुराहो में रिसॉर्ट में खाना खाने के बाद कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया। यहां से गंभीर हालत में 9 कर्मचारियों को ग्वालियर रेफर किया गया। जहां 4 कर्मचारियों की मौत हो गई। बाकी का इलाज हो रहा है। जानकारी के अनुसार, ग्वालियर जाने के दौरान दो लोगों ने दम तोड़ दिया। दो की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि, 5 का इलाज जारी है। इसमें दयाराम, हार्दिक, रवि, रोशनी और गोलू शामिल हैं। इसमें रवि, रोशनी और गोलू वेंटिलेटर पर हैं। उनकी हालत बेहद नाजुक है। डॉक्टर ने फूड पॉइजनिंग के लक्षण बताए हैं। पहले जानकारी मिली थी कि 9 कर्मचारियों को छतरपुर जिला अस्पताल से झांसी मेडिकल रेफर किया था। यहां तबीयत बिगड़ने पर 4 लोगों को ग्वालियर रेफर किया गया, जहां चारों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, तीन कर्मचारियों की मौत हुई है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने इनके परिजनों को 20-20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्रशासन ने रिसॉर्ट सील कर दिया है। बताया जा रहा है कि रिसॉर्ट मालिक विनोद कुमार गौतम बेल्जियम में रहते हैं। वहीं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पोस्ट कर लिखा, जिस खजुराहो में कैबिनेट, उसी जिले में 4 मौत हो गईं, लेकिन सत्ता के महलों में बैठे मंत्री मौन हैं। 9 पीड़ित अस्पताल पहुंचाए गए, किंतु निर्लज्जता से भरी हुई निर्मम सरकारी कुर्सियां, उसी इलाके में सरकारी खर्चे पर मौज करती रहीं।

राज्यसभा में आप सांसद संजय सिंह ने एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा के लिए कार्य स्थगित करने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को राज्यसभा में एक नोटिस पेश किया, जिसमें यूपी में चल रही एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा के लिए कार्य स्थगित करने की मांग की। संसद का निचला सदन चुनाव सुधारों के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। इसमें कई राज्यों में भारतीय चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा शामिल होगी। विपक्षी दल महीनों से एसआईआर पर बहस की मांग कर रहे हैं, कांग्रेस मतदाता सूची में विसंगतियों का

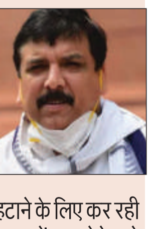

आरोप लगा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी एसआईआर के मुखर आलोचक रहे हैं और उनका आरोप है कि सरकार इस प्रक्रिया का इस्तेमाल असली मतदाताओं के नाम हटाने के लिए कर रही है। केसी वेणुगोपाल चुनाव सुधारों पर बहस में भाग लेने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं में से एक हैं। अन्य नेताओं में मनीष तिवारी, वर्षा गायकवाड़, मोहम्मद जावेद, उज्ज्वल रमन सिंह, ईसा खान, रवि मल्लू, इमरान मसूद, गोवाल पदवी और एस ज्योतिमणि शामिल हैं। राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एसआईआर पर चर्चा शुरू करने की संभावना है। लोकसभा और राज्यसभा में पूरी चर्चा के लिए कुल 10 घंटे तय किए गए हैं। राहुल गांधी एसआईआर अभियान की लगातार आलोचना करते रहे हैं, उन्होंने मतदाता सूची में विसंगतियों और बीएलओ पर दबाव का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने कहा कि एसआईआर एक सोची-समझी चाल है। जहां नागरिकों को परेशान किया जा रहा है और अनावश्यक दबाव से बीएलओ की मौतों को सह-क्षति बताकर खारिज कर दिया है। यह कोई विफलता नहीं, बल्कि एक साज़िश है। सत्ता में बैठे लोगों को बचाने के लिए लोकतंत्र की बलि चढ़ा दी गई है।

घटना के फौरन बाद फुकेत भाग गए नाइट क्लब के मालिक, आरोपी सौरभ और गौरव लूथरा

पणजी (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने कहा है कि नाइट क्लब के मालिकों का देश छोड़कर थाईलैंड भाग जाना, पुलिस जांच से बचने की उनकी मंशा को दिखाता है नाइट क्लब में आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना तब हुई है, जिसमें दिल्ली स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा आग लगने की घटना शुरू होने के करीब छह घंटे बाद इंडिगो की उड़ान से फुकेत भाग गए थे। पुलिस उपाधीक्षक और जनसंपर्क अधिकारी नीलेश राणे ने बताया मुंबई स्थित आव्रजन ब्यूरो से संपर्क करने पर पता चला कि दोनों आरोपी 7 दिसंबर की सुबह 5:30 बजे, यानी घटना के तुरंत बाद, उड़ान (नई दिल्ली से फुकेत) में सवार हुए थे। इससे पुलिस जाँच से बचने की उनकी मंशा का पता चलता है। इंडिगो की उड़ान रद्द होने की खबर उस समय में आई है जब पूरे भारत में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है, इस हफ्ते कई हवाई अड्डों पर हज़ारों उड़ानें रद्द कर दी गईं।

राज्यों में एसआईआर के काम में बाधा पर अदालत सख्त, कहा-चुनाव आयोग संज्ञान में लाए, हम आदेश पारित करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को धमकाने के अलावा चुनाव आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में कथित तौर पर बाधा डालने की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। अदालत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सहयोग की कमी को गंभीरता से लेने को कहा।

सर्वोच्च अदालत ने कहा, अगर हालात और बिगड़ते हैं तो पुलिस तो तैनात करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि उनके पास सभी सांविधानिक शक्तियां हैं, जिससे हम बीएलओ और अन्य अधिकारियों को धमकाने की घटनाओं से डील कर सकते हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि

इससे निपटें वरना इन हालातों से अराजकता हो सकती है।

पश्चिम बंगाल में पांच आईएएस नियुक्त

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कामकाज की निगरानी के लिए पांच वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को स्पेशल रोल ऑब्जर्वर (एसआरओ) नियुक्त किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। जिन अधिकारियों को नियुक्त किया गया है, उनमें रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुमार रवि कांत सिंह को प्रेसिडेंसी संभाग के लिए एसआरओ बनाया गया है, जबकि गृह मंत्रालय के नीरज कुमार बांसोद को मेदिनीपुर संभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कृष्ण कुमार निराला बर्दवान संभाग के लिए एसआरओ होंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ऑफिस के एक अधिकारी ने बताया कि एसआरओ की नियुक्ति से सभी संभागों में एसआईआर प्रक्रिया की जांच मजबूत होगी। राज्य में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण 4 नवंबर को शुरू हुआ था। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को जारी की जाएगी।

प्रस्तावित बाबरी मस्जिद के लिए मिला करीब तीन करोड़ रुपये का चंदा

हुमायूं कबीर के करीबियों ने बताया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा मुर्शिदाबाद में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद-शैली की मस्जिद के लिए मिले चंदे की राशि करीब तीन करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। विधायक के सहयोगियों ने बताया कि कबीर ने रेजीनगर में इस मस्जिद का शिलान्यास किया था।

कबीर के अनुसार, स्थल पर 12 दान पेटियां रखी गई थीं। अब तक इन पेटियों से 57 लाख रुपये की गिनती हुई है, जबकि क्यूआर कोड भुगतान के माध्यम से 2.47 करोड़ रुपये मिले हैं। योगदान के लिए शिलान्यास स्थल पर एक दान पेटी अब भी रखी हुई है। रिपोर्ट में बताया गया था कि मस्जिद बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अब तक करीब 1.3 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। कबीर के करीबी लोगों ने बताया कि चंदे के लिए जगह-जगह लगाए गए दानपत्र करीब भर चुके हैं और नकदी गिनने वाली मशीनों की मदद से रात भर चंदे की गिनती चलती रही। उन्होंने बताया कि लोग दान नकदी और ऑनलाइन दोनों तरीके से दे रहे हैं। कबीर के करीबी लोगों ने बताया कि चार दान पेटियों और एक बोरी से अब तक कम से कम 37.33 लाख रुपये नकद गिने गए हैं, जबकि क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन योगदान 93 लाख रुपये तक पहुंच गया है, जिससे कुल राशि 1.30 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि सात और सीलबंद पेटियों को खोला जाना बाकी है।

भारत घूमने आया चीनी शख्स, बिना अनुमति कश्मीर-लद्दाख के संवेदनशील क्षेत्रों में घूमता मिला

-पुलिस ने पकड़ा, मोबाइल फोन को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा, जांच एजेंसियां अलर्ट

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर में पकड़े गए एक चीनी नागरिक मामले ने सुरक्षा हलकों में हलचल मचा दी है। यह युवक पर्यटक वीज़ा पर भारत आया था, लेकिन जिस तरह वह बिना अनुमति संवेदनशील और रणनीतिक क्षेत्रों में घूमता रहा, उसने जांच एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं। अब उसके मोबाइल फोन को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं उसने कोई गोपनीय जानकारी तो साझा नहीं की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हू कॉन्गताई नाम का यह 29 साल का शख्स 19 नवंबर को दिल्ली आया था। उसके वीज़ा में केवल कुछ चुनिंदा बौद्ध धार्मिक स्थलों की यात्रा की अनुमति थी- जैसे वाराणसी, आगरा, दिल्ली, जयपुर, सारनाथ, गया और कुशीनगर। इसके बावजूद वह लद्दाख के लेह, जांस्कर और कश्मीर घाटी के कई संवेदनशील इलाकों में घूमता रहा। जांस्कर में उसने तीन दिन बिताए और ऐसे स्थानों का दौरा किया जिन्हें रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जाता है। वह न केवल वहां घूमता रहा, बल्कि उसने किसी भी एफआरआरओ कार्यालय में पंजीकरण भी नहीं करवाया, जो विदेशी नागरिकों के लिए जरुरी है।

यह चीनी शख्स ट्रैवल रूट कई ऐसी जगहों से होकर गुज़रा, जहां आमतौर पर सुरक्षा कारणों से विदेशी पर्यटकों को रोक दिया जाता है। उसने दक्षिण कश्मीर के हावड़वान स्थित बौद्ध मठ और अवंतीपोरा के बौद्ध अवशेष देखे-जो सेना की विक्टर फ़ोर्स मुख्यालय के बेहद करीब हैं। इसके अलावा उसने हज़रतबल, शंकराचार्य हिल, डल झील और मुगल गार्डन जैसे स्थानों का भी दौरा किया।

भारत आने के तुरंत बाद उसने खुले बाजार से भारतीय सिम कार्ड भी हासिल किए, जो शक को और गहरा कर रहे हैं। उसके फोन में सीआरपीएफ तैनाती और अनुच्छेद 370 हटाए जाने से जुड़े विषयों की ऑनलाइन खोजें मिली हैं। जांचकर्ता यह भी पता लगाने में जुटे हैं कि क्या उसने कुछ ब्राउज़िंग डेटा हटाया है। पूछताछ में उसने बार-बार यह कहने की कोशिश की कि उसे वीज़ा नियमों की जानकारी नहीं थी। वह खुद को एक शौकिया यात्री बता रहा है और दावा करता है कि उसने बोस्टन यूनिवर्सिटी में फिज़िक्स पढ़ी है और पिछले नौ साल से अमेरिका में रह रहा था। उसके पासपोर्ट पर अमेरिका, न्यूज़ीलैंड, ब्राज़ील, फिजी और हांगकांग जैसे देशों की यात्रा मुहरें भी मिली हैं।

मध्य प्रदेश में बर्फीली हवाओं ने सर्दी का कहर बढ़ाया, राजस्थान में फिर से शीतलहर का दौर शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में बर्फीली हवाओं ने सर्दी का कहर बढ़ा दिया है। शहडोल के कल्याणपुर में सबसे कम तापमान 4.2 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। कई शहरों में तापमान 5 डिग्री से नीचे जा सकता है।

राजस्थान के 19 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज हुआ। फतेहपुर में सबसे कम, 4.4 डिग्री पारा दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने राज्य में 10 दिसंबर से शीतलहर चलने की आशंका जाहिर की है। दूसरी तरफ, पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। उत्तराखंड के चमौली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ सहित कई जिलों में तेज बर्फबारी हुई। पहाड़ पूरी तरह से सफेद नजर आए।

कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग में सीजन की पहली बर्फबारी हुई। बड़ी संख्या में पर्यटक और स्थानीय लोग बर्फबारी का मजा लेते हुए दिखे। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला

स्थित रोहतांग दर्रे में बर्फबारी हुई। इसके कारण मनाली-लेह सड़क बंद कर दिया गई।

राजस्थान में फिर से शीतलहर का दौर शुरू होने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, 10 दिसंबर से शीतलहर का प्रभाव महसूस होगा। शेखावाटी और उसके आसपास के एरिया में सबसे ज्यादा असर देखने को मिलेगा। सीकर, चूरू, झुंझुनूं और नागौर में 2 दिन का यलो अलर्ट है। तापमान में 1 से 2 डिग्री तक गिरावट देखने को मिल सकती है। उत्तराखंड के चमोली और पिथौरागढ़ में पहाड़ों पर बर्फ की सफेद परत बिछ गई है। यहां नदी, नाले और झरने भी जम गए हैं। केदारनाथ में तापमान माइनस 17 डिग्री सेल्सियस और बद्रीनाथ में माइनस 14 डिग्री सेल्सियस चला गया है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के रोहतांग दर्रे और अन्य ऊंचाई वाले इलाकों में सोमवार को बर्फबारी हुई। खराब मौसम के कारण मनाली-लेह मार्ग को दारचा से आगे बंद कर दिया गया है।

अभिनेता विजय की रैली में बंदूक लेकर घुसा शख्स... रैली में मचा हड़कंप

-युवक-युवतियां और महिलाएं बैरिकेड फांदकर अंदर घुस गई

पुडुचेरी (एजेंसी)। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय ने पुडुचेरी स्थित उप्पलम के एक्सपो ग्राउंड (न्यू पोर्ट) में विशाल रैली की। इस दौरान तमिलनाडु के एक व्यक्ति ने बंदूक लेकर घुसने की कोशिश की, इससे रैली में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तत्काल व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

व्यक्ति ने दावा किया कि उसके पास लाइसेंसी रिवॉल्वर है। शख्स ने बताया कि वह एक निजी सुरक्षा अधिकारी है, लेकिन समय पर नहीं पहुंचने के कारण अपनी टीम के साथ नहीं जा पाया।

दूसरी तरफ, अभिनेता विजय की रैली में भीड़ बेकाबू हो गई। रैली में सिर्फ 5,000 लोगों की एंट्री की अनुमति दी गई थी। लेकिन, बड़ी संख्या में लोग रैली स्थल पर पहुंच गए। युवक-युवतियां और महिलाएं बैरिकेड फांदकर अंदर घुस गई। रैली में पहुंचे लोग विजय की झलक पाने के लिए पास के पेड़ों पर भी चढ़ गए।

भीड़ काबू करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। 27 सितंबर को करूर में टीवीके की रैली में भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत हो गई थी। भगदड़ के बाद विजय की यह पहली जनसभा थी। तमिलनाडु सरकार ने विजय को रैलियां निकालने की अनुमति देने से इंकार किया था।

विजय ने कहा कि केंद्र तमिलनाडु और पुडुचेरी को अलग-अलग मानती है, लेकिन हमारे लिए दोनों एक हैं। विजय ने कहा कि केंद्र ने पुडुचेरी के विकास में उसका साथ नहीं दिया है। पुडुचेरी विधानसभा ने सालों से राज्य का दर्जा देने की मांग वाले 16 प्रस्ताव पारित किए हैं। लेकिन केंद्र ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

ओवैसी ने बनाई दूरी अब हुमायूं कबीर के साथ गठबंधन नहीं करेगी एआईएमआईएम

हैदराबाद (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानी एआईएमआईएम ने तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के साथ किसी भी चुनावी गठजोड़ से सोमवार को इनकार किया। साथ ही उनके प्रस्तावों को राजनीतिक रूप से संदिग्ध और वैचारिक रूप से असंगत बताया। एआईएमआईएम की ओर से यह बात ऐसे समय में कही गई है जब हुमायूं कबीर ने कुछ दिन पहले पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में एक समारोह में मस्जिद की नींव रखी थी।

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद असीम वकार ने कहा कि कबीर को व्यापक रूप से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ राजनीतिक रूप से जुड़ा हुआ माना जाता है। वकार ने एक बयान में कहा, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कबीर को अधिकारी के राजनीतिक तंत्र का हिस्सा माना जाता है। और यह सर्वविदित है कि अधिकारी भाजपा के राष्ट्रीय स्तरीय नेतृत्व के मुख्य रणनीतिक ढांचे के भीतर काम करते हैं।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय उकसावे से प्रेरित राजनीति का समर्थन नहीं करता। एआईएमआईएम नेता ने कहा, मुस्लिम समुदाय राष्ट्र निर्माण में विश्वास रखता है, उसे तोड़ने में नहीं। वह देश को मजबूत करने वाली ताकतों के साथ खड़ा है और अशांति और विभाजन पैदा करने वालों को नकारता है।

पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का उल्लेख करते हुए वकार ने कहा, ओवैसी साहब की राजनीति संवैधानिक मूल्यों, शांति और सामाजिक सद्भाव पर आधारित है। वह ऐसे किसी भी व्यक्ति से नहीं जुड़ सकते जिसके कार्य एकता को खतरे में डालते हों, सामाजिक मतभेदों को गहरा करते हों या विनाश की राजनीति को बढ़ावा देते हों। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल के मुसलमान कबीर के हालिया कदमों के पीछे की राजनीतिक मजबूरियों से पूरी तरह वाकिफ हैं। वकार ने कहा, लोग साफ तौर पर समझते हैं कि वह किसके इशारे पर, किस हद तक और किस मकसद से काम कर रहे हैं। कबीर को पिछले सप्ताह पार्टी नेतृत्व के साथ बार-बार टकराव के बाद टीएमसी से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने 22 दिसंबर को एक नया राजनीतिक दल बनाने की योजना की घोषणा की है।

आदित्य ठाकरे का दावा- एकनाथ शिंदे के 22 विधायक बदलेंगे पाला?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में आए दिन उथल पुथल की खबरें सुनाई देती हैं। हालांकि इसमें सच कितना है ये तो सियासतदार ही जाने पर जिस तरह के बयान आते हैं वो ठहरे हुए पानी में कंकर का काम कर ही देते हैं। शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने दावा किया कि महायुति के एक सहयोगी दल के 22 विधायक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी हो गए हैं और पाला बदलने को तैयार हैं। उनका परोक्ष तौर पर इशारा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना की ओर था। हालांकि, सीएम ने इस दावे से इनकार कर दिया है। साथ ही कहा है कि शिंदे सेना सहयोगी दल है।

जून 2022 में, शिंदे के नेतृत्व में विधायकों के विद्रोह के बाद शिवसेना विभाजित हो गई थी, जिसके परिणामस्वरूप तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। बाद में, जनवरी 2024 में,

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा था कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट असली शिवसेना है, जो भाजपा और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ राज्य में सत्तारूढ़ महायुति का एक घटक है। आदित्य ठाकरे ने शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का नाम लिए बिना दावा किया, सत्ता पक्ष की एक पार्टी है और दो गुट हैं। एक गुट के 22 विधायक मुख्यमंत्री के करीबी हो गए हैं। उनके पास अच्छा धन है और वे मुख्यमंत्री के इशारों पर नाचने लगे हैं। उन्होंने विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि 22 विधायक पाला बदलने को तैयार हैं। वर्ली से विधायक ठाकरे ने कहा कि इन 22 विधायकों में से एक खुद को उप-कप्तान कहता है। उनका परोक्ष तौर पर इशारा उद्योग मंत्री उदय सामंत की ओर था। अतीत में, शिवसेना (यूबीटी) ने दावा किया था कि शिंदे और अजित पवार के साथ सामंत राज्य के तीसरे मुख्यमंत्री हो सकते हैं। राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों में विपक्ष के नेताओं की नियुक्ति को लेकर निष्क्रियता के मुद्दे पर, आदित्य ठाकरे ने सवाल किया कि सरकार विपक्ष के नेताओं से क्यों डरती है। फडणवीस ने कहा, अगर कोई ऐसा कहता है, तो कल कोई और दावा कर सकता है कि आदित्य ठाकरे के 20 विधायक भी भाजपा के साथ हैं। सिर्फ कह देने से कुछ नहीं होता। उन्होंने साफ किया है कि भाजपा को उनके विधायक लेने की कोई जरूरत नहीं है।

2026 में पांच राज्यों में होंगे विधानसभा चुनाव, कई क्षेत्रों में उपचुनाव की भी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव समाप्त होने के साथ ही देश एक नए चुनावी दौर में प्रवेश कर रहा है। आने वाले महीनों में देश के कई राज्यों में राजनीतिक गतिविधियां तेज होंगी, क्योंकि वर्ष 2026 में पांच प्रमुख राज्यों- असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इन राज्यों में चुनावी तैयारियां धीरे-धीरे गति पकड़ने लगी हैं और क्षेत्रीय दलों से लेकर राष्ट्रीय पार्टियों ने अपनी रणनीतियों को मजबूत करना शुरू कर दिया है।

असम में विधानसभा की 126 सीटें हैं, जहां चुनाव आमतौर पर जातीय संतुलन, विकास कार्यों और क्षेत्रीय राजनीतिक समीकरणों पर केंद्रित रहते हैं। केरल की 140 सीटों वाली विधानसभा में वाम मोर्चा और कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन हर चुनाव में कड़ा मुकाबला देते हैं, जिससे यह राज्य देश की राजनीति में अलग पहचान रखता है। वहीं, दक्षिण का सबसे बड़ा राज्य तमिलनाडु, जिसकी विधानसभा में 234 सीटें हैं, द्रविड़ राजनीति का गढ़ माना जाता है और यहां एआईएडीएमके तथा डीएमके के बीच मुख्य मुकाबला रहता है। पूर्वी भारत में पश्चिम बंगाल 294 सीटों वाली विधानसभा के साथ राजनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पिछले चुनावों में यहां तीखे राजनीतिक टकराव देखने को मिले थे, और 2026 में भी मुकाबला बेहद दिलचस्प रहने की उम्मीद है। पुडुचेरी, जहां विधानसभा की 30 सीटें हैं, आकार में भले छोटा हो, लेकिन दक्षिण भारतीय राजनीति में इसकी भूमिका अहम मानी जाती है।

यहां हो सकते हैं उपचुनाव

इसी बीच, देश के विभिन्न हिस्सों में कई विधानसभा सीटें विधायकों के निधन के कारण रिक्त हो गई हैं, जिन पर उपचुनाव कराए जाने हैं। गोवा की पोंडा सीट 15 अक्टूबर को भाजपा विधायक रवि नाइक के निधन के बाद खाली हुई। कर्नाटक की बागलकोट सीट कांग्रेस विधायक एच.वाई. मेती के 4 नवंबर को निधन के बाद उपचुनाव की प्रतीक्षा में है। महाराष्ट्र की राहुरी सीट भी भाजपा विधायक शिवाजी कर्दिले के 17 अक्टूबर को निधन के बाद रिक्त है। मणिपुर की ताडुबी सीट 18 जनवरी से खाली है, जहां पहले एनपीपी के एन. कायिसी विधायक थे। इसके अलावा नागालैंड की कोरिडांग सीट भी 11 नवंबर को भाजपा विधायक इमकोंग एल. इमचेन के निधन के बाद खाली हो चुकी है।

चुनाव आयोग इन उपचुनावों की तिथियों की घोषणा जल्द कर सकता है। इस प्रकार देश आने वाले नए साल के चंद महीनों में ही एक बार फिर व्यापक चुनावी सरगर्मी से गुजरने वाला है। ऐसे में इन चुनावों में जहां राजनीतिक दलों की सक्रियता देखने को मिलेगी वहीं जनता की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण होगी।

स्टारलिंक ने भारत में सेवा की कीमतों पर दी सफाई, सही दरें अभी घोषित नहीं

- वेबसाइट पर दिखाई गई मासिक 8,600 और उपकरण लागत 34,000 रुपए वास्तविक नहीं थीं

मुंबई । अमेरिकी सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक ने भारत में अपनी सेवा की कीमतों को लेकर स्पष्ट किया है कि वेबसाइट पर दिखाई गई मासिक 8,600 रुपए और उपकरण लागत 34,000 रुपए वास्तविक नहीं थीं। कंपनी ने बताया कि यह सिर्फ एक तकनीकी गड़बड़ी थी। स्टारलिंक इंडिया की वेबसाइट अभी लाइव नहीं है और ऑर्डर भी स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। बिजनेस ऑपरेशंस अे धिकारी ने कहा कि टीमें अंतिम सरकारी मंजूरी और सुरक्षा परीक्षणों के बाद ही सेवा चालू करेंगी। बांग्लादेश में स्टारलिंक की मासिक योजनाएं 40-50 (3,400-4,300 रुपए) और उपकरण 300-400 डॉलर (25,800-34,400 रुपए) हैं। वहीं श्रीलंका में मासिक 100-125 डॉलर (8,600-10,750 रुपए) और उपकरण 900-1,000 डॉलर (77,400-86,000 रुपए) हैं। डाउनलोड स्पीड 190-360 एमबीपीएस के बीच है। ईलॉन मस्क का कहना है कि स्टारलिंक घनी आबादी वाले शहरों के बजाय ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों के लिए अधिक लाभकारी होगी। शहरों में सेल टावर पर्याप्त हैं, लेकिन गांवों में ब्रॉडबैंड बिछाना महंगा और मुश्किल है। भारतीय दूरसंचार कंपनियों को डर है कि स्टारलिंक के आने से 5जी और फिक्स्ड

वायरलेस एक्सेस योजनाओं पर असर पड़ सकता है। स्टारलिंक जियो-एसईएस और भारती समर्थित यूटेलसेट वनवेब जैसी सेवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी। कंपनी को उपयोगकर्ताओं के टर्मिनल और उपग्रहों के बीच सिग्नल भेजने के लिए कई गेटवे अर्थ स्टेशन स्थापित करने होंगे। एयरटेल और जियो के साथ साझेदारी से इन कंपनियों के रिटेल नेटवर्क के माध्यम से स्टारलिंक सेवाएं उपलब्ध होंगी।

इस्पात-सीमेंट उद्योग में कार्बन उत्सर्जन घटाने की पहल

भारत और स्वीडन ने मिलाया हाथ

नई दिल्ली ।

भारत के इस्पात और सीमेंट क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए टाटा स्टील, जेके सीमेंट, अंबुजा सीमेंट्स और जिंदल स्टील जैसी अग्रणी कंपनियों ने स्वीडिश प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तकों के साथ मिलकर सात नई परियोजनाओं की शुरुआत की है। ये पहल भारत के 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने के प्रयासों का हिस्सा है। इन परियोजनाओं में रोटरी भट्टों में हाइड्रोजन का उपयोग करके इस्पात निर्माण, 'स्टील स्लैग' के पुनर्चक्रण से हरित सीमेंट का उत्पादन, और कृत्रिम मेधा (एआई) के माध्यम से सीमेंट के कार्बन उत्सर्जन में कमी जैसे उपाय शामिल हैं। इन सभी पहल का उद्देश्य कठिन-उद्योग क्षेत्रों को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाना है। सात प्री-पायलट परियोजनाओं को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और स्वीडिश ऊर्जा एजेंसी से वित्तीय समर्थन प्राप्त होगा। प्रमुख भागीदारों में प्रौद्योगिकी कंपनियां कंथल और स्वेरिम, तथा भारतीय शैक्षणिक संस्थान आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी-आईएसएम धनबाद, आईआईटी

भुवनेश्वर, आईआईटी हैदराबाद और दत्ता मेघे कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग शामिल हैं। ये परियोजनाएं न केवल भारत के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास को समर्थन देंगी, बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

चावल कंपनियों के शेयर लड़खड़ाए, 10 फीसदी तक फिसले

ट्रंप के बयान से निवेशक चिंतित, सबसे अधिक गिरावट एलटी फूड्स के शेयर में दर्ज की गई

मुंबई । भारतीय चावल कंपनियों के शेयर मंगलवार को बाजार खुलते ही तेज गिरावट के साथ खुले। केआरबीएल, एलटी फूड्स और जीआरएम ओवरसीज़ जैसी प्रमुख कंपनियों के शेयर 3 से 10 फीसदी तक फिसल गए। सबसे अधिक गिरावट एलटी फूड्स के शेयर में दर्ज की गई, जो 8 फीसदी गिरकर 362 रुपए के इंट्रा-डे लो पर आ गया। कोहिनूर फूड्स के शेयर 10 फीसदी तक घट गए, जबकि चमन लाल सेतिया एक्सपोर्ट्स लिमिटेड का शेयर 5 फीसदी नीचे गया। इसके अलावा कावेरी सीड कंपनी और जीआरएम ओवरसीज़ लिमिटेड के शेयर भी प्रभावित हुए। हालांकि दिन के दौरान कुछ शेयरों में रिकवरी भी देखी गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका भारत से आयातित चावल और कनाडा से आने वाले फर्टिलाइज़र पर नए टैरिफ लगा सकता है। उनका कहना था कि ये आयात अमेरिकी किसानों के लिए चुनौती बन रहे हैं और अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत, थाईलैंड और वियतनाम से सस्ते चावल आने से अमेरिकी किसानों की उपज की कीमतें दब रही हैं और इसे लेकर कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने अमेरिकी किसानों के लिए 12 अरब डॉलर का सहायता पैकेज भी घोषित किया। ट्रंप के बयान के बाद भारतीय चावल निर्यातकों के शेयरों में पैनिक सेलिंग हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अमेरिका चावल पर टैरिफ लागू करता है, तो इसका दीर्घकालीन असर निर्यातकों की आय और शेयर बाजार पर पड़ सकता है। निवेशकों के लिए सतर्क रहना और बाजार की चाल पर ध्यान देना जरूरी है।

भारत बनेगा चिप मैन्युफैक्चरिंग हब : इंटेल-टाटा की साझेदारी से सेमीकंडक्टर क्रांति तेज

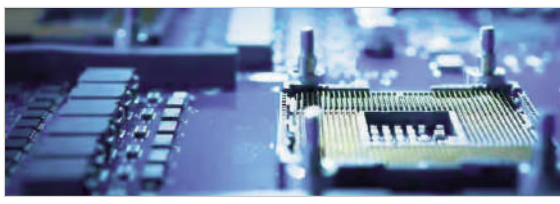

1.18 लाख करोड़ निवेश से गुजरात और असम में तैयार होंगी अत्याधुनिक चिप फैक्ट्रियां

नई दिल्ली । भारत अब केवल मोबाइल और कंप्यूटर उपयोग करने वाला देश नहीं, बल्कि सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में अमेरिकी चिप दिग्गज इंटेल और देश के प्रमुख औद्योगिक समूह टाटा समूह ने एक महत्वपूर्ण साझेदारी की है। इस समझौते के तहत भारत में चिप्स की मैन्युफैक्चरिंग, पैकेजिंग और असेम्बली की जाएगी, जिससे देश के उभरते सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को नई मजबूती मिलेगी। टाटा समूह के अनुसार, इंटेल के उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग गुजरात के धोलेरा में बन रही टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की सेमीकंडक्टर फैक्ट्री में होगी, जबकि उनकी पैकेजिंग और टेस्टिंग असम में स्थापित किए जा रहे टाटा के आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर एसेंबली एंड टेस्टिंग प्लांट (ओएसएटी) में की जाएगी। इन दोनों अत्याधुनिक सुविधाओं के निर्माण के लिए टाटा समूह लगभग 1.18 लाख करोड़ रुपए का निवेश कर रहा है। यह निवेश भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक माना जा रहा है।

साझेदारी का एक बड़ा फोकस एआई सक्षम कंप्यूटर सिस्टम तैयार करना भी होगा, जिसकी वैश्विक मांग तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2030 तक भारत दुनिया के टॉप-5 पीसी मार्केट्स में शामिल होगा। ऐसे में इस पहल से घरेलू बाजार में न केवल बड़े पैमाने पर उत्पादन को गति मिलेगी, बल्कि आयात पर निर्भरता भी कम होगी। इंटेल एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इसे भारत के बढ़ते कंप्यूटिंग बाजार के लिए रणनीतिक फैसला बताते हुए कहा कि एआई और पीसी की बढ़ती मांग भारत को एक महत्वपूर्ण टेक डेस्टिनेशन बना रही है।

ओला इलेक्ट्रिक ने तैनात की 250 सदस्यीय स्पेशल टीम

नई दिल्ली । दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने बढ़ते सर्विस बैकलॉग, रिपेयर में देरी और स्पेयर पार्ट्स उपलब्धता की समस्या को देखते हुए 250 सदस्यों की एक स्पेशल रैपिड-रिस्पॉन्स टीम पूरे देश में तैनात की है। कंपनी ने ग्राहकों की सर्विस से जुड़ी शिकायतों को दूर करने के लिए बड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस टीम का मिशन पेंडिंग रिपेयर को तेज करना, सर्विस नेटवर्क को मजबूत बनाना और ग्राहकों को भरोसेमंद आफ्टर-सेल्स सपोर्ट देना है।

ओला ने बताया कि हायपरसर्विस मॉडल के तहत सर्विस सिस्टम को पूरी तरह नए ढंग से तैयार किया जा रहा है। इस मॉडल का मकसद उन सामान्य समस्याओं को खत्म करना है, जिनका सामना ग्राहकों को अक्सर करना पड़ता है जैसे लंबी वेटिंग, रिपेयर में देरी और पार्ट्स की कमी। कंपनी का दावा है कि बेंगलुरु में इसे पहले ही सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है और अब इसे कई बड़े शहरों में विस्तार दिया जा रहा है। नई 250-सदस्यीय टीम में अनुभवी टेक्नीशियन, ऑपरेशनल और मैनेजमेंट विशेषज्ञ शामिल हैं, जो विशेष रूप से बैक-लॉग रिपेयर, बैटरी रिप्लेसमेंट और स्पेयर पार्ट्स सप्लाई को तेज करने पर काम कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कई मेट्रो शहरों में सर्विस देरी में स्पष्ट कमी देखने को मिली है। इसके अलावा, ओला ने इन-ऐप सर्विस बुकिंग फीचर भी लॉन्च किया है, जिसके जरिए ग्राहक सीधे ऐप से सर्विस स्लॉट बुक कर सकते हैं और जरूरी पार्ट्स ऑर्डर कर सकते हैं। इससे सर्विस सेंटर जाने की जरूरत कम होगी और समय की बचत होगी। 2023 में रिकॉर्ड बिक्री के बाद स्कूटरों की संख्या तेजी से बढ़ी, जिसके चलते सर्विस नेटवर्क पर भारी दबाव पड़ा।

बीज प्रमाणीकरण न कराया तो होगी वसूली: कृषि मंत्री

- बीज विकास निगम से विक्रय में देरी पर जताई नाराजगी

लखनऊ ।

कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने 27 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को चेतावनी दी है, जिन्होंने अभी तक बीज प्रमाणीकरण संस्था में पंजीकरण नहीं कराया। मंत्री ने कहा कि यदि एफपीओ तुरंत पंजीकरण नहीं कराएंगे तो सरकार द्वारा दिए गए अनुदान की वसूली की जाएगी। उन्होंने 32 एफपीओ के उत्पादित बीज के उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम द्वारा अब तक न खरीदने पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिए। कृषि निदेशालय में प्रदेश के 100 एफपीओ के कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें 24 एफपीओ ने अब तक 80,960 क्विंटल बीज का उत्पादन और निगम को विक्रय किया। मंत्री ने कहा कि एफपीओ केवल गेहूं और धान ही नहीं, बल्कि ढैंचा के बीज भी प्रमाणित कर निगम को बेचेंगे। बैठक में प्रमुख सचिव कृषि, निदेशक कृषि, निदेशक बीज विकास निगम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

भारत की संप्रभुता संसाधनों और ऊर्जा प्रणालियों पर निर्भर- अदाणी

- अदाणी ने खनन को नई अर्थव्यवस्था की नींव बताया

धनबाद । अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने मंगलवार को धनबाद में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस) के 100वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि भारत की संप्रभुता उसके प्राकृतिक संसाधनों और ऊर्जा प्रणालियों पर नियंत्रण पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि वैश्विक देश केवल अपने स्वार्थ में काम कर रहे हैं, ऐसे में भारत को अपना विकास मार्ग स्वयं निर्धारित करना होगा। अदाणी ने इतिहास का उदाहरण देते हुए बताया कि बख्तियार खिलजी और ब्रिटिश शासन ने भारत की स्वतंत्रता और शक्ति को कमजोर करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत सपने नहीं बेचता, बल्कि उन्हें हकीकत में बदलता है। उन्होंने कथात्मक उपनिवेशीकरण की ओर भी ध्यान दिलाया और कहा कि भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन विश्व में सबसे कम है। अदाणी ने आईआईटी (आईएसएम) के छात्रों के लिए इंटर्नशिप और अदाणी 3एस माइनिंग एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना की घोषणा की। अदाणी ने खनन को नई अर्थव्यवस्था की नींव बताया और जोर दिया कि भारत को संसाधनों, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी में संप्रभु क्षमताएं विकसित करनी चाहिए।

हिमाचल में कृषि सेवाओं के लिए दरें तय, छोटे किसानों को राहत

ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों से सेवाओं के लिए मनमाने दाम वसूलने पर लगेगी रोक

हमीरपुर । हिमाचल प्रदेश कृषि विभाग ने हमीरपुर जिले में छोटे किसानों की शिकायतों के बाद फसलों की बुवाई, कटाई और 'थ्रेसिंग' के लिए दरें तय की हैं। इससे पहले कई क्षेत्रों में ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों से सेवाओं के लिए मनमाने दाम वसूले जा रहे थे। कृषि विभाग के एक अे धिकारी ने बताया कि ट्रैक्टर से जुताई और बुवाई की दर 1,200 रुपये प्रति घंटा, रोटावेटर से जुताई की दर 1,320 रुपये प्रति घंटा और कटाई तथा थ्रेसिंग की दर भी 1,320 रुपये प्रति घंटा तय की गई है। इसके अलावा, पावर टिलर से बुवाई 500 रुपये प्रति घंटा, रीपर से कटाई 1,300 रुपये प्रति घंटा और ब्रश कटर से कटाई 400 रुपये प्रति घंटा होगी। अे धिकारी ने कहा कि निर्धारित दर से अधिक वसूलने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। थ्रेसिंग में भूसे और तिनकों से अनाज अलग किया जाता है। इस फैसले से छोटे किसानों को उचित मूल्य पर कृषि सेवाएं मिलेंगी और उन्हें मनमाने दाम वसूलने की परेशानी से राहत मिलेगी।

भारत में एआई प्रशिक्षण के लिए अनिवार्य कॉपीराइट लाइसेंस का प्रस्ताव

- कॉपीराइट धारकों के लिए वैधानिक रॉयल्टी और पारिश्रमिक का अधिकार सुनिश्चित किया जाएगा

नई दिल्ली । उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एआई और कॉपीराइट से जुड़े नए नियामक दृष्टिकोण के लिए एक आठ सदस्यीय समिति का गठन किया। समिति में कानूनी विशेषज्ञ, उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हैं। इसका मुख्य उद्देश्य एआई प्रशिक्षण में कॉपीराइट-संरक्षित सामग्री के उपयोग और मौजूदा कानून की समीक्षा करना था। समिति ने एआई डेवलपर्स को सभी वैध रूप से उपलब्ध कॉपीराइट सामग्री तक पहुंच देने के लिए अनिवार्य लाइसेंस की सिफारिश की है। इसके साथ ही कॉपीराइट धारकों के लिए वैधानिक रॉयल्टी और पारिश्रमिक का अधिकार सुनिश्चित किया जाएगा। इस हाइब्रिड मॉडल के तहत व्यक्तिगत बातचीत की आवश्यकता समाप्त होगी और लेनदेन लागत घटेगी। मॉडल का उद्देश्य एआई नवाचार को बढ़ावा देना, प्रशिक्षण के लिए डेटा तक आसान पहुंच प्रदान करना, और स्टार्टअप एवं एमएसएमई के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना है। कॉपीराइट धारकों को न्यायिक रूप से तय रॉयल्टी, आसान भुगतान प्रक्रिया और उचित मुआवजा मिलेगा। समिति ने यह भी स्वीकार किया कि एआई प्रशिक्षण में बड़ी मात्रा और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा की आवश्यकता है, और इसके लिए संतुलित नियामक ढांचा बनाना आवश्यक है। इससे न केवल मानव निर्मित कार्यों की सुरक्षा होगी, बल्कि एआई नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। डीपीआईआईटी ने 30 दिनों में हितधारकों से प्रतिक्रिया मांगी है।

पीएम मोदी के पुतिन को केसर भेंट करने से जम्मू-कश्मीर के किसानों की उम्मीदें बढ़ीं

अनंतनाग।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक दर्शाने वाले विशेष तोहफे भेंट किए। इन उपहारों में कश्मीर का मशहूर केसर और भगवद्गीता का रूसी संस्करण शामिल रहा। यह उपहार न केवल भारत की कला, आध्यात्मिकता और परंपरा को दर्शाते हैं बल्कि दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को और सुदृढ़ करते हैं।

कश्मीर के बुरहान दीन ने इस कदम पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन को कश्मीरी केसर उपहार में दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को जम्मू-कश्मीर के लोगों से विशेष लगाव है। वह चाहें तो कोई कीमती वस्तु भेंट कर सकते थे, लेकिन उन्होंने कश्मीर की पहचान केसर को चुना। यह हमारे लिए सम्मान की बात है। मैं किसानों से अपील करता हूं कि वे केसर की पैदावार बढ़ाएं, क्योंकि अब यह दुनिया के शीर्ष नेताओं तक पहुंच चुका है। सामाजिक कार्यकर्ता सईद अख्तर हुसैन ने कहा कि कश्मीर की हर वस्तु अनमोल है और उसी अनमोलता का प्रतीक यहां का केसर है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कश्मीरी केसर को विश्व पटल पर और प्रख्यात कर दिया है। यदि किसान इसकी खेती को बढ़ावा दें तो यह वैश्विक स्तर पर और बड़ी पहचान बना सकता है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और बेरोजगारी कम होगी। जम्मू-कश्मीर में केसर की सबसे अधिक पैदावार होती है और प्रधानमंत्री द्वारा इसका चयन करना हमारे लिए गर्व की बात है।

कश्मीर घूमने आए पर्यटकों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया। एक पर्यटक ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा पुतिन को कश्मीरी केसर भेंट करने से हमारी जिज्ञासा और बढ़ गई है। हम यहां का असली केसर खरीदकर अपने साथ ले जाना चाहते हैं। यहां के किसान मेहनती हैं और केसर की खेती को बढ़ावा देना चाहिए।

इंडिगो की 4,500 उड़ानें रद्द होने से विमानन राजस्व प्रभा वित

नुकसान की भरपाई के लिए विमानन कंपनी से मुआवजे पर किया जा रहा है विचार

नई दिल्ली।

पिछले सप्ताह इंडिगो ने लगभग 4,500 उड़ानें रद्द कीं, जिससे देश के प्रमुख निजी हवाई अड्डा संचालकों का विमानन राजस्व प्रभावित हुआ। वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस नुकसान की भरपाई के लिए विमानन कंपनी से मुआवजे पर विचार किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, हमारी आपसी समझ और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए संकट के स्थिर होने तक अंतिम निर्णय टाला गया है। हवाई अड्डों का बड़ा हिस्सा राजस्व विमानन गतिविधियों से आता है, जिसमें लैंडिंग और पार्किंग शुल्क शामिल हैं। ये शुल्क विमानन कंपनियों द्वारा भुगतान किए जाते हैं, लेकिन अक्सर टिकट की कीमतों में शामिल कर यात्रियों पर आंशिक या पूर्ण रूप से डाल दिया जाता है। हालांकि, गैर-विमानन राजस्व जैसे खुदरा बिक्री, ड्यूटी-फ्री, लाउंज सेवाएं और अन्य सुविधाएं बढ़ रही हैं, लेकिन उनका योगदान अभी भी कुल राजस्व में विमानन के मुकाबले कम है। हवाई अड्डे सीधे यात्रियों से यात्री सेवा शुल्क भी लेते हैं, जो सुरक्षा, सुविधा और अन्य सेवाओं में उपयोग होता है। कुछ हवाई अड्डों पर उपयोगकर्ता विकास शुल्क भी लिया जाता है,

जिसका उपयोग हवाई अड्डे के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए किया जाता है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु और हैदराबाद जैसे प्रमुख हवाई अड्डे इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि सभी उड़ानें सामान्य होने के बाद ही नुकसान के आकलन और मुआवजे के निर्णय पर अंतिम रूप दिया जाएगा।

आईएमएफ ने पाकिस्तान को दी 1.2 अरब डॉलर की नई ऋण सहायता

- पिछले साल पा किस्तान को 7 अरब डॉलर की मदद मिली थी

इस्लामाबाद । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को द्विपक्षीय व्यवस्था के तहत करीब 1.2 अरब डॉलर की नई ऋण सहायता मंजूर की है। इसमें विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) के तहत 1 अरब डॉलर और जलवायु-केंद्रित टिकाऊ स्थिरता सुविधा (आरएसएफ) के तहत 20 करोड़ डॉलर शामिल हैं। पाकिस्तान वर्तमान में आईएमएफ के 24वें कार्यक्रम में है, जिसके तहत पिछले साल उसे 7 अरब डॉलर की मदद मिली थी। आईएमएफ के एक अे धिकारी ने कहा कि पाकिस्तान को आर्थिक स्थिरता बनाए रखने और निजी क्षेत्र-नेतृत्व वाली मध्यम अवधि की वृद्धि हासिल करने के लिए विवेकपूर्ण नीतियों और सुधारों को तेज करना होगा। इस्लामाबाद के अधिकारियों ने इसे आर्थिक सुधारों और व्यापक प्रबंधन में विश्वास का प्रतीक बताया। आईएमएफ ने पिछले महीने वित्तीय प्रबंधन और सार्वजनिक संसाधनों के उपयोग में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया था।

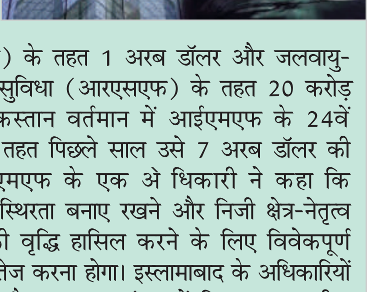

जेएसडब्ल्यू स्टील का नवंबर में कच्चा इस्पात उत्पादन 5 फीसदी बढ़ा

- उत्पादन वृद्धि से मजबूत हुई कंपनी की स्थिति

नई दिल्ली ।

उद्योगपति सज्जन जिंदल की अगुवाई में जेएसडब्ल्यू स्टील ने नवंबर में अपने एकीकृत कच्चा इस्पात उत्पादन में 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने बीएसई को बताया कि नवंबर में उत्पादन 24.39 लाख टन रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 23.23 लाख टन था। इस वृद्धि को कंपनी के निरंतर विस्तार और प्रतिस्पर्धी इस्पात उद्योग में मजबूती का संकेत बताया गया है। नवंबर में जेएसडब्ल्यू स्टील के भारतीय परिचालन का उत्पादन भी 5 प्रतिशत बढ़कर 23.61 लाख टन पहुंच गया। कंपनी ने कहा कि भारतीय परिचालन में क्षमता उपयोग 84 प्रतिशत रहा। यह कम उपयोग विजयनगर संयंत्र में 'ब्लास्ट फर्नेस' को बंद करने के कारण हुआ। जेएसडब्ल्यू स्टील, 23 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य वाले जेएसडब्ल्यू समूह का प्रमुख कारोबार है। समूह की उपस्थिति ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, सीमेंट, पेंट, रियल एस्टेट, ई-प्लेटफॉर्म, परिवहन, रक्षा, खेल और उद्यम पूंजी जैसे क्षेत्रों में है। इस उत्पादन वृद्धि से जेएसडब्ल्यू स्टील की देश के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थिति और प्रगाढ़ हुई है।

आईपीएल 2026 की नीलामी सूची घोषित; 350 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने 2026 सीज़न के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सूची को अंतिम रूप दे दिया है। आईपीएल द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस सूची में 350 खिलाड़ी शामिल हैं, जिन पर 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली आगामी नीलामी में बोली लगाई जाएगी। नीलामी के लिए पंजीकृत 1,390 खिलाड़ियों में से 350 को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिनमें 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में 224 अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी और 14 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो इस साल की नीलामी में नई प्रतिभा और गहराई ला रहे हैं।

फ्रैंचाइज़ी कुल 77 उपलब्ध स्लॉट के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें से 31 विशेष रूप से विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित हैं। 350 खिलाड़ियों में से 40 खिलाड़ियों ने खुद को अधिकतम आधार मूल्य 2 करोड़ रुपये में सूचीबद्ध किया है, जिनमें वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई केवल दो भारतीय हैं। नीलामी मंगलवार को दोपहर 2:30 बजे (यूएई समयानुसार दोपहर 1:00 बजे) शुरू होगी। 40 खिलाड़ियों ने अपनी आरक्षित कीमत 2 करोड़ रुपये रखी है, जबकि 9 खिलाड़ी 1.5 करोड़ रुपये की श्रेणी में हैं। चार खिलाड़ियों ने 1.25 करोड़ रुपये और 17 खिलाड़ियों ने 1 करोड़ रुपये की आरक्षित कीमत चुनी है। 75 लाख रुपये की श्रेणी में 42 खिलाड़ी हैं और चार खिलाड़ियों ने 50 लाख रुपये की श्रेणी चुनी है।

इसके अलावा, सात खिलाड़ियों का आरक्षित मूल्य 40 लाख रुपये है, और 227 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा समूह 30 लाख रुपये के वर्ग में है। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन, जिनके सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक होने की उम्मीद है, क्योंकि कई टीमें एक आक्रामक ऑलराउंडर की तलाश में होंगी, ने बल्लेबाज के रूप में पंजीकरण कराया है और पहले सेट में शामिल होंगे। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक, जॉर्ज लिंडे और श्रीलंका के दुनिथ वेल्लालेज, जो पहले सूची में नहीं थे, को अंतिम रोस्टर में शामिल किया गया है।

दुर्गेश्वरी राठौर का अन्तर्विश्वविद्यालयीन हॉकी प्रतियोगिता के लिए चयन

धार (एजेंसी)। खेल और युवा कल्याण विभाग धार द्वारा संचालित हॉकी फीडर सेंटर धार की प्रशिक्षणार्थी दुर्गेश्वरी राठौर का चयन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर के अन्तर्विश्वविद्यालयीन हॉकी दल में चयन हुआ है। दुर्गेश्वरी राठौर ने होल्कर विज्ञान महाविद्यालय इन्दौर में आयोजित संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेकर श्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन कर इस उपलब्धि को प्राप्त किया।

उक्त प्रतियोगिता का आयोजन राज्य स्तरीय अन्तर्विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता दिनांक 09 दिसम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक बालाघाट में सम्पन्न होगी। इसके पश्चात् यह दल पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित जोनल स्तरीय अन्तर्विश्वविद्यालयीन में भाग लेगी।

दुर्गेश्वरी राठौर की इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी, राजेश शाक्य, जिला हॉकी संघ अध्यक्ष, छोटु शास्त्री, रक्षित निरीक्षक, पुरुषोत्तम बिश्नोई, खेल अधिकारी उमंग अग्रवाल ने बधाई दी।

दुर्गेश्वरी राठौर हॉकी फीडर सेंटर धार के प्रशिक्षक मनीष सोलंकी से नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। उक्त जानकारी हॉकी प्रशिक्षक मनीष सोलंकी ने दी।

विराट स्पोर्ट्सवियर ब्रांड वन8 बेचकर एजिलिटास में हिस्सेदारी खरीदेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि वह अपना स्पोर्ट्सवियर ब्रांड वन8 एजिलिटास स्पोर्ट्स बेच रहे हैं। विराट इससे मिलने वाली 40 करोड़ रुपये की रकम जिलिटास स्पोर्ट्स में ही निवेश करेंगे। अभिषेक गांगुली की एजिलिटास स्पोर्ट्स एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग-टू-रिटेल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म है। विराट इसमें एक निवेशक के तौर पर शामिल हो रहे हैं। एजिलिटास उत्पादन, आर एंड डी, ब्रांड-निर्माण और खुदरा वितरण के क्षेत्र में काम करती है। 2023 में इस कंपनी ने स्पोर्ट्स फुटवियर बनाने वाली कंपनी मोचिको शूज को खरीदा था। इससे कंपनी की घरेलू और निर्यात क्षमता बढ़ी थी।

वहीं वन8 एक स्पोर्ट्सवियर ब्रांड है। विराट इसके सह-संस्थापक रहे हैं। यह ब्रांड स्पोर्ट्सवियर, कपड़े, फुटवियर और एक्सेसरीज से जुड़ा हुआ है। एजिलिटास की ओर से कहा गया है कि कोहली और गांगुली के बीच पिछली कुछ समय में साझेदारी बढ़ी है। इसी के तहत ही वन8 को लेकर करार हुआ है। कंपनी ने आगे कहा कि कोहली के पास अब तक केवल वन8 में निवेश करने का विकल्प था पर एजिलिटास की उत्पादन, डिजाइन, आर एंड डी, और वितरण क्षमता को देखते हुए, उन्होंने इसका शेयरधारक बनना तय किया है।

विराट का वन8 को एजिलिटास को बेचने का फैसला भविष्य की योजनाओं के तहत ही है। वहीं विराट ने कहा, अभिषेक के साथ मेरा रिश्ता बहुत वास्तविक है। एक दिन, जब मैं यू ही अपनी कुछ बनाने की इच्छा के बारे में बात कर रहा था, तो उसने कहा, चलो करते हैं और इस तरह वन8 शुरू हुआ। खेल ने मेरी जिंदगी बनाई है। मूवमेंट, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस ही मेरे लिए सब कुछ हैं। यही सोच ब्रांड में बदल गयी। मैं हमेशा स्टाइल के लिए स्पोर्ट्स-फर्स्ट के क्षेत्र में जाना चाहता था। वहीं अभिषेक गांगुली ने कहा कि हमारा लक्ष्य भारत से स्पोर्ट्स में एक हाई-परफॉर्मेंस ब्रांड बनाना है।

श्रेयस की वापसी का फैसला इसी माह जांच रिपोर्ट के बाद होगा

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया दौरे में पसलियों में चोट लगने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी का फैसला इसी माह आने वाली उनकी अल्ट्रासाउंड स्कैन रिपोर्ट के आधार पर होगा। उनकी वापसी अब अगले साल ही होगी। जांच रिपोर्ट के बाद पता चलेगा कि वे कब से आधिकारिक पुनर्वास प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे। इसी स्कैन के आधार पर उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी तय हो सकती है। गौरतलब है कि सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान अय्यर की बाईं पसली पर चोट लगी थी, जिसके कारण वह आईसीयू में भी भर्ती थे। इसके बाद से ही उन्हें तुरंत चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। अल्ट्रासाउंड स्कैन से पता चलेगा कि उनकी चोट कितनी ठीक हुई है। इसके बाद विशेषज्ञों की टीम उनका पूरा रिहैब प्लान तैयार करेगी। हल्के कंडीशनिंग से लेकर क्रिकेट-विशेष ट्रेनिंग तक का फैसला होगा। अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी वापसी में किसी भी तरह की जल्दबाज़ी से बचना चाहती है और 100 फीसदी फिट होने पर ही उन्हें खेलने दिया जाएगा। अय्यर पिछले कुछ वर्षों से एकदिवसीय टीम के मध्यक्रम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 और एकदिवसीय विश्वकप में उनकी अहम भूमिका रही है। उनकी गैरमौजूदगी के कारण अब भारतीय टीम को नए विकल्पों को आजमाना पड़ा है पर कोई भी सफल नहीं रहा है। वहीं मुंबई के कोच ओंकार साल्वी ने बताया कि अय्यर ने शुरुआती रिहैब शुरू कर दिया है और वे लगातार प्रगति कर रहे हैं। हालांकि, न्यूज़ीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में उनका खेलना लगभग संभव नहीं है।

हेजलवुड एशेज क्रिकेट सीरीज से बाहर हुए, अब अगले साल वापसी करेंगे : मैकडोनाल्ड

ब्रिसबेन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण एशेज क्रिकेट सीरीज से बाहर हो गए हैं। हेजलवुड जैसे शीर्ष स्तर के गेंदबाज का टीम से बाहर होना मेजबान टीम के लिए करारा झटका कहा जा रहा है। अब हेजलवुड नये साल में ही खेल में वापसी करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि हेजलवुड अब अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्व कप से वापसी करेंगे। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'वह सीरीज से बाहर रहेंगे और अब उनका लक्ष्य विश्वकप में खेलना होगा। एशेज से उनका बाहर होना काफी निराशाजनक है। हमें उम्मीद थी कि वह सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे पर बदकिस्मती से वह चोटिल हो गये।' गौरतलब है कि हेजलवुड पिछले एक दशक से ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालते रहे हैं। वहीं राहत की बात ये है कि कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस फिट हो गये हैं और वह 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे। कमिंस ने अभ्यास भी किया है और इस दौरान उन्हें कोई परेशानी नहीं आई। अब तीसरे टेस्ट में कमिंस एक बार फिर कप्तानी संभालेंगे। कमिंस के नहीं रहने पर पहले दोनों ही मैचों में स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलियाई एकादश की कप्तानी संभाली थी।

वेंकटेश अय्यर को लेकर ये क्या बोल गए केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर?

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिलीज़ किए जाने के बाद, वेंकटेश अय्यर 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की मिनी-नीलामी में वापस आ गए हैं। डीडी स्पोर्ट्स पर द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो में बोलते हुए, केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने बताया कि कैसे ट्रायल के दौरान वेंकटेश अय्यर के आँकड़ों की बजाय उनके रवैये ने उनका ध्यान खींचा।

द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो की एक विज्ञप्ति के अनुसार, नायर ने कहा कि मैंने उन्हें उनके रवैये के कारण चुना था।

पहले दिन, वेंकटेश अय्यर ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उन्होंने कभी हमारी तरफ देखा या किसी को खुश करने की कोशिश नहीं की। मुझे लगा कि उनमें बहुत ज़्यादा रवैया है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे दिन, हमने उसे खेलने का मौका दिया। आखिरी ओवर में, जब हमारे गेंदबाज़ को ऐंठन हुई, तो वेंकी बाउंड्री से चिल्लाया, % मैं आखिरी ओवर डालूँगा। उसने गेंदबाजी की और 18 रन दिए, लेकिन मुझे उसकी विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की तत्परता बहुत पसंद आई। उन्होंने कहा कि उसके लिए यह परीक्षा कम मायने रखती थी, खुद को यह साबित करने से ज़्यादा कि वह सही काम कर रहा है। यह विश्वास मेरे साथ रहा।

2021 में, वेंकटेश ने तूफानी शुरुआत की और अपने पहले सीज़न में दस मैचों में 370 रन बनाए, जिससे केकेआर फाइनल में पहुँच गया, लेकिन वे चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से हार गए। 2024 में अपने खिताब जीतने वाले वर्ष में, इस बाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने फिर से 370 रन बनाए। 2025 में हालात मुश्किल लग रहे थे, क्योंकि उन्होंने 11 मैचों में एक अर्धशतक के साथ 20.28 की औसत से 142 रन बनाए।

पांड्या जैसे ऑलराउंडर का टीम में होना जरुरी : संजय बांगड़

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने कहा है भारतीय टीम के पास अभी हार्दिक पांड्या से बेहतर ऑलराउंडर कोई नहीं है। पांड्या की हालांकि फिटनेस एक समस्या है और इसी कारण वह कई अवसरों पर टीम से बाहर रहे हैं। बांगड़ ने कहा, 'उस तरह का ऑलराउंडर बनने के लिए आपको अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में से किसी भी एक के बल पर टीम में जगह बनाने में सक्षम होना चाहिए।' बांगड़ ने कहा, 'टीम प्रबंधन को उनके जैसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन करना चाहिए। हार्दिक जैसा खिलाड़ी अगर पूरी तरह से फिट हो तो वह संतुलन पैदा करता है और उसकी मौजूदगी से टीम मनचाहा संयोजन तैयार कर सकती है। इसलिए उनका टीम में होना बेहद जरुरी है।' बांगड़ ने कहा, 'विश्व क्रिकेट के सभी ऑलराउंडरों को देखें तो अभी इंग्लैंड के पास बेन स्टोक्स जैसा कोई अन्य खिलाड़ी तैयार है। वहीं हार्दिक पांड्या के साथ भी यही स्थिति है।' पांड्या अकेले अपनी बल्लेबाजी के बल पर शीर्ष पांच में जगह बना सकते हैं। वहीं गेंदबाजी में भी वह किसी भी टीम के शीर्ष तीन तेज गेंदबाजों में से एक हो सकते हैं।' वहीं हार्दिक के कार्यभार प्रबंधन पर बात करते हुए बांगड़ ने कहा कि उन्हें तीन मैच ही खेलने चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें देखना होगा कि वह हालातों से कैसे तालमेल बिठाते हैं। विश्व कप से पहले उन्हें कितने मैच खेलने चाहिये। ये अभी तय नहीं किया जा सकता है।' वहीं शुभमन गिल को लेकर बांगड़ ने कहा कि टेस्ट कप्तान के रूप में गिल की प्रगति से उन्हें अन्य प्रारूपों में भी फायदा होगा। उन्होंने कहा, 'पिछले एक साल में टेस्ट क्रिकेट में इतना अच्छा प्रदर्शन करने के बाद शुभमन का आत्मविश्वास बढ़ा है, उससे भी उन्हें लाभ हुआ है। वह मानसिक रूप से अधिक मजबूत खिलाड़ी बन गए हैं। टेस्ट कप्तान के रूप में अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने से वह एक बेहतर खिलाड़ी बन गए हैं।'

तीसरे टेस्ट में जीत के साथ सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

-कमिंस की वापसी से गेंदबाजी मजबूत होगी : मैकडोनाल्ड

एडिलेड (एजेंसी)। एशेज में पहले दो टेस्ट मैचों में जीत से उत्साहित ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम अब 17 दिसंबर से शुरु होने वाले तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को हराकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। पहले दोनो ही मैच में इंग्लैंड टीम किसी भी क्षेत्र में उसके सामने टिक नहीं पायी। ऐसे में तीसरे टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत की प्रबल दावेदार है। इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस की वापसी से भी टीम को लाभ होगा। कमिंस एक बेहतरीन तेज गेंदबाज और उनके आने से इंग्लैंड की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। कमिंस फिट नहीं होने के कारण पहले दोनो ही मैचों से बाहर थे। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, कप्तान कमिंस वापसी के लिए तैयार हैं पर एक अन्य तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड फिट नहीं होने से सीरीज से बाहर हो गये हैं। मैकडोनाल्ड ने कहा, कमिंस की एडिलेड में तैयारी को लेकर कोई चिंता नहीं है। उन्होंने पिछले चार माह से क्रिकेट नहीं खेली है पर इसके बाद भी वह लय में हैं। उन्होंने फिट होने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने अभ्यास सत्र में अपनी फॉर्म और फिटनेस दिखाई है। इसलिए, हमें लगता है कि वह तैयार हैं। वहीं उन्होंने कहा कि पिछले टेस्ट से बाहर उस्मान ख्वाजा को एडिलेड टेस्ट में जगह मिल सकती है पर वह सलामी नहीं मध्यक्रम के बल्लेबाजी के तौर पर उतरेंगे। साथ ही कहा कि पिछले मैचों में ट्रैविस हेड और जेक वेदराल्ड का प्रदर्शन सलामी बल्लेबाज के तौर पर अच्छा रहा है, इसलिए वे दोनो ही पारी शुरु करेंगे। उन्होंने कहा कि नाथन लियोन को अंतिम ग्यारह में अवसर मिलना तय है। उन्हें दूसरे मैच में शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी अब ठीक है और तीसरे मैच में खेलेंगे।

दूसरे टेस्ट में मैट हैनरी सहित तीन अनुभवी खिलाड़ियों के बिना ही उतरेगी न्यूजीलैंड

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड को बुधवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले करारा झटका लगा है। न्यूजीलैंड टीम को इस मैच में मैच तीन अनुभवी खिलाड़ियों मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिचेल सेंटनर के बिना ही उतरना पड़ेगा। ये तीनों ही पहले टेस्ट में घायल हो गये थे और अभी तक नहीं उबरे हैं। ये तीनों ही स्टार खिलाड़ी तीसरे और अंतिम मैच में भी नहीं खेलेंगे। जिसकी वजह से वह कैरेबियन जायंट्स के खिलाफ दूसरे और तीसरे हेनरी और स्मिथ के चोटिल होने के बाद अनकैप्ड तेज गेंदबाज माइकल रे को न्यूजीलैंड ने शामिल किया है। वहीं क्रिस्टियन क्लार्क को अपनी टीम में जगह मिली है। रे ने घरेलू क्रिकेट में लिए काउंटी क्रिकेट खेला है, जिसमें उन्होंने 30.28 की औसत से 14 विकेट लिए हैं। कुल मिलाकर दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 69 फर्स्ट-क्लास मैचों में 205 विकेट लिए हैं। 30 साल के इस खिलाड़ी के नाम फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में आठ बार चार विकेट और तीन बार पांच विकेट हॉल हैं। वहीं फर्स्ट-क्लास में 24 साल के क्लार्क ने 27 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 33 की औसत से 77 विकेट लिए हैं।

इस सीरीज का पहला मैच ड्रॉ रहा था।

हीरो हॉकी महिला लीग इस माह के अंत में, पुरुष लीग अगले साल की शुरुआत में

रांची। हीरो हॉकी इंडिया के महिला लीग मुकाबले इसी माह 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक रांची में खेले जाएंगे जबकि पुरुष लीग 3 से 26 जनवरी तक चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में आयोजित की जाएगी। हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, पिछले सत्र की सफलता के बाद हमें इस बार और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। हमने पुरुष लीग को तीन शहरों में रखा है जिससे अधिक से अधिक प्रशंसक इस विश्वस्तरीय हॉकी का आनंद ले पायें।' वहीं हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हीरो हॉकी इंडिया लीग में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। ऐसे में आगामी सत्र अब तक का सबसे बेहतर सत्र होगा। इस कार्यक्रम के दौरान रांची रॉयल्स का आधिकारिक लोगो भी जारी किया गया। ये लोगो टीम की जीवंत भावना और झारखंड की समृद्ध हॉकी विरासत के साथ मजबूत संबंध को दिखाता है। महिला लीग में कुल 13 मैच खेले जाएंगे। इसमें शामिल चार टीमों रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, और श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के बीच डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में मुकाबले होंगे। वहीं अंक तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच 10 जनवरी को फाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और ग्रेट ब्रिटेन जैसे 10 से अधिक देशों की महिला खिलाड़ी भाग लेंगी। वहीं पुरुष लीग 3 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक चलेगी। पहला चरण चेन्नई में, दूसरा रांची में और तीसरा भुवनेश्वर में होगा। पुरुष लीग में आठ टीमें तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान, जीएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स (वर्तमान चैंपियन), वेदांता कलिंग लांसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल हिस्सा लेंगी। पुरुष लीग में 33 मैच खेले जाएंगे, जिनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी, इंग्लैंड, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे शीर्ष हॉकी राष्ट्रों के खिलाड़ी शामिल होंगे। सभी टीमें सिंगल राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से खेलेंगी। शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर 23 जनवरी (भुवनेश्वर) को खेला जाएगा। वहीं दूसरा क्वालिफायर 25 जनवरी को खेला जाएगा।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान, 17 और 19 साल की युवा प्लेयर्स को मौका

नई दिल्ली। गुनालन कमालिनी और वैष्णवी शर्मा को श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर होने वाली पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए मंगलवार को भारतीय महिला टीम में पहली बार शामिल किया गया। यह श्रृंखला 21 से 30 दिसंबर तक खेली जाएगी जिसके शुरुआती दो मैच विशाखापत्तनम में और बाकी तीन मैच तिरुवनंतपुरम में होंगे। 17 साल की विकेटकीपर बल्लेबाज कमालिनी ने महिला प्रीमियर लीग (WPL) में मुंबई इंडियन्स के लिए नौ मैच खेले हैं लेकिन 19 साल की वैष्णवी को WPL नीलामी में शामिल नहीं किया गया था। कमालिनी और वैष्णवी को राधा यादव और उमा छेत्री के स्थान पर टीम में जगह दी गई है जो पिछले महीने एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। कमालिनी और वैष्णवी ने अंडर 19 विश्व कप विजेता टीम में भी सभी जाने-पहचाने नाम शामिल हैं। हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तानी कर रही हैं जबकि स्मृति मंधाना उप कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल से पहले चोटिल प्रतिका रावल की जगह टीम में जगह बनाने वाली आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। भारत और श्रीलंका नौ जनवरी को नवी मुंबई में डब्ल्यूपीएल 2026 शुरू होने से ठीक पहले पांच मैच की श्रृंखला खेलेंगे। इस द्विपक्षीय श्रृंखला का कार्यक्रम भारत और बांग्लादेश के बीच दिसंबर में भारत में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के पिछले महीने स्थगित होने के बाद घोषित किया गया था। भारत और श्रीलंका ने पिछली बार अक्टूबर 2024 में विश्व कप के दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।

भारतीय टीम - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, हरलीन देओल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष, जी कमालिनी, श्री चरणी और वैष्णवी शर्मा।

पहले दो नाम ये होने चाहिए, भारत की 2027 विश्व कप टीम पर बोले हरभजन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ ODI सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 खेलने वाले सीनियर खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि इन दोनों के लिस्ट में 'पहले दो नाम' होने चाहिए। रोहित और विराट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक ब्लॉकबस्टर ODI सीरीज खेली। रोहित ने पहले और आखिरी ODI में दो शानदार हाफ-सेंचुरी लगाई जबकि विराट ने रांची और रायपुर में लगातार दो शतक बनाए और इसके बाद विशाखापत्तनम में अर्धशतक लगाया।

अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए हरभजन ने कहा कि अगर कोई 'युवाओं के पीछे अनुभव खो देता है', तो यह बड़े मैचों में महंगा पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'क्या रोहित शर्मा और विराट कोहली से बड़े और बेहतर खिलाड़ी हैं? इसलिए आपको उन्हें साइडलाइन नहीं करना चाहिए, बल्कि यह सोचना चाहिए कि उनके आस-पास टीम कैसे बनाई जाए। अगर आप युवाओं को आगे बढ़ाने के चक्कर में अनुभव खो देते हैं, तो बड़े मैचों में समय-समय पर यह एक समस्या हो सकती है। इसलिए उन्हें खेलना चाहिए और यह एक बड़ा वर्ल्ड कप होगा क्योंकि उसके बाद हो सकता है कि वे दूसरा वर्ल्ड कप न खेलें।'

हरभजन ने कहा, 'जिस तरह से रोहित शर्मा और विराट कोहली बैटिंग कर रहे हैं, और उनके साथ बैटिंग ऑर्डर जैसा दिख रहा है, वह इतना सॉलिड लग रहा है कि उन्हें खेलना चाहिए। वे अपनी फिटनेस बनाए रखेंगे। लेकिन यह सवाल कि वे वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, युवा खिलाड़ियों की ओर देखना ठीक है, लेकिन उन खिलाड़ियों को नज़रअंदाज़ न करें जो पहले से ही बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं।' पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा, 'पिछले वर्ल्ड कप में भी वे फाइनल में चूक गए थे, क्योंकि पिच बहुत धीमी थी। अगर पिच तेज होती, तो इंडिया जीत जाता। बहुत प्रेशर था, इसलिए ऑस्ट्रेलिया ने भारत से बेहतर खेला और जीता। लेकिन रोहित शर्मा की लीडरशिप में भारत जिस तरह खेला, वह अविश्वसनीय था। इसलिए पहले दो नाम रोहित शर्मा और विराट कोहली होने चाहिए और बाकी टीम उसके बाद बननी चाहिए।'

विराट ने सीरीज में 151.00 के एवरेज और 117 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 302 रन बनाकर टॉप रन-गेटर रहे जिसमें दो शतक और एक फिफ्टी शामिल थी। रोहित ने भी तीन इनिंग्स में 48.66 के औसत से 148 रन बनाए, जिसमें 110 से ज़्यादा का स्ट्राइक रेट और दो फिफ्टी शामिल थी। 'रो-को' इस साल ODI में भारत के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले दो खिलाड़ी रहे। विराट ने 13 मैचों और इनिंग्स में 65.10 के औसत से 651 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और चार फिफ्टी शामिल हैं, उनका बेस्ट स्कोर 135 और स्ट्राइक रेट 96 से ज़्यादा रहा। दूसरी ओर रोहित ने 14 इनिंग्स में 50.00 के औसत और 100 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 650 रन बनाए, जिसमें दो शतक और चार फिफ्टी तथा 121* का बेस्ट स्कोर रहा।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया : भीषण आग से दो राज्यों में 40 घरों तबाह, एक दमकल कर्मी की मौत

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दो राज्यों में लगी भीषण आग ने 40 घरों को तबाह कर दिया और एक दमकल कर्मी की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। ग्रामीण दमकल सेवा आयुक्त ट्रंट कर्टिन ने बताया कि न्यू साउथ वेल्स के बुलाहडेह शहर के पास लगी आग को काबू में करते समय रविवार को 59 वर्षीय दमकल कर्मी की मौत हो गई। इस आग में 3,500 हेक्टेयर जंगल और चार घर नष्ट हो गए।

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति सुबिआंतो आज से पाकिस्तान के दौरे पर

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो सोमवार से पाकिस्तान की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा शुरू करेंगे। पाकिस्तान के विदेश मामलों के कार्यालय ने बताया कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हो रही है। सुबिआंतो पीएम शहबाज शरीफ के निमंत्रण पर उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आ रहे हैं। वह शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी व सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मिलेंगे।

पाकिस्तान : पानी और सफाई पर सिंध विधानसभा में हंगामा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सिंध विधानसभा में परिवहन, पानी और सफाई पर तीखी बहस हुई, जहां विपक्ष ने कराची और हैदराबाद में बिगड़ते यातायात की आलोचना की, जबकि सरकार ने प्रमुख मार्गों पर सार्वजनिक परिवहन विस्तार का वादा दोहराया। इस दौरान जनरल आसिम मुनीर को देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज बनने की बधाई देने पर राजनीतिक दल बंटे नजर आए। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थित सदस्यों ने शर्म करो के नारे लगाए। हंगामे को देख स्पीकर सैयद अवैस कादिर शाह कादिर शाह ने सदन की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित कर दी।

बांग्लादेश में छात्रों की पार्टी एनसीपी ने किया गठबंधन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगले साल फरवरी में होने वाले आम चुनाव से पहले छात्रों के नेतृत्व वाली पार्टी एनसीपी ने रविवार को जमात-ए-इस्लामी से अलग हुए दल अमर बांग्लादेश पार्टी और राष्ट्र संस्कार आंदोलन के साथ मिलकर एक नया गठबंधन बनाया है। इस गठबंधन का नाम गणतांत्रिक संस्कार जोते रखा गया है।

ब्रिटेन : 171 डिलीवरी राइडर गिरफ्तार, कई भारतीय भी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश सरकार ने बताया है कि ब्रिटेन भर में चलाए गए एक अभियान में 171 डिलीवरी राइडरों को अवैध रूप से काम करते हुए पकड़ा गया है, जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। इन सभी को देश से निर्वासित करने के लिए हिरासत में लिया गया है। गृह ऑफिस की इमिग्रेशन एनफोर्समेंट टीमों ने पिछले महीने ऑपरेशन इक्वलाइज चलाया था। इसके तहत न्यूहैम (पूर्वी लंदन) और नॉर्विच समेत कई शहरों में छापे मारे गए।

नेपाल में एयरपोर्ट के निर्माण में भ्रष्टाचार पर चीनी कंपनी पर केस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की भ्रष्टाचार विरोधी संस्था, कमीशन फॉर इन्वेस्टिगेशन ऑफ एब्यूज ऑफ अथॉरिटी (सीआईएए) ने पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण को लेकर चीनी कंपनी सहित 55 आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया है। एक विशेष अदालत में मुकदमा दर्ज करते हुए सीआईएए ने चाइना सीएएमसी इंजीनियरिंग और 54 अन्य को आरोपी बनाया है। सीएमसी इंजीनियरिंग, चीनी कंपनी सिनोमैक के निर्माण प्रभाग की कंपनी है। आरोप है कि ठेकेदार और कंपनी ने गलत इरादे से काम किया।

छिड़ गई एक और जंग, थाईलैंड ने कंबोडिया पर कर दिया हवाई हमला; धरा रह गया ट्रंप का समझौता

बैंकॉक, एजेंसी। दुनियाभर में कई जगहों पर चल रहे युद्ध के संकट के बीच एशिया में एक जंग और छिड़ गई है। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद दोनों देशों में जबरदस्त गोलीबारी चल रही है। थाईलैंड ने अमेरिकी की मध्यस्थता में चल रहे सीजफायर एग्रीमेंट की वार्ता भी रोक दी है। थाई सेना के मुताबिक कंबोडिया की तरफ से हुई गोलीबारी में उनका एक सैनिक मारा गाय था। इसके बाद इधर से भी जवाबी कार्रवाई की गई।

मेजर जनरल विंथाई सुवारी ने कहा कि चोंग अन मा पास के करीब कंबोडियाई सेना गोलीबारी करती है। वहीं कंबोडिया का कहना है कि थाईलैंड के सैनिकों ने पहले उकसावे की कार्रवाई की थी। थाईलैंड ने कहा है कि सीमा से सटे गांवों से करीब 70 फीसदी लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया गया है। अक्टूबर में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कराए गए एक संघर्षविराम समझौते के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। इससे पहले दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच क्षेत्रीय विवादों ने जुलाई में पांच दिनों तक चले संघर्ष को जन्म दिया था, जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता माली सोचेता ने कहा कि थाई सेना ने ही सबसे पहले कंबोडियाई सैनिकों पर हमला किया था। उन्होंने कहा कि कंबोडिया ने सोमवार को शुरुआती हमलों के दौरान जवाबी कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा,

''कंबोडिया अनुरोध करता है कि थाईलैंड तुरंत सभी शत्रुतापूर्ण गतिविधियों को रोक दे, जो क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए खतरा हैं। अमेरिका द्वारा कराए गए संघर्षविराम पर पिछले महीने थाई सैनिकों के बारुदी सुरंग की चपेट में आने के बाद खतरा पैदा हो गया था। इसमें थाई सैनिक घायल हो गए थे। ट्रंप ने नवंबर के मध्य में कहा था कि उन्होंने दोनों देशों के बीच युद्ध को रोक दिया है जबकि तनाव अब भी बना हुआ है। युद्ध में उलझने वाले देशों के बारे लेकर लोगों की जिज्ञासा सबसे ज्यादा उनकी सेना को लेकर होती है। आखिर किसकी सेना कितनी ज्यादा शक्तिशाली है और वायुसेना में कितना दम है, तो चलिए आइए जानते हैं कि आखिर थाईलैंड और कंबोडिया में से कौन किसके ऊपर भारी पड़ता है।

बजट और जमीनी सेना : रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में कंबोडिया का रक्षा बजट करीब 1.3 अरब डॉलर था। उसके पास करीब 1.24 लाख सक्रिय सैनिक है। कंबोडिया की सेना की स्थापना 1993 में देश की पूर्व कम्युनिस्ट सेना और दो विद्रोही दलों से मिलकर बनी है। इसके अलावा इनके इनके पास करीब 200 सैन्य टैंक और 480 आर्टिलरी गन हैं। वहीं, दूसरी और थाईलैंड के ऊपर अमेरिका का हाथ रखा हुआ है। कंबोडिया के सामने इसका 5.7 अरब डॉलर का भारी भरकम सैन्य बजट हय़ अमेरिका के नॉन नाटो सहयोगी के रूप में पहचान रखने वाले थाईलैंड की सेना में 3.60 लाख सक्रिय सैन्य कर्मी हैं। इनके पास 400 टैंक, 1200 से ज्यादा बख्तरबंद गाड़ियां और करीब 2600 आर्टिलरी हथियार हैं। इसके अलावा इनकी सेना के पास विमानन की भी एक अलग शाखा है।

वायुसेना में भी थाईलैंड ताकतवर : कंबोडिया की वायुसेना में 1500 सैन्य कर्मी शामिल हैं। इनके पास एक छोटा वायुसैनिक बेड़ा है। इसमें 10 ट्रांसपोर्ट जहाज और 10 ट्रांसपोर्ट हेलीकॉप्टर शामिल हैं। इनके पास कोई फाइटर जेट नहीं है लेकिन 16 अन्य हेलीकॉप्टर हैं, जिनमें 6 सोवियत कालीन एमआई-17 और 10 चीनी जेड-9 विमान शामिल हैं। वहीं, दूसरी तरफ थाईलैंड की वायुसेना दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे मजबूत वायुसेना मानी जाती है। इसके पास वायुसेना में करीब 46 हजार सैनिक हैं और 112 विमान युद्ध के लिए तैयार हैं। इनमें से 28 एफ-16, 11 स्वीडिश ग्रिपन जेट और दर्जनों हेलीकॉप्टर शामिल हैं।

नौसेना भी थाईलैंड आगे : रिपोर्ट के मुताबिक थाईलैंड की नौसेना में करीब 2800 कर्मचारी हैं, जिनमें 1500 नौसैनिक इन्फ्रेंट्री शामिल हैं। इसके अलावा 13 गश्ती और तटीय पोत और एक लैंडिंग क्राफ्ट है। वहीं, दूसरी ओर थाईलैंड की नौसेना के पास जबरदस्त हथियार प्रणाली है। इसकी नौसेना में 70 हजार कर्मचारी हैं, जिनमें नौसैनिक विमानन, मरीन कोर और तटीय रक्षा और अनिवार्य सैनिक शामिल हैं। इसके अलावा इनके पास एक एयरक्राफ्ट कैरियर, 7 फ्रिगेट, 68 गश्ती और तटीय युद्धपोत शामिल हैं। इसके अलावा इनकी नौसेना की अपनी एक अलग वायु शाखा भी है, जिसके पास कई विमान और हेलीकॉप्टर मौजूद हैं।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सैकड़ों साल से विवाद : थाईलैंड और कंबोडिया का इतिहास लंबे समय तक खमेर साम्राज्य (कंबोडिया) और सियाम साम्राज्य (थाईलैंड) के बीच टकरावों से जुड़ा रहा है। फ्रांस और ब्रिटिश शासन के दौरान भी दोनों देशों की सीमाओं को तनाव था।

ऑस्ट्रिया की बर्फीली चोटी पर ठंड में जमकर महिला की मौत, बॉयफ्रेंड पर लापरवाही का आरोप

वियना, एजेंसी। ऑस्ट्रिया के सबसे ऊंचे पहाड़ ग्रॉसग्लॉकनर पर 33 साल की एक महिला कर्स्टिन गर्टनर की ठंड में जमकर मौत हो गई। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, कर्स्टिन साल्जबर्ग की रहने वाली थीं और सोशल मीडिया पर खुद को 'विंटर चाइल्ड' और 'माउंटेन पर्सन' कहती थीं।

जनवरी में वह अपने बॉयफ्रेंड थॉमस प्लामबेर्गर के साथ चढ़ाई करने गई थीं। थॉमस 39 साल के हैं और एक अनुभवी माउंटेन गाइड हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ने अपनी चढ़ाई दो घंटे देरी से शुरू की और ऊपर पहुंचते-पहुंचते मौसम बेहद खराब हो गया। तापमान -20डिग्री सेल्सियस तक गिर गया और हवाएं तूफानी रफ्तार से चल रही थीं। चोटी से सिर्फ करीब 150 फीट नीचे कर्स्टिन बहुत थक गईं, उनका शरीर ठंड से सुन्न होने लगा और वह उलझन में दिख रही थीं।

सरकारी वकील का आरोप है कि इतनी खराब हालत में होने के बावजूद थॉमस रात करीब 2 बजे कर्स्टिन को वहीं छोड़कर मदद लेने निकल गए। उन्होंने न तो उनके ऊपर इमरजेंसी ब्लैंकेट डाला, न ही उनके पास मौजूद सेफ्टी कवर का इस्तेमाल किया।

यहां तक कि थॉमस ने तुरंत रेस्क्यू टीम को कॉल नहीं किया और फोन साइलेंट पर रख दिया, जिससे रेस्क्यू टीम की कॉल्स मिस हो गईं। पहाड़ की वेबकैम फुटेज में भी सिर्फ एक हेडलैंप दिखाई दिया, जो शिखर से दूर जाता हुआ दिखा। तेज हवाओं और खराब मौसम के कारण रेस्क्यू टीम सुबह वहां पहुंच सकी। तब तक कर्स्टिन की मौत हो चुकी थी। थॉमस पर अब ग्रॉस नेग्लिजेंस (गंभीर लापरवाही) से हुई हत्या का आरोप है, और दोषी पाए जाने पर उन्हें तीन साल तक की जेल हो सकती है। उनके वकील का कहना है कि यह बस एक हादसा था। यह केस 19 फरवरी 2026 को इनसब्रुक रीजनल कोर्ट में सुना जाएगा।

इंसानों सी मानवीयता: मां के बाद बहन का सहारा बना ऑरंगउटान

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के गुनुंग पलुं नेशनल पार्क के घने वर्षावनों में रहने वाले दो मादा ऑरंगउटानों रोसा और रॉनी को वैज्ञानिक लंबे समय तक मां-बेटी समझते रहे। दोनों साथ घूमतीं, एक ही घोंसले में सोतीं और बड़े प्यार से फल साझा करतीं। पर नेशनल ज्योग्राफिक में प्रकाशित नई स्टडी बताती है कि यह रिश्ता असल में मां-बेटी का नहीं, बल्कि बड़ी और छोटी बहन का था। बड़ी बहन रोसा ने मां की मौत के बाद छोटी रॉनी को गोद लेकर पाला। यह ऑरंगउटानों में गोद लेने का पहला विस्तृत वैज्ञानिक दस्तावेज है, जो इन एकाकी जीवों के सामाजिक व्यवहार की नई परतें खोलता है। दुनिया को पहली बार पता चला कि ऑरंगउटान परिवार के बच्चों को गोद देते हैं। बोस्टन यूनिवर्सिटी की मानवविज्ञानी चेरिल नॉट ने डीएनए विश्लेषण कराया तब जाकर दोनों बहनों का सच सामने आया।

दोनों की उम्र में रहा करीब सात साल का फासला : सगी मां वेली थी, जो 2016 के बाद जंगल में नहीं दिखी। वेली की छोटी बेटी वाना को अंतिम बार 4 साल की उम्र में देखा गया था। बाद में पता चला कि वाना ही आगे चलकर रॉनी बनी। यानी मां की मौत के बाद बड़ी बहन रोसा ने उसे अपना लिया। 2017 में जब रोसा पहली बार रॉनी के साथ दिखी, वह लगभग 12 वर्ष की थी और रॉनी 5 वर्ष की।

चीन ने जापानी फाइटर जेट्स को निशाने पर लिया:दो बार फायर-रडार लॉक किया; बीजिंग का आरोपों से इनकार

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने चीन पर उसके फाइटर जेट्स को निशाने पर लेने का आरोप लगाया है। जापानी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक घटना शनिवार की है। आरोप है कि चीनी फाइटर जेट्स ने ओकिनावा द्वीप के पास इंटरनेशनल वॉटर्स में जापान की एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स के विमानों पर दो बार फायर-कंट्रोल रडार लॉक किया। यह वह स्टेज है जब कोई फाइटर जेट अपने हथियारों वाला रडार सीधे टारगेट पर लॉक कर देता है। फायर-कंट्रोल रडार को मिसाइल दागने से ठीक पहले लॉक किया जाता है। जापान ने घटना पर चीन को कड़ा विरोध दर्ज कराया है। पीएम साने तकाइची ने इसे खतरनाक बताते हुए चीन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ भविष्य में ऐसी घटना को रोकने के लिए कहा है। हालांकि चीन ने जापान के आरोपों से इनकार किया है।

चीन ने जापान को जिम्मेदार ठहराया : चीनी सेना ने इस घटना के लिए जापान को जिम्मेदार ठहराया है। PLA ने कहा है कि जापानी विमानों ने चीनी ट्रेनिंग एरिया में बार-बार घुसपैठ की। इससे अभ्यास बाधित हुआ और उड़ान सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ। घटना के वक्त चीनी कैरियर और तीन मिसाइल डिस्ट्रॉयर अभ्यास कर रहे थे। इस दौरान जापान ने संभावित हवाई सीमा उल्लंघन को रोकने के लिए एफ-15 विमानों को तैनात किया था। जबाव में चीनी जे -15 फाइटर जेट्स ने लिआनिंग एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भरते हुए एएसडीएफ के एफ-15 विमानों को रडार से निशाना बनाया। जापानी रक्षामंत्री शिंजिरो कोइजुमी के मुताबिक घटना में कोई विमान क्षतिग्रस्त नहीं हुआ।

ताइवान के मुद्दे पर चीन-जापान में तनाव बढ़ा : चीन और जापान के पिछले महीने ताइवान को लेकर जापानी पीएम साने ताकाइची के बयान के बाद तनाव बढ़ गया था। दरअसल ताकाइची ने 7 नंवबर को कहा कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो जापान मदद के लिए अपनी सेना भेजेगा। चीन ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदार और उकसाने वाला बताया। इसके अगले ही दिन विवाद और बढ़ गया जब जापान में चीन के काउंसल जनरल शुए जियान ने एक्स पर लिखा कि वह इस मामले में दखल देने वाले की गर्दन काट देंगे। इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजदूतों को तलब किया। चीन ने अपने नागरिकों को जापान न जाने के लिए आगाह किया है और चेतावनी दी है।

ताइवान को अपना हिस्सा मानता है चीन : चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि जापान और अमेरिका ताइवान को स्वतंत्र देश की तरह मान्यता तो नहीं देते, लेकिन अमेरिका उसकी सुरक्षा में मदद करता है और उस पर किसी भी जबरन कब्जे का विरोध करता है। ताइवान जापान से सिर्फ 110 किलोमीटर दूर है।

बांग्लादेश में चुनाव से पहले छात्र-नेतृत्व वाली नई पार्टी ने जमात से हाथ मिलाया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हाल में गठित छात्र नेतृत्व वाली पार्टी एनसीपी ने रविवार को जमात-ए-इस्लामी और एक अन्य समूह के साथ मिलकर फरवरी में होने वाले चुनाव से पहले 'गणतांत्रिक संगस्कार जोट' नामक गठबंधन बनाया। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रोत्साहन से इस वर्ष फरवरी में गठित नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी), स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) का एक राजनीतिक संगठन है, जिसने पिछले साल हिंसक प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। प्रदर्शन के परिणामस्वरूप पांच अगस्त, 2024 को प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार को सत्ता से बाहर

होना पड़ा था। एनसीपी ने दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी की शाखा अमर बांग्लादेश (एबी) पार्टी और 'राष्ट्र संगस्कार आंदोलन' के साथ गठबंधन बनाया। एनसीपी संयोजक नाहिद इस्लाम ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमारे गठबंधन को 'गणतांत्रिक संगस्कार जोट' कहा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह दो साल से अधिक के दीर्घकालिक प्रयासों का परिणाम है। इस्लाम सहित तीन छात्र नेता उस सलाहकार परिषद का हिस्सा थे जिसे यूनुस ने आठ अगस्त, 2024 को मुख्य सलाहकार का पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद गठित किया था। हालांकि, इस्लाम ने एनसीपी के गठन के लिए अपना पद छोड़ दिया। बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामी पार्टी, जमात-ए-इस्लामी ने फरवरी में होने वाले चुनावों के लिए समान विचारधारा वाले राजनीतिक संगठनों के बीच एकजुटता बनाने के अपने प्रयासों के तहत हाल में आठ इस्लामी दलों का गठबंधन बनाया। यूनुस की सरकार ने हसीना की अवामी लीग को भंग कर दिया था। इस कारण से पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) देश के राजनीतिक क्षेत्र में अग्रणी बन गई थी। जिया वर्तमान में गंभीर रूप से बीमार हैं। जिया की बीएनपी का संचालन उनके बड़े बेटे और पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान द्वारा किया जा रहा है, जो 2008 से लंदन में रह रहे हैं।

'आपको आईसीई के एजेंटों का आदेश न मानने का हक..', छापेमारी के बीच प्रवासियों से बोले जोहरान ममदानी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर के अगले मेयर जोहरान ममदानी ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने बताया कि प्रवासियों को अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसीई) के एजेंटों से बात न करने या उनके आदेशों का पालन न करने का अधिकार है। यह वीडियो ऐसे समय में जारी किया गया है, जब आईसीई ने मैनहैटन में हाल ही छापेमारी की है।

वीडियो में ममदानी ने शहर के 30 लाख प्रवासियों की सुरक्षा का वादा किया। उन्होंने कहा, 'अगर आप अपने अधिकार जानते हैं, तो आप आईसीई का सामना कर सकते हैं। ममदानी ने कहा कि अमेरिका में लोग संघीय आव्रजन एजेंटों से बात करने से इनकार कर सकते हैं। उन्हें बाधा पहुंचाए बिना उनका वीडियो रिकॉर्ड कर सकते हैं और उन्हें किसी निजी स्थान में प्रवेश करने से मना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आईसीई एजेंट किसी जज के हस्ताक्षर वाले वारंट के बिना किसी घर, स्कूल या कार्यस्थल में प्रवेश नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा, आईसीई आपसे झूठ बोल सकता है, लेकिन आपको चुप रहने का अधिकार है। अगर आपको रोका जा रहा है, तो आप बार-बार पूछ सकते हैं- क्या मैं जा सकता हूं? जब तक वे जवाब न दें। ममदानी एक जनवरी को मेयर पद

की शपथ लेंगे। उनकी यह टिप्पणी उस घटना के एक सप्ताह बाद आई, जब प्रदर्शनकारी चाइनाटाउन के पास कैनाल स्ट्रीट पर उस समय एकत्र हो गए थे। आईसीई एजेंट लोगों को हिरासत में लेने की कोशिश कर रहे थे। पिछले अक्तूबर में भी इसी इलाके में ऐसी ही कार्रवाई के दौरान विरोध प्रदर्शन हुआ था। ममदानी ने रविवार के वीडियो में कहा, न्यूयॉर्क हमेशा प्रवासियों का स्वागत करेगा और मैं हर दिन उनकी सुरक्षा, सहयोग और सम्मान के लिए लड़ता रहूंगा। कुछ हफ्ते पहले ममदानी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भी व्हाइट हाउस में बैठक की थी। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में न्यू ऑरलियन्स सहित कई अमेरिकी शहरों में अवैध प्रवासियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर छापेमारी शुरू की है।

जेलेंस्की ने पढ़ा तक नहीं यूएस का प्रस्ताव, ट्रंप कैसे रुकवा पाएंगे युद्ध; किस मूड में है रूस

कीव, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की उनके देश द्वारा तैयार किए गए उस शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए 'तैयार नहीं हैं'। इसका उद्देश्य रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करना है। दोनों मुल्कों के बीच फरवरी 2022 से ही सैन्य संघर्ष जारी है। रूस और यूक्रेन के बीच मतभेदों को कम करने के उद्देश्य से शनिवार को अमेरिकी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने तीन दिन की बातचीत पूरी की लेकिन रविवार रात पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने संकेत दिया कि वार्ता को आगे बढ़ने से रोकने वाले जेलेंस्की ही हैं। ट्रंप ने कहा, 'मुझे थोड़ी निराशा है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अभी तक इस प्रस्ताव को नहीं पढ़ा है, कुछ घंटे पहले तक यही स्थिति थी। उनकी टीम को यह पसंद है, लेकिन उन्होंने इसे नहीं पढ़ा।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि रूस को इससे कोई दिक्कत नहीं है लेकिन यह पक्का नहीं कि जेलेंस्की को यह ठीक लगे। उनकी टीम को यह पसंद है लेकिन वह तैयार नहीं हैं।' रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की योजना को सार्वजनिक रूप से मंजूरी नहीं दी है। वास्तव में पिछले सप्ताह पुतिन ने कहा था कि ट्रंप के प्रस्ताव के कई पहलू अव्यावहारिक हैं। हालांकि, प्रस्ताव का मूल मसौदा मॉस्को के पक्ष में अधिक झुका हुआ था। जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि उन्होंने उन अमेरिकी अधिकारियों के साथ 'फोन पर महत्वपूर्ण बातचीत' की है, जो फ्लोरिडा में यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें वार्ता की प्रगति के बारे में फोन पर जानकारी दी गई। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'यूक्रेन अमेरिका के साथ ईमानदारी से काम जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वास्तविक शांति हासिल की जा सके।' ट्रंप ने

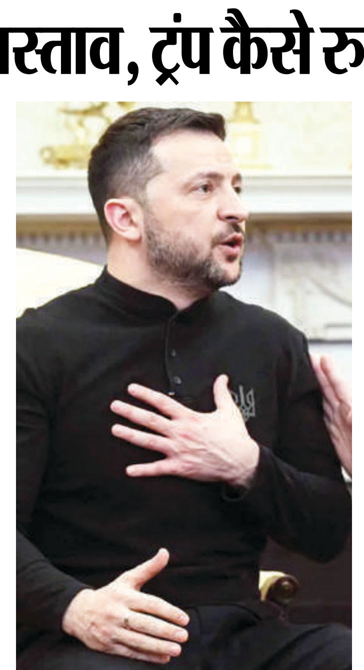

जेलेंस्की की आलोचना ऐसे वक्त में की है जब रविवार को रूस ने ट्रंप प्रशासन की नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का स्वागत किया। इसी बीच, अधिकारियों ने बताया कि ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के नेता सोमवार को लंदन में जेलेंस्की के साथ बैठक करेंगे। हमले जारी रूस द्वारा रविवार रात को किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों में यूक्रेन में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से तीसरे दिन की वार्ता समाप्त हो गई है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी चेर्निहिव क्षेत्र में शनिवार रात हुए ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई। इस बीच, केंद्रीय शहर क्रेमेन्चुक में बुनियादी ढांचे पर मिसाइल और ड्रोन के संयुक्त हमले से बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई। यह शहर यूक्रेन की प्रमुख तेल रिफाइनरियों और औद्योगिक केंद्रों में से एक है। कीव और उसके पश्चिमी सहयोगियों का कहना है कि रूस लगातार चौथी बार सर्दियों में यूक्रेन की ऊर्जा प्रणाली को निशाना बनाकर नागरिकों को गर्मी, रोशनी और पानी से वंचित करने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेनी अधिकारियों ने इसे 'ठंड को हथियार बनाना' बताया। हमलों के बीच, राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि उन्होंने फ्लोरिडा में चल रही वार्ता में शामिल अमेरिकी अधिकारियों से फोन पर बातचीत की। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा,'यूक्रेन अमेरिकी पक्ष के साथ ईमानदारी से काम जारी रखने और शांति बहाल के लिए दृढ़ संकल्पित है।' यूक्रेन के मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निवर्तमान दूत कीथ केलॉग ने कहा कि वार्ता 'अंतिम चरण' में है और इसका समाधान भूभाग, मुख्य रूप से डोनबास, तथा जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र से जुड़े मुद्दों पर निर्भर करता है।

रेल राज्य मंत्री सोमन्ना ने तिरुपति-साईंनगर शिरडी एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

भारतीय रेल क्षेत्र एवं संस्कृति को जोड़ती है, देश की जीवनरेखा है: वी. सोमन्ना

नई दिल्ली। रेल राज्यमंत्री वी. सोमन्ना ने मंगलवार को यहां रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तिरुपति-साईंनगर शिरडी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह नई साप्ताहिक ट्रेन आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र को जोड़ते हुए तीर्थ यात्रा को नई गति देगी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र से शिरडी के लिए पहली सीधी रेल सेवा उपलब्ध कराएगी।

सोमन्ना ने इसे चार राज्यों के श्रद्धालुओं के लिए ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि भारतीय रेल केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि देश के विभिन्न क्षेत्रों और संस्कृतियों को जोड़ने वाली राष्ट्रीय जीवनरेखा है। उन्होंने कहा कि तिरुपति और शिरडी जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों को सीधे जोड़ने से यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और निर्बाध अंतर-राज्यीय यात्रा सुविधा मिलेगी। लगभग 30 घंटे की यात्रा अवधि वाली यह नई ट्रेन रास्ते में नेल्लोर, गुंटूर, सिकंदराबाद, बीदर, मनमाड़ सहित कुल 31 प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी और मार्ग में पारली वैजनाथ जैसे महत्वपूर्ण मंदिर स्थल को भी जोड़ती है।

उन्होंने कहा कि इस सेवा से तीर्थ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, मार्ग में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और आसपास के क्षेत्रों का संपूर्ण विकास होगा। नई ट्रेन महाराष्ट्र, उत्तर कर्नाटक और सिकंदराबाद क्षेत्र को भी सीधा लाभ पहुंचाएगी।

सोमन्ना ने बताया कि 2014 के बाद से आंध्र प्रदेश में रेल अवसंरचना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2009-14 के दौरान आंध्र प्रदेश व तेलंगाना के लिए औसत रेल बजट जहां 886 करोड़ रुपये था, वहीं 2025-26 में यह बढ़कर 9,417 करोड़ रुपये हो गया है। राज्य में वर्तमान में 93 हजार करोड़ रुपये से अधिक के रेल प्रोजेक्ट चल रहे हैं। 2014 के बाद से राज्य में 1,580 किमी नई लाइनों का निर्माण हुआ है, वह भी शत प्रतिशत विद्युतीकरण के साथ। राज्य में अब 73 अमृत स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं जिन पर 3,125 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके अलावा 800 फ्लाईओवर और पुल, 110 लिफ्टें, 40 एस्केलेटर लगाए गए हैं तथा 16 वंदे भारत (8 जोड़ी) और 6 अमृत भारत (3 जोड़ी) ट्रेनें शुरू की गई हैं। तिरुपति में चल रही परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि तिरुपति अमृत स्टेशन का कार्य 312 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। प्रमुख प्रोजेक्ट्स में तिरुपति-पाकाला-कट्पडी डबलिंग (105 किमी - 1,215 करोड़ रुपये), गुडूर-रेनिगुंटा तृतीय लाइन (83 किमी - 875 करोड़ रुपये) और नडिकुड़ी-श्रीकालहस्ती नई लाइन (310 किमी - 5,900 करोड़ रुपये) शामिल हैं। इसके साथ ही विजयवाड़ा-गुडूर तृतीय लाइन (287 किमी - 6,235 करोड़ रुपये) और यर्रपेडु-पुडी बाईपास लाइन (25 किमी - 490 करोड़ रुपये) पर भी कार्य जारी है।

कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश सरकार के मंत्री बी. सी. जनार्दन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा डॉ. मडिला गुरुमूर्ति (सांसद, तिरुपति), बी. कल्याण चक्रवर्ती (एमएलसी), ए. श्रीनिवासुलु (विधायक, तिरुपति), भानु प्रकाश रेड्डी (टीटीडी बोर्ड सदस्य) सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया।

मोबाइल छिनतई मामले में एक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

लातेहार/महुआडांड़। पुलिस ने महुआडांड़ थाना क्षेत्र में मोबाइल छिनतई की घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई की है. पुलिस ने इस कांड का उदभेदन करते हुए कांड के नामजद एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. जबकि इसी कांड में शामिल दो अन्य आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं. इस मामले में थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि इस संबंध में महुआडांड़ थाना कांड संख्या 53/25, दिनांक 08/12/2025, धारा 304/3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था.इस कांड में नामजद आरोपी आकिब अली (19), पिता यूसुफ अली, गुड़गुटोली, महुआडांड़ को पुलिस ने मोबाइल छिनतई के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. वहां सेउसे मंडल कारा, लातेहार भेज दिया गया है. उन?होने बताया कि इस मामले में दो आरोपी साहिल उर्फ चिल्ड, पिता मो. मुर्सिल, जरहाटोली एवं खलील अंसारी पिता स्व इस्माईल अंसारी, अमवाटोली (दोनो महुआडांड़) फरार हैं. उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा है और शीघ्र ही दोनो पुलिस की गिरफ्त में होगें.उन्होने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के पास से छिनतई किया गया मोबाइल फोन और इस्तेमाल किया गया मोटरसाइकिल बरामद किया गया है. इस संबंध में थाना प्रभारी ने कहा कि क्षेत्र में अपराध को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. मोबाइल छिनतई जैसी घटनाओं को रोकने के लिए दिन और रात लगातार गश्ती अभियान चलाया जा रहा है. फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

चेन पुलिंग करने वाले 1003 लोग तथा महिला डिब्बे में यात्रा करने वाले 2267 पुरुष यात्री हिरासत में

हाजीपुर: पूर्व मध्य रेल द्वारा बिना पर्याप्त कारण अवैध रूप से चेन पुलिंग करके रेल गाड़ियों को जहां-तहां रोकने वालों के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जाती रही है । इसी क्रम पूर्व मध्य रेल के सुरक्षा बलों द्वारा ऑपरेशन समय पालन के तहत ऐसे लोगों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है ताकि ट्रेनें अनावश्यक रूप से विलंब ना हो । ऑपरेशन समय पालन के तहत नवंबर माह में रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों में बिना उचित कारण के चेन पुलिंग करने के आरोप में 1003 लोगों को हिरासत में लिया गया । इन लोगों के विरूद्ध रेल अधिनियम की धारा 141 के तहत कार्रवाई की गई । ऑपरेशन समय पालन के तहत इस दौरान सर्वाधिक 405 लोग दानापुर मंडल में पकड़े गये जबकि समस्तीपुर मंडल में 249, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 135, सोनपुर मंडल में 111 तथा धनबाद मंडल में 103 लोगों को हिरासत में लिया गया । इसी तरह महिलाओं की सुरक्षा के मद्देनजर ऑपरेशन महिला सुरक्षा के तहत महिला कोच में यात्रा करने वाले पुरुष यात्रियों के खिलाफ भी धर-पकड़ अभियान चलाया गया। ऑपरेशन महिला सुरक्षा मे तहत नवंबर माह में रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों पर महिला कोच में यात्रा करने के आरोप में रेल अधिनियम की धारा 162 के तहत 2267 पुरुष यात्रियों को हिरासत में लिया गया । इनमें सर्वाधिक 1084 लोग दानापुर मंडल में पकड़े गये जबकि पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 558, धनबाद मंडल में 355, समस्तीपुर मंडल में 148 तथा सोनपुर मंडल में 122 पुरुष यात्रियों को हिरासत में लिया गया ।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया

हाजीपुर: हाजीपुर में 03 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया । महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं ।

आरपीएफ ने मोबाइल चोरी की कोशिश नाकाम की ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत आरोपी को पकड़ा

आसनसोल : आसनसोल मंडल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने आज विद्यासागर रेलवे स्टेशन पर एक मोबाइल चोर को पकड़कर ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत यात्री संरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। लगभग 06.20 बजे ट्रेन संख्या 13319 एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर पहुंची, तभी पीछे के जनरल कोच में यात्रियों ने चोर-चोर चिल्लाकर शोर मचाया। तदुपरांत जामताड़ा पोस्ट के ड्यूटी पर तैनात रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मी तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर यथाशीघ्र पहुंचे, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मी ने एक व्यक्ति को रेलवे ट्रैक के किनारे भागते हुए देखा और उसे सफलतापूर्वक पकड़ लिया। ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत जांच के दौरान उस व्यक्ति के पास से एक रियलमी मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसके चोरी होने का संदेह था। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से आरोपी भाग नहीं पाया और मोबाइल भी बरामद हो गया। जामताड़ा के सहायक सब-इंस्पेक्टर ने उक्त मामले का विस्तृत जांच किया, जिसके दौरान आरोपी ने ट्रेन नंबर 13319 एक्सप्रेस में यात्रा कर रही एक महिला यात्री से मोबाइल चुराने की बात कबूल की। कोच में वह महिला यात्री जिसका मोबाइल चोरी किया गया था, को ढूंढने की शुरूआती कोशिशें नाकाम रहीं। इसके बाद बरामद फोन पर कॉल करने पर पुष्टि हुई कि बरामद किया गया मोबाइल उसी महिला का है और उसे जीआरपी मधुपुर से इसे लेने की सलाह दी गई। बरामद किया गया मोबाइल का उचित दस्तावेजीकरण करने के बाद जीआरपी मधुपुर को सौंप दिया गया और आरोपी को लिखित शिकायत के साथ हिरासत में ले लिया गया। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) जामताड़ा की त्वरित और समन्वित कार्रवाई यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने में आसनसोल मंडल की सतर्कता और समर्पण को दर्शाती है। पूर्व रेलवे/आसनसोल मंडल सुरक्षित यात्रा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मचारियों की त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए उनकी सराहना करता है।

उपायुक्त के जनता दरबार में सुनी गई आमजनों की समस्याएं, दिए त्वरित समाधान के निर्देश

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने आवेदन एवं शिकायतों के साथ उपस्थित हुए।

उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित पदाधिकारियों को मामलों के त्वरित एवं संवेदनशील निपटारे का निर्देश दिया।जनता दरबार में मुख्य रूप से पेंशन स्वीकृति, राशन कार्ड त्रुटि सुधार, आवास, आपूर्ति व्यवस्था, भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, रोजगार एवं विभिन्न योजनाओं से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदन निर्धारित समयसीमा में निष्पादित किए जाएं।

जमीन अधिग्रहण से जुड़ा मामला (केरेडारी): मोहन कुमार ने एनटीपीसी द्वारा अधिग्रहित भूमि के बाद विस्थापन मुआवजा दिलाने का अनुरोध किया। उपायुक्त ने एनटीपीसी को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

भूमि विवाद एवं अतिक्रमण (डाड़ी): मनोहर साव ने पैतृक भूमि पर जबरन अतिक्रमण और दबंगई की शिकायत दर्ज कराई। उपायुक्त ने एसडीओ, को मामले की जांच कर शीघ्र कार्रवाई करने का आदेश दिया।कृषि में सौर ऊर्जा सुविधा (बरही):पंचम महतो ने पीएम-कुसुम योजना के तहत सोलर पंप उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस पर उपायुक्त ने कृषि विभाग को आवश्यक सहयोग करने का निर्देश दिया।

रोजगार व विस्थापन से जुड़ा अनुरोध (बड़कागांव): रोशन कुमार ने गरीबी और बेरोजगारी से निजात दिलाने तथा एनटीपीसी द्वारा अधिग्रहित भूमि के बाद बाहरी स्त्रोत से रोजगार की मांग की। उपायुक्त ने इस पर डीएएलओ एवं एसडीओ को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया।

खाशमहल भूमि लीज नवीकरण (सदर प्रखंड): एक आवेदक ने खाशमहल भूमि का लीज नवीकरण न होने की शिकायत की। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को विधि सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना है। सभी अधिकारी जनता की शिकायतों को प्राथमिकता पर लेकर निर्धारित समयसीमा में निष्पादित करें।

जन शिकायत निवारण में उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्या, निदान को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एकझ्एक कर उनकी समस्याएँ सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा।

आज के जन शिकायत निवारण में मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण, जमीन विवाद, रोजगार उपलब्ध कराने, रेवतकला जलाशय में मछली शिकार करने से रोक लगाने के संबंध में, संविदा के पद पर नियुक्ति संबधित जुड़े आवेदन आये। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े शब्दों में निदेशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए , समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करें। उपायुक्त के निदेर्शानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है।

आरपीएफ ने हटिया रेलवे स्टेशन से 23 किलो गांजा किया बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हटिया रेलवे स्टेशन से 23 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस कार्रवाई में बिहार के पश्चिमी चंपारण के रहने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार, कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर हटिया स्टेशन परिसर में संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान ड्यूटी पर मौजूद उपनिरीक्षक संतोष कुमार सिंह और फ्लाइंग टीम ने प्लेटफॉर्म पर संदिग्ध रूप से बैठे

दो व्यक्तियों को रोका और उनकी तलाशी ली।

जांच में उनके बैगों से चार पैकेटों में बंद कुल 23 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी बाजार कीमत लगभग 11.50 लाख रुपये आंकी गई है।

आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त अशोक कुमार सिंह की उपस्थिति में जब्त किए गए पैकेटों की डीडी किट से जांच की गई, जिसमें गांजा होने की पुष्टि हुई। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए बरामद सामग्री और दोनों आरोपितों को आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी हटिया को सौंप दिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोहम्मद फिरोज और राम बिलास चौधरी के रूप में हुई है। उनके पास मिले बैगों में गांजा अलग-अलग पैक कर रखा गया था। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह गांजा ओडिशा के राउरकेला में एक अज्ञात व्यक्ति से खरीदा था और इसे धनबाद में किसी व्यक्ति को सौंपने जा रहे थे।

बाल विवाह रोकथाम एवं लिंग आधारित भ्रूण जाँच को समाप्त करने के लिए सहयोगात्मक भाव जरूरी : अलका हेमब्रोम

बिभा संवाददाता

लातेहार/गारू: प्रखंड में मंगलवार को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अलका हेमब्रोम द्वारा गारु प्रखंड के उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय में बाल विवाह रोकथाम एवं लिंग आधारित भेदभाव को समाप्त करने के उदेश्य से कार्यशाला सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिला समाज कल्याण विभाग के तत्वाधान में किया गया।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी तथा बच्चियों के जन्म पर एक एक पेड़ लगाने हेतु संकल्प दिलायी, उन्होंने बताया की सरकार द्वारा बेटियों के जन्म से आगे की पढ़ाई तथा उनकी शादी तक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराती है. अतः बेटियों को बोझ समझना नहीं चाहिए उनको भी समाज में रहने का अधिकार है तथा बेटी भी आगे हर क्षेत्र में अच्छा कर सकती है!

मौके पर विभाग स्तर से चलाये जा रहे योजनाओं के वृहद प्रसार एवं जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया. साथ ही स्कूली छात्राओं के बीच विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी हेतु एक एक डायरी का वितरण किया गया!

बाल विवाह, बाल श्रम, शोषण के विरुद्ध तथा बाल मजदूरों, विशेष रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों की सुरक्षा, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन के लिए भी आवश्यक जानकारी उपलब्ध करायी गयी!

*कार्यशाला में अंचल अधिकारी दिनेश मिश्रा, शिक्षकगण, स्थानीय जन प्रतिनिधि, जेएसएलपीएस के महिला समूह की महिलाएं, तथा छात्र छात्राएं एवं स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित थे।

आसनसोल मंडल ने 16वीं बटालियन आरपीएसएफ में रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच और कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

आसनसोल: आसनसोल मंडल मंगलवार को बटालियन सप्ताह समारोह के हिस्से के रूप में 16वीं बटालियन आरपीएसएफ/ आसनसोल में एक व्यापक रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच और कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। मंडल मेडिकल विभाग की देखरेख में आयोजित इस पहल का उद्देश्य आरपीएसएफ कर्मियों के बीच निवारक स्वास्थ्य देखभाल प्रक्रियाओं को मजबूत करना और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना है।

आसनसोल मंडल की मेडिकल टीमों ने, स्वास्थ्य प्रशिक्षकों, प्रयोगशाला तकनीशियनों, पैरामेडिकल स्टाफ और आरपीएसएफ कर्मियों के साथ मिलकर कार्यक्रम का सुचारू और अच्छी तरह से समन्वित निष्पादन सुनिश्चित किया। इस कार्यक्रम ने फ्रंटलाइन सुरक्षा कर्मचारियों के लिए व्यवस्थित स्वास्थ्य मूल्यांकन और समय पर जागरूकता व्यवधान पर मंडल के निरंतर जोर को रेखांकित किया।

रक्तदान अभियान के दौरान आरपीएसएफ कर्मियों ने उदारतापूर्वक स्वेच्छा से रक्तदान किया, जिससे मंडल द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण आपातकालीन ब्लड रिजर्व में योगदान मिला। उक्त अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य जांच में ब्लड प्रेशर, आरबीएस, ऊंचाई, वजन और बीएमआई माप शामिल थे, जिसके बाद शुरूआती पहचान, बीमारी की रोकथाम और जीवन शैली में सुधार पर ध्यान केंद्रित करते हुए परामर्श सत्र आयोजित किए गए। इसी क्रम में एक समर्पित कैंसर जागरूकता सत्र उक्त कार्यक्रम का एक अभिन्न अंग था, जिसमें सामान्य कैंसर के प्रकार, शुरूआती चेतावनी के संकेत, संबंधित जोखिम कारक और आवश्यक निवारक रणनीतियों पर विस्तृत जानकारी दी गई। कर्मियों को नियमित स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं को अपनाने और दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने के लिए बेहतर जीवन शैली विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

उक्त कार्यक्रम का समापन इकाई द्वारा औपचारिक आभार व्यक्त करने के साथ हुआ, जिसमें मेडिकल टीमों के प्रयासों और आरपीएसएफ कर्मियों के सक्रिय समर्थन की सराहना की गई। इस पहल को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और इसे आसनसोल मंडल के तहत 16वीं बटालियन आरपीएसएफ में स्वास्थ्य चेतना, तैयारी और समग्र कल्याण को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में मान्यता दी गई।

पांच वर्षों की सभी योजनाओं में अनिवार्य रूप से लगवाएं सूचनापट्ट : डीडीसी

बिभा संवाददाता

देवघर। उपविकास आयुक्त (डीडीसी) पीयूष सिन्हा ने मंगलवार को प्रखंड कार्यालय देवीपुर के सभागार में पंचायत सेवक, रोजगार सेवक, कनीय अभियंता, सहायक अभियंता सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक की।

इसके साथ ही उन्होंने पंचायतवार प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना, मनरेगा के अंतर्गत वित्त वर्ष 2022-23 के पूर्व की लंबित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मियो को कई निर्देश भी दिया। उन्होंने प्राथमिकता के आधार पर लंबित कार्यों को को भी कहा। साथ ही विगत पांच सालों कि सभी योजनाओं में अनिवार्य रूप से सूचनापट्ट लगाने का निर्देश दिया। मौके पर डीडीसी ने देवीपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के अंदर सभी योजनाओं में सूचनापट्ट लगवाएं। इसके अलावा सभी पंचायत सेवक और रोजगार सेवकों को पंचायत में फाइल को उचित तरीके से निपटाने और मनरेगा की सात अनिवार्य फाइलों को एक सप्ताह में अद्यतन करने को कहा। समीक्षा के क्रम में लंबित आवास योजनाओं को भी एक सप्ताह में पूरा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही लाभुकों को समय पर भुगतान करने और आवास योजना का लगातार पर्यवेक्षण और मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया गया। बैठक में प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के पंचायत सेवक, रोजगार सेवक, कनीय अभियंता, सहायक अभियंता, प्रखंड समन्वयक, प्रखंड विकास पदाधिकारी, देवघर की निदेशक सागरी बराल, परियोजना पदाधिकारी प्रीति कुमारी सहित अन्य मौजूद थे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com